01.03.2024

अनुसंधान और फसल की पैदावार बढ़ाने को लेकर किए जाने वाले उपायों की दी जानकारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

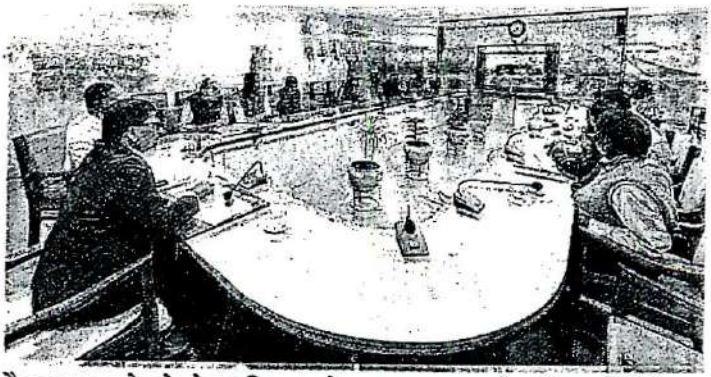

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस दौरान कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा विवि में समय-समय पर देश भर से विभिन्न विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिकों बुलाया जाएगा, ताकि उच्च तकनीक की जानकारी किसानों को मिले और वे अपनी आय बढ़ा सके। बैठक में वैज्ञानिकों ने मशरूम, अनार समेत विभिन्न फसलों को लेकर चल रहे अनुसंधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

कुलपति ने विभिन्न प्रोजेक्ट को लेकर हुए अनुसंधान और फसल की पैदावार बढ़ाने को लेकर किए जाने वाले उपायों की जानकारी किसानों को समय-समय पर देने व विभिन्न प्रोजेक्ट को लेकर आए फंड का सदुपयोग करने के निर्देश दिए। वित्त नियंत्रक राजेंद्र कुमार खत्री ने कहा कि जो भी प्रपोजल भेजे जाएं वो विस्तृत जानकारी के साथ आएं, ताकि उसे तत्काल प्रोसेस कर समय बचाया जा सके। बैठक में निदेशक अनुसंधान डॉ.पीएस शेखावत, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ. एस आर यादव, कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. आई पी सिंह, भू सदृश्यता एवं आय सृजन डॉ. दाताराम, सह आचार्य उद्यानिकी डॉ. राजेंद्र सिंह राठौड़, सुरेश बिश्नोई सहित अन्य उपस्थित रहे।

01.03.2024

विभिन्न विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिकों को समय-समय पर देश भर से बुलाया जाएगा ताकि किसानों की आय बढ़ सके - कुलपति डॉ अरुण कुमार

›› राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

बुलंद राजस्थान

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में समय समय पर देश भर से विभिन्न विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिकों बुलाया जाएगा ताकि उच्च तकनीक की जानकारी किसानों को मिले और वे अपनी आय बढ़ा सके। ये कहना है स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार का जो गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर के मीटिंग हॉल में आयोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में वैज्ञानिकों ने मशरूम, अनार समेत विभिन्न फसलों को लेकर चल रहे अनुसंधान के बारे

में विस्तृत जानकारी दी। कुलपति ने विभिन्न प्रोजेक्ट को लेकर हुए अनुसंधान और फसल की पैदावार बढ़ाने को लेकर किये जाने वाले उपायों की जानकारी किसानों को समय समय पर देने व विभिन्न प्रोजेक्ट को लेकर आए फण्ड का सदुपयोग करने के निर्देश दिये। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बैठक में वैज्ञानिकों से किसानों के खेत पर विभिन्न प्रदर्शन आयोजन करने व फ़ील्ड डे मनाने के निर्देश भी दिए। साथ ही कहा कि विभिन्न विभागों में रिसर्च से संबंधित बड़े डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएँ ताकि किसान यूनिवर्सिटी विजिट के समय उन्हें देख समझ सके और खेती में उच्च तकनीक का इस्तेमाल कर सके। बैठक में वित्त नियंत्रक राजेंद्र कुमार खत्री ने कहा कि जो भी प्रपोज़ल भेजे जाएँ वो विस्तृत जानकारी के साथ आए ताकि उसे तत्काल प्रोसेस कर समय बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि कृषि विकास और कृषि से संबंधित रिसर्च किसानों के लिए अति महत्वपूर्ण है लिहाज़ा इसमें उनकी ओर से सदैव पूर्ण सहयोग किया जाएगा। इससे पूर्व बैठक की शुरुआत में कुलपति ने वित्त नियंत्रक राजेंद्र कुमार खत्री और पीआरओ सुरेश बिश्नोई का विभिन्न वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कहा कि अब विश्वविद्यालय की पहुँच को और बढ़ाया जा सकेगा। विभिन्न अनुसंधानो को किसानों तक आसानी से पहुँचाया जा सकेगा जिसका लाभ भी किसानों और वैज्ञानिकों दोनों को मिलेगा। बैठक में निदेशक अनुसंधान डॉ पी एस शेखावत, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ एस आर यादव,कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ आई पी सिंह, भू सदृश्यता एवं आय सृजन डॉ दाताराम, सह आचार्य उद्यानिकी डॉ राजेंद्र सिंह राठौड़, शस्य विज्ञान सहायक आचार्य डॉ पी एस चौहान, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डीन डॉ विमला डुकवाल, कृषि महाविद्यालय डीन डॉ पी के यादव, कीट विज्ञान सहआचार्य डॉ वी एस आचार्य, केवीके बीकानेर के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ केशव मेहरा आदि उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 01-03-2024

बच्चों को हाइड्रोपोनिक्स तकनीक की जानकारी दी

बीकानेर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बने स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का गुरुवार को पूगल की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डंडी और बीकानेर की सार्दुल उच्च माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों ने विजिट किया। इस दौरान संग्रहालय प्रभारी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ जितेंद्र कुमार गौड़ ने विद्यार्थियों को कृषि की नई तकनीकों, जल बचत, कृषि में सौर ऊर्जा का उपयोग आदि की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही इनसे संबंधित विभिन्न मॉडल भी दिखाए गए। इस दौरान सहायक लेखाधिकारी दिनेश चूरा, सुभाष जोशी, भुवनेश सांखला, गिरिराज दाधीच, महेन्द्र मोहता समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

01.03.2024

हाइड्रोपोनिक्स समेत कृषि की विभिन्न आधुनिक तकनीक की दी जानकारी

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बने स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का गुरुवार को पूगल की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डंडी और बीकानेर की सार्दूल उच्च माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों ने विजिट किया। इस दौरान संग्रहालय प्रभारी एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ जितेंद्र कुमार गौड़ ने विद्यार्थियों को कृषि की नई तकनीकों, जल बचत, कृषि में सौर ऊर्जा का उपयोग, पशुधन समन्वित कृषि प्रणाली, बूँद बूँद सिंचाई, फसलों के बचाव हेतु रक्षक पट्टिका, हाईड्रॉपोनिक्स तकनीक, सोलर कुकर आदि की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही इनसे संबंधित विभिन्न मॉडल भी दिखाए गये और उनके बारे में जानकारी दी। इस दौरान सहायक लेखाधिकारी दिनेश चूरा, सार्दूल स्कूल से भुवनेश साँखला, गिरिराज दाधीच, महेन्द्र मोहतासमेत अन्य स्टाफ़ मौजूद रहा।

किसानों को दी जाएगी उच्चा तकनीक की जानकारी : डॉ अरुण कुमार

कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में बड़े डिस्प्ले बोर्ड लगाने के कुलपति ने दिये निर्देश

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में समय समय पर देश भर से विभिन्न विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिकों बुलाया जाएगा ताकि उच्च तकनीक की जानकारी किसानों को मिले और वे अपनी आय बढ़ा सके। ये कहना है स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार का जो गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर के मीटिंग हॉल में आयोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में वैज्ञानिकों ने मशरूम, अनार समेत विभिन्न फसलों को लेकर चल रहे अनुसंधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कुलपति ने विभिन्न प्रोजेक्ट को लेकर हुए अनुसंधान और फसल की पैदावार बढ़ाने को लेकर किये जाने वाले उपायों की जानकारी किसानों को समय समय पर देने व विभिन्न प्रोजेक्ट को लेकर आए फण्ड का सदुपयोग करने के निर्देश दिये।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बैठक में वैज्ञानिकों से किसानों के खेत पर विभिन्न प्रदर्शन आयोजन

करने व फ़ील्ड डे मनाने के निर्देश भी दिए। साथ ही कहा कि विभिन्न विभागों में रिसर्च से संबंधित बड़े डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएँ ताकि किसान यूनिवर्सिटी विजिट के समय उन्हें देख समझ सके और खेती में उच्च तकनीक का इस्तेमाल कर सके। बैठक में वित्त नियंत्रक श्री राजेंद्र कुमार खत्री ने कहा कि जो भी प्रपोज़ल भेजे जाएँ वो विस्तृत जानकारी के साथ आए ताकि उसे तत्काल प्रोसेस कर समय बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि कृषि विकास और कृषि से संबंधित रिसर्च किसानों के लिए अति महत्वपूर्ण है लिहाज़ा इसमें उनकी ओर से सदैव पूर्ण सहयोग किया जाएगा। इससे पूर्व बैठक की शुरुआत में कुलपति ने वित्त नियंत्रक श्री राजेंद्र कुमार खत्री और पीआरओ श्री सुरेश बिश्नोई का विभिन्न वैज्ञानिकों से परिचय करवाते हुए कहा कि अब विश्वविद्यालय की पहुँच को और बढ़ाया जा सकेगा। विभिन्न अनुसंधानो को किसानों तक आसानी से पहुँचाया जा सकेगा जिसका लाभ भी किसानों और वैज्ञानिकों दोनों को मिलेगा।

बैठक में निदेशक अनुसंधान डॉ पी एस शेखावत, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ एस आर यादव,कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ आई पी सिंह, भू सदृश्यता एवं आय सृजन डॉ दाताराम, सह आचार्य उद्यानिकी डॉ राजेंद्र सिंह राठौड़, शस्य विज्ञान सहायक आचार्य डॉ पी एस चौहान, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डीन डॉ विमला डुकवाल, कृषि महाविद्यालय डीन डॉ पी के यादव, कीट विज्ञान सहआचार्य डॉ वी एस आचार्य, केवीके बीकानेर के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ केशव मेहरा आदि उपस्थित थे।

दैनिक राजस्थान प्रदीप, बीकानेर

सार संक्षेप

01.03.2024

कृषि की विभिन्न आधुनिक तकनीक की दी जानकारी

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बने स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का गुरुवार को पूगल की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डंडी और बीकानेर की सार्दूल उच्च माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों ने विजिट किया। इस दौरान संग्रहालय प्रभारी एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ जितेंद्र कुमार गौड़ ने विद्यार्थियों को कृषि की नई तकनीकों, जल बचत, कृषि में सौर ऊर्जा का उपयोग, पशुधन समन्वित कृषि प्रणाली, बूँद बूँद सिंचाई, फसलों के बचाव हेतु रक्षक पट्टिका, हाईड्रॉपोनिक्स तकनीक, सोलर कुकर आदि की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही इनसे संबंधित विभिन्न मॉडल भी दिखाए गये और उनके बारे में जानकारी दी। इस दौरान सहायक लेखाधिकारी श्री दिनेश चूरा, सार्दूल स्कूल से श्री सुभाष जोशी, श्री भुवनेश साँखला, श्री गिरिराज दाधीच, श्री महेन्द्र मोहतासमेत अन्य स्टाफ़ मौजूद रहा।

01.03.2024

किसानों की आय बढ़ाने के लिये विषय विशेषज्ञ बुलाये जायेंगें- डॉ अरुण कुमार

खबर एक्सप्रेस

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा बैठक में बोले कुलपति

बीकानेर, 29 फरवरी। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में समय समय पर देश भर से विभिन्न विषय विशेषज्ञ वैज्ञनिकों बुलाया जाएगा ताकि उच्च तकनीक की जानकारी किसानों को मिले और वे अपनी आय बढ़ा सके। ये कहना है स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार का जो गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर के मीटिंग हॉल में आयोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित वैज्ञनिकों को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में वैज्ञनिकों ने मशरूम, अनार समेत विभिन्न फसलों को लेकर चल रहे अनुसंधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कुलपति ने विभिन्न प्रोजेक्ट को लेकर हुए अनुसंधान और फसल की पैदावार बढ़ाने को लेकर किये जाने वाले उपायों की जानकारी किसानों को समय समय पर देने व विभिन्न प्रोजेक्ट को लेकर आए फण्ड का सदुपयोग करने के निर्देश दिये।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बैठक में वैज्ञनिकों से किसानों के खेत पर विभिन्न प्रदर्शन आयोजन करने व फील्ड डे मनाने के निर्देश भी दिए। साथ ही कहा कि विभिन्न विभागों में रिसर्च से संबंधित बड़े डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएँ ताकि किसान यूनिवर्सिटी विजिट के समय उन्हें देख समझ सके और खेती में उच्च तकनीक का इस्तेमाल कर सके।

बैठक में वित्त नियंत्रक श्री राजेंद्र कुमार खन्नी ने कहा कि जो भी प्रपोजल भेजे जाएँ वो विस्तृत जानकारी के साथ आए ताकि उसे तत्काल प्रोसेस कर समय बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि कृषि विकास और कृषि से संबंधित रिसर्च किसानों के लिए अति महत्वपूर्ण है लिहाजा इसमें उनकी ओर से सदैव पूर्ण सहयोग किया जाएगा।

इससे पूर्व बैठक की शुरुआत में कुलपति ने वित्त नियंत्रक राजेंद्र कुमार खन्नी और पीआरओ सुरेश बिश्नोई का विभिन्न वैज्ञनिकों से परिचय करवाते हुए कहा कि अब विश्वविद्यालय की पहुँच को और बढ़ाया जा सकेगा। विभिन्न अनुसंधानो को किसानों तक आसानी से पहुँचाया जा सकेगा जिसका लाभ भी किसानों और वैज्ञनिकों दोनों को मिलेगा।

बैठक में निदेशक अनुसंधान डॉ पी एस शेखावत, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ एस आर यादव, कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ आई पी सिंह, भू सदृश्यता एवं आय सृजन डॉ दाताराम, सह आचार्य उद्यानिकी डॉ राजेंद्र सिंह राठौड़, शस्य विज्ञान सहायक आचार्य डॉ पी एस चौहान, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता, सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय डीन डॉ विमला डुकवाल, कृषि महाविद्यालय डीन डॉ पी के यादव, कीट विज्ञान सहआचार्य डॉ वी एस आचार्य, केवीके बीकानेर के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ केशव मेहरा आदि उपस्थित थे।

02.03.2024

उपभोक्ताओं को मिलेट्स खाने की आदत विकसित करने की जरूरत

शीतकालीन प्रशिक्षण शुरू

बीकानेर. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शुक्रवार से शुरू हुआ। मुख्य अतिथि जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा अनाज उत्पादन के साथ-साथ उसे बेचने में भी निपूर्णता हासिल करने की जरूरत है। ताकि किसान को उसकी फसल का पूरा मूल्य मिल सके।

उपभोक्ताओं को मिलेट्स खाने की आदत विकसित करने की भी जरूरत है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि महाविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि हम अगर मिलेट्स खाएं, तो मल्टी विटामिन कैप्सूल लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय में नई पहल एवं उपलब्धियां-2023 पुस्तक का विमोचन भी किया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुंकवाल ने कहा कि अगर हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहना चाहते हैं, तो जहां जो अनाज पैदा होता है, उसे खाने की आदत डालनी चाहिए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने मिलेट्स के उत्पादन, वैरायटी व उनके गुणों के बारे बताया। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने कृषि की नई तकनीकों के प्रसार में कृषि विज्ञान केन्द्रों की पर बात रखी।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. वीर सिंह, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव, कृषि व्यवसाय एवं प्रबंधन संस्थान निदेशक डॉ. आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ. दाताराम, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री, आचार्य डॉ. नीना सरीन, सहायक आचार्य डॉ. सीमा त्यागी, डॉ मंजू राठौड़ सहित अन्य उपस्थित रहे।

किसानों को अनाज उत्पादन के साथ उसे बेचने में भी निपूर्णता हासिल करने की जरूरत- नम्रता

02.03.2024

भाकृअपा का स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शीतकालीन प्रशिक्षण का आयोजन

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 01 मार्च।किसानों को अनाज उत्पादन के साथ साथ उसे बेचने में भी निपूर्णता हासिल करने की जरूरत है ताकि किसान को उसकी फसल का पूरा मूल्य मिल सके। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कहे। जिला कलेक्टर ने कहा कि उपभोक्ताओं को मिलेट्स खाने की आदत विकसित करने की भी जरूरत है।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि महाविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा किहम अगर मिलेट्स खाएं तो मल्टी विटामिन कैप्सूल लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से कृषि विकास की कोई योजना आती है और जिला प्रशासन सहयोग करे तो कृषि विश्वविद्यालय एक गांव को आदर्श गाँव के रूप में विकसित किया जा सकता है।कुलपति ने जिला कलेक्टर से बिछवाल में प्रदूषित जल की समस्या का हल निकालने हेतु भी आग्रह किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय में नई पहल एवं उपलब्धियां-2023 पुस्तक का विमोचन भी किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम संयोजक एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल ने कहा कि अगर हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहना चाहते हैं तो जहां जो अनाज पैदा होता है उसे खाने की आदत डालनी चाहिए। साथ ही कहा कि अब हमें अनाज की मात्रा की बजाय उसकी क्वालिटी पर ध्यान देने की जरूरत है। विमला डुंकवाल ने प्रशिक्षण के बारे में बताया कि 11 राज्यों से आए प्रतिभागी इस प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान देश के विभिन्न भागों से विषय विशेषज्ञ यहां आकर प्रशिक्षण देंगे। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने मिलेट्स के उत्पादन,वैरायटी व उनके गुणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने कृषि की नई तकनीकों के प्रसार में कृषि विज्ञान केन्द्रों की अहम भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ ए के शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वीडियो क्लिप के जरिए विश्वविद्यालय के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीर सिंह, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, कृषि व्यवसाय एवं प्रबंधन संस्थान निदेशक डॉ आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री, आचार्य डॉ नीना सरीन, सहायक आचार्य डॉ सीमा त्यागी समेत अन्य विभागाध्यक्ष एवं शैक्षणिक स्टॉफ व 11 राज्यों से आए प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर बीकानेर 02-03-2024

मिलेट्स खाएं तो मल्टी विटामिन की जरूरत ही नहीं : कुलपति

बीकानेर | किसानों को अनाज उत्पादन के साथ-साथ उसे बेचने में भी निपूर्णता हासिल करने की जरूरत है ताकि किसान को उसकी फसल का पूरा मूल्य मिल सके। ये कहना है जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि का जो शुक्रवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। जिला कलेक्टर ने कहा कि उपभोक्ताओं को मिलेट्स खाने की आदत विकसित करने की भी जरूरत है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि महाविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि हम अगर मिलेट्स खाएं तो मल्टी विटामिन कैप्सूल लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से कृषि विकास की कोई योजना आती है और जिला प्रशासन सहयोग करे तो कृषि विश्वविद्यालय एक गांव को आदर्श गांव के रूप में विकसित किया जा सकता है। कुलपति ने जिला कलेक्टर से बिछवाल में प्रदूषित जल की समस्या का हल निकालने के लिए भी आग्रह किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय में नई पहल एवं उपलब्धियां-2023 पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 03-03-2024

बीकानेर

कृषि विवि से किसानों को कम मूल्य और समय से उपलब्ध हो सकेंगे पौधे, सीआईएएच से बढ़ा अनुबंध

अब बीकानेर में ही तैयार होंगे खजूर के टिश्यू कल्चर पौध के लिए नहीं जाना होगा जयपुर और जोधपुर

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

अब जल्द ही बीकानेर में खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे तैयार किए जाएंगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर इन्हें तैयार करेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय और केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (सीआईएएच) के बीच हुए एमओयू को तीन साल और विस्तार देते हुए इसकी व्यवस्था की गई है। इससे किसानों को खजूर की बरई, हलोवी, खनूजी समेत विभिन्न क्रिस्मों के टिश्यू कल्चर के पौधे कम लागत में और समय पर उपलब्ध हो सकेंगे। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने बताया कि अब तक कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा किसानों को खजूर का सकर्ष ही उपलब्ध करवाया जाता था। टिश्यू कल्चर के पौधे जयपुर, जोधपुर या अन्य स्थानों से मंगवाए जाते थे जो 4 से 5 हजार रुपए प्रति पौधा मिलता था। साथ ही कई बार समय पर भी पौधे उपलब्ध भी नहीं हो पाते थे। इससे किसानों को परेशानी होती थी। अब सीआईएएच के साथ एमओयू तीन साल बढ़ाने के साथ ही कृषि महाविद्यालय बीकानेर में ही कम कीमत पर और समय पर टिश्यू कल्चर के पौधे उपलब्ध हो सकेंगे। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी के यादव ने बताया कि एमओयू में लेबोरेट्री, रिसर्च, टीचिंग, गाइडिंग समेत कई अन्य मुख्य बिंदुओं को आगे बढ़ाया गया है जिसका लाभ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को भी मिलेगा।

सीआईएएच के साथ एमओयू को तीन साल बढ़ाया गया है। इसी के अंतर्गत स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि महाविद्यालय और सीआईएएच के संयुक्त शोध से खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे यूनिवर्सिटी में ही तैयार करने की व्यवस्था की जाएगी।

डॉ.अरुण कुमार, कुलपति, स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय

03.03.2024

अब बीकानेर में ही तैयार होंगे खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे, किसानों को कम मूल्य और समय पर उपलब्ध हो सकेंगे पौधे

खबर एक्सप्रेस

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय और केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान के बीच हुए एमओयू को 3 साल बढ़ाते हुए की गई है ये व्यवस्था

बीकानेर, 2 मार्च। अब जल्द ही बीकानेर में खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे तैयार किए जाएँगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर इन्हें तैयार करेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय और केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान(सीआईएएच) के बीच हुए एमओयू को तीन साल और विस्तार देते हुए इसकी व्यवस्था की गई है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि सीआईएएच के साथ एमओयू को तीन साल बढ़ाया गया है। इसी के अंतर्गत स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि महाविद्यालय और सीआईएएच के संयुक्त शौध से खजूर के टिश्यू कल्चर के पोधे यूनिवर्सिटी में ही तैयार करने की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों को खजूर की बर्ई, हलोवी, खानूजी समेत विभिन्न किस्मों के टिश्यू कल्चर के पौधे कम लागत में और समय पर उपलब्ध हो सकेंगे। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने बताया कि अब तक कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा किसानों को खजूर का सकर्ष ही उपलब्ध करवाया जाता था। टिश्यू कल्चर के पौधे जयपुर, जोधपुर या अन्य स्थानों से मँगवाए जाते थे जो 4 से 5 हजार रुपए प्रति पौधा मिलता था। साथ ही कई बार समय पर भी पोधे उपलब्ध नहीं हो पाते थे। इससे किसानों को परेशानी होती थी। अब सीआईएएच के साथ एमओयू तीन साल बढ़ाने के साथ ही कषि महाविद्यालय बीकानेर में ही कम कीमत पर और समय पर टिश्यू कल्चर के पोधे उपलब्ध हो सकेंगे। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ पी के यादव ने बताया कि एमओयू में लेबोरेट्री, रिसर्च, टीचिंग, गाइडिंग समेत कई अन्य मुख्य बिंदुओं को आगे बढ़ाया गया है जिसका लाभ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को भी मिलेगा।

03.03.2024

अब बीकानेर में ही तैयार होंगे खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। अब जल्द ही बीकानेर में खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे तैयार किए जाएँगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर इन्हें तैयार करेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय और केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (सीआईएएच) के बीच हुए एमओयू को तीन साल और विस्तार देते हुए इसकी व्यवस्था की गई है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि सीआईएएच के साथ एमओयू को तीन साल बढ़ाया गया है। इसी के अंतर्गत स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि महाविद्यालय और सीआईएएच के संयुक्त शौध से खजूर के टिश्यू कल्चर के पोधे यूनिवर्सिटी में ही तैयार करने की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों को खजूर की बरई, हलोवी, खनूजी समेत विभिन्न क़िस्मों के टिश्यू कल्चर के पौधे कम लागत में और समय पर उपलब्ध हो सकेंगे। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने बताया कि अब तक कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा किसानों को खजूर का सकर्ष ही उपलब्ध करवाया जाता था। टिश्यू कल्चर के पौधे जयपुर, जोधपुर या अन्य स्थानों से मँगवाए जाते थे जो 4 से 5 हज़ार रुपए प्रति पौधा मिलता था। साथ ही कई बार समय पर भी पोधे उपलब्ध नहीं हो पाते थे। इससे किसानों को परेशानी होती थी। अब सीआईएएच के साथ एमओयू तीन साल बढ़ाने के साथ ही कृषि महाविद्यालय बीकानेर में ही कम क़ीमत पर और समय पर टिश्यू कल्चर के पोधे उपलब्ध हो सकेंगे। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ पी के यादव ने बताया कि एमओयू में लेबोरेट्री, रिसर्च, टीचिंग, गाइडिंग समेत कई अन्य मुख्य बिंदुओं को आगे बढ़ाया गया है जिसका लाभ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को भी मिलेगा।

14-17 मार्च तक होगा अंतर महविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

03.03.2024

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के अन्तर्गत आने वाले सात संगठक महाविद्यालय के स्टूडेंट्स के बीच 14 से 17 मार्च तक अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रीतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया जाएगा। खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर शनिवार को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन हॉल में बैठक ली। कुलपति ने प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर गठित समितियों के संबंधित अधिकारियों को पूरी तैयारी करने के निर्देश दिये और कहा कि प्रतियोगिता को लेकर बाहर से आ रहे छात्र छात्राओं के लिए रहने की अच्छी व्यवस्था की जाये। विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बैठक में बताया कि प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरु में चाँदकोठी, झुझुनूँ में मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएन और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के छात्र छात्राएँ इसमें हिस्सा ले सकेंगे। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में और समापन विद्या मंडप में होगा। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोलाफेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएँ दोनों हिसा ले सकेंगे। बैठक में विभिन्न समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

14 से 17 मार्च तक होगा अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूँ और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय सहित विश्वविद्यालय के कुल 7 संगठक महाविद्यालय के स्टूडेंट्स ले सकेंगे हिस्सा

03.03.2024

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 2 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के अन्तर्गत आने वाले सात संगठक महाविद्यालय के स्टूडेंट्स के बीच 14 से 17 मार्च तक अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रीतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया जाएगा।

खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर शनिवार को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन हॉल में बैठक ली। कुलपति ने प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर गठित समितियों के संबंधित अधिकारियों को पूरी तैयारी करने के निर्देश दिये और कहा कि प्रतियोगिता को लेकर बाहर से आ रहे छात्र छात्राओं के लिए रहने की अच्छी व्यवस्था की जाये।

विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बैठक में बताया कि प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरु में चाँदकोठी, झुंझुनूँ में मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएन और सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय के छात्र छात्राएँ इसमें हिस्सा ले सकेंगे। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में और समापन विद्या मंडप में होगा।

स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोलाफेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएँ दोनों हिसा ले सकेंगे। बैठक में विभिन्न समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 03-03-2024

कल आएंगे विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी

बीकानेर | राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सोमवार को बीकानेर आएंगे। देवनानी राजकीय वाहन से दोपहर 1 बजे बीकानेर पहुंचेंगे। वे 2.30 बजे तक सर्किट हाउस में ठहरेंगे। देवनानी दोपहर 3 बजे स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। विधानसभा अध्यक्ष 4.30 बजे सिंधी समाज द्वारा आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में शिरकत करेंगे और इसके बाद 7 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

अब बीकानेर में ही तैयार होंगे खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में होंगे तैयार

श्रीगंगानगर, 02 मार्च। अब जल्द ही बीकानेर में खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे तैयार किए जाएँगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर इन्हें तैयार करेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय और केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (सीआईएएच) के बीच हुए एमओयू को तीन साल और विस्तार देते हुए इसकी व्यवस्था की गई है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि सीआईएएच के साथ एमओयू को तीन साल बढ़ाया गया है। इसी के अंतर्गत स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि महाविद्यालय और सीआईएएच के संयुक्त शौध से खजूर के टिश्यू कल्चर के पोधे यूनिवर्सिटी में ही तैयार करने की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों को खजूर की बरई, हलोवी, खनूजी समेत विभिन्न क़िस्मों के टिश्यू कल्चर के पौधे कम लागत में और समय पर उपलब्ध हो सकेंगे। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने बताया कि अब तक कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा किसानों को खजूर का सकर्ष ही उपलब्ध करवाया जाता था। टिश्यू कल्चर के पौधे जयपुर, जोधपुर या अन्य स्थानों से मंगवाए जाते थे जो 4 से 5 हज़ार रुपए प्रति पौधा मिलता था। साथ ही कई बार समय पर भी पौधे उपलब्ध नहीं हो पाते थे। इससे किसानों को परेशानी होती थी। अब सीआईएएच के साथ एमओयू तीन साल बढ़ाने के साथ ही कृषि महाविद्यालय बीकानेर में ही कम क़ीमत पर और समय पर टिश्यू कल्चर के पोधे उपलब्ध हो सकेंगे। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ पी के यादव ने बताया कि एमओयू में लेबोरेट्री, रिसर्च, टीचिंग, गाइडिंग समेत कई अन्य मुख्य बिंदुओं को आगे बढ़ाया गया है जिसका लाभ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को भी मिलेगा।

किसान नेताओं ने किया लोहगढ हैड का दौरा

14-17 मार्च तक होगा अंतर महविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

तेज. रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के अन्तर्गत आने वाले सात संगठक महाविद्यालय के स्टूडेंट्स के बीच 14 से 17 मार्च तक अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रीतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया जाएगा। खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर शनिवार को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन हॉल में बैठक ली। कुलपति ने प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर गठित समितियों के संबंधित अधिकारियों को पूरी तैयारी करने के निर्देश दिये और कहा कि प्रतियोगिता को लेकर बाहर से आ रहे छात्र छात्राओं के लिए रहने की अच्छी व्यवस्था की जाये। विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बैठक में बताया कि प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानग़र, हनुमानगढ़, चूरु में चाँदकोठी, झुझुनूँ में मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएन और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के छात्र छात्राएँ इसमें हिस्सा ले सकेंगे। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में और समापन विद्या मंडप में होगा। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोलाफेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएँ दोनों हिसा ले सकेंगे। बैठक में विभिन्न समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

14 से शुरू होगी खेलकूद प्रतियोगिता

बीकानेर (सच कहूँ न्यूज)।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के अन्तर्गत आने वाले 7 संगठक कॉलेज के स्टूडेंट्स के बीच 14 से 17 मार्च तक अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रीतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया जाएगा। प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर शनिवार को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन हॉल में बैठक ली।

कुलपति ने प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर गठित समितियों के संबंधित अधिकारियों को पूरी तैयारी करने के निर्देश दिये और कहा कि प्रतियोगिता को लेकर बाहर से आ रहे छात्र-छात्राओं के लिए रहने की अच्छी व्यवस्था की जाये। विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन डॉ. वीर सिंह ने बैठक में बताया कि प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारियां की जा रही हैं। प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक कॉलेज श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरु में चाँदकोठी, झुझुनूँ में मंडावा और बीकानेर कृषि कॉलेज के अलावा आईएबीएन और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के छात्र छात्राएँ इसमें हिस्सा ले सकेंगे। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में और समापन विद्या मंडप में होगा।

स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ. वी एस आचार्य ने बताया कि प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र-छात्राएं दोनों हिस्सा ले सकेंगे।

03.03.2024

बीकानेर में तैयार होंगे खजूर के टिश्यू कल्चर पौधे

- स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में होंगे तैयार
- किसानों को कम मूल्य और समय पर उपलब्ध हो सकेंगे पौधे

बीकानेर। बैठक में मौजूद कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार व अन्य।

बीकानेर (सच कहूँ न्यूज)।

अब जल्द ही बीकानेर में खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे तैयार किए जाएँगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर इन्हें तैयार करेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय और केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (सीआईएएच) के बीच हुए एमओयू को तीन साल और विस्तार देते हुए इसकी व्यवस्था की गई है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि सीआईएएच के साथ एमओयू को तीन साल बढ़ाया गया है।

इसी के अंतर्गत स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि महाविद्यालय और सीआईएएच के संयुक्त शौध से खजूर के टिश्यू कल्चर के पोधे यूनिवर्सिटी में ही तैयार करने की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों को खजूर की बरई, हलोवी, खनूजी समेत विभिन्न क़िस्मों के टिश्यू कल्चर के पौधे कम लागत में और समय पर उपलब्ध हो सकेंगे। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने बताया कि अब तक कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा किसानों को खजूर का सकर्ष ही उपलब्ध करवाया जाता था। टिश्यू कल्चर के पौधे जयपुर, जोधपुर या अन्य स्थानों से मंगवाए जाते थे जो 4 से 5 हजार रुपए प्रति पौधा मिलता था। साथ ही कई बार समय पर भी पोधे उपलब्ध नहीं हो पाते थे। इससे किसानों को परेशानी होती थी। अब सीआईएएच के साथ एमओयू तीन साल बढ़ाने के साथ ही कृषि महाविद्यालय बीकानेर में ही कम क़ीमत पर और समय पर टिश्यू कल्चर के पोधे उपलब्ध हो सकेंगे।

कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ पी के यादव ने बताया कि एमओयू में लेबोरेट्री, रिसर्च, टीचिंग, गाइडिंग समेत कई अन्य मुख्य बिंदुओं को आगे बढ़ाया गया है जिसका लाभ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को भी मिलेगा।

समाचार

03.03.2024

अब बीकानेर में ही तैयार होंगे खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे

» स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में होंगे तैयार
» किसानों को कम मूल्य और समय पर उपलब्ध हो सकेंगे पौधे

श्रीगंगानगर/सीमाकिरण। अब जल्द ही बीकानेर में खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे तैयार किए जाएँगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर इन्हें तैयार करेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय और केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान(सीआईएएच) के बीच हुए एमओयू को तीन साल और विस्तार देते हुए इसकी व्यवस्था की गई है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि सीआईएएच के साथ एमओयू को तीन साल बढ़ाया गया है। इसी के अंतर्गत स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि महाविद्यालय और सीआईएएच के संयुक्त शौध से खजूर के टिश्यू कल्चर के पोधे यूनिवर्सिटी में ही तैयार करने की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों को खजूर की बरई, हलोवी, खनूजी समेत विभिन्न क़िस्मों के टिश्यू कल्चर के पौधे कम लागत में और समय पर उपलब्ध हो सकेंगे। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने बताया कि अब तक कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा किसानों को खजूर का सकर्ष ही उपलब्ध करवाया जाता था।

टिश्यू कल्चर के पौधे जयपुर, जोधपुर या अन्य स्थानों से मंगवाए जाते थे जो 4 से 5 हज़ार रुपए प्रति पौधा मिलता था। साथ ही कई बार समय पर भी पौधे उपलब्ध नहीं हो पाते थे। इससे किसानों को परेशानी होती थी। अब सीआईएएच के साथ एमओयू तीन साल बढ़ाने के साथ ही कृषि महाविद्यालय बीकानेर में ही कम क़ीमत पर और समय पर टिश्यू कल्चर के पोधे उपलब्ध हो सकेंगे। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव ने बताया कि एमओयू में लेबोरेट्री, रिसर्च, टीचिंग, गाइडिंग समेत कई अन्य मुख्य बिंदुओं को आगे बढ़ाया गया है जिसका लाभ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को भी मिलेगा।

03.03.2024

अब बीकानेर में ही तैयार होंगे खजूर के टिश्यू कल्चर पौधे

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में जल्द ही खजूर के टिश्यू कल्चर पौधे तैयार किए जाएंगे। विश्वविद्यालय और केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (सीआईएएच) के बीच हुए एमओयू को तीन साल और विस्तार देते हुए इसकी व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि सीआईएएच के साथ एमओयू को तीन साल बढ़ाया गया है। इसके तहत संयुक्त शोध से खजूर के टिश्यू कल्चर के पौधे यूनिवर्सिटी में ही तैयार करने की व्यवस्था की जाएगी। इससे किसानों को खजूर की बरई, हलोवी, खनूजी समेत विभिन्न किस्मों के टिश्यू कल्चर के पौधे कम लागत में और समय पर उपलब्ध हो सकेंगे। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने बताया कि अब तक कृषि विश्वविद्यालय की ओर किसानों को खजूर का सकर्ष ही उपलब्ध करवाया जाता था। टिश्यू कल्चर के पौधे जयपुर, जोधपुर या अन्य स्थानों से मंगवाए जाते थे, जो 4 से 5 हजार रुपए प्रति पौधा मिलता था। साथ ही कई बार समय पर भी पौधे उपलब्ध नहीं हो पाते थे। इससे किसानों को परेशानी होती थी।

अब सीआईएएच के साथ एमओयू तीन साल बढ़ाने के साथ ही कृषि महाविद्यालय बीकानेर में ही कम कीमत पर और समय पर टिश्यू कल्चर के पौधे उपलब्ध हो सकेंगे। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव ने बताया कि एमओयू में लेबोरेट्री, रिसर्च, टीचिंग, गाइडिंग समेत कई अन्य मुख्य बिंदुओं को आगे बढ़ाया गया है, जिसका लाभ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को भी मिलेगा।

05.03.2024

श्रीअन्न और उससे बने उत्पादों को फिर से खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में सोमवार को मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी थे। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि श्रीअन्न (मिलेट्स) और उससे बने उत्पादों को फिर से खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत है। भारतीय खाद्य श्रीअन्न स्वास्थ्य के लिए बेहद स्वास्थ्यवर्धक है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मोटा खाओ, मोटा पहनो की कहावत हमने खूब सुनी है। अब इसे फिर से साकार करने की जरूरत है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि श्रीअन्न के सेवन से ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों कम होते हैं। राज्य सरकार मोटे अनाज को विश्व के सभी देशों में निर्यात करने और इसके उत्पादन को बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है। ताकि किसानों की आय भी दुगुनी हो। प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना विषय पर चल शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 राज्यों के 25 वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने श्रीअन्न के राज्य और देश में उत्पादन, वैरायटी व उनके गुणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 05-03-2024

विधानसभा अध्यक्ष ने कृषि विवि के शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में की श्रीअन्न का दैनिक प्रयोग बढ़ाने की अपील

स्वस्थ रहने को मोटा खाओ, मोटा पहनो को जीवन में फिर अपनाने की जरूरत: देवनानी

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि श्रीअन्न (मिलेट्स) और इनसे बने उत्पादों को एक बार फिर खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत है। श्रीअन्न स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक हैं। देवनानी ने सोमवार को बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए यह बात कही। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि 'मोटा खाओ, मोटा पहनो' की कहावत को फिर से साकार करने की जरूरत है। उन्होंने चिंता जताते हुए कि उत्पादन बढ़ाने की होड़ में आज गेहूं आदि के उत्पादन में अत्यधिक रासायनिक उर्वरक और खाद का अंधाधुंध उपयोग किया जा रहा है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इसके मद्देनजर हमें श्रीअन्न की ओर अग्रसर होने की जरूरत है। विधानसभा अध्यक्ष ने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रयोगशालाओं तक सीमित ना रहें। इनके अनुसंधान गांव के अंतिम छोर पर बैठे किसान और मजदूर की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे, तभी इनकी सार्थकता होगी। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि श्रीअन्न के सेवन से ब्लड प्रेशर और शूगर दोनों नियंत्रित रहते हैं। राज्य सरकार मोटे अनाज को विश्व के सभी देशों में निर्यात करने और इनका उत्पादन बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है। इससे किसानों को भी आर्थिक संबल मिलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि 'खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना' विषय पर चल शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 राज्यों के 25 वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ.पीएस शेखावत, डॉ.प्रसन्नलता आर्य, डॉ. मंजू राठौड़, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ.वीर सिंह, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ.सुभाष चंद्र आदि ने भी विचार रखे।

06:55
Jaltedeep Jai...

05.0.3.2024

श्रीअन्न और इनसे बने उत्पादों को खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत : देवनानी

■ जलतेदीप, जयपुर

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि श्रीअन्न (मिलेट्स) और इनसे बने उत्पादों को एक बार फिर खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत है। श्रीअन्न स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक होते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने सोमवार को बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विख्श्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए यह बात कही।

विख्श्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि 'मोटा खाओ, मोटा पहनो' की कहावत को फिर से साकार करने की जरूरत है। उन्होंने चिंता जताते हुए कि उत्पादन बढ़ाने की होड़ में आज गेहूं आदि के उत्पादन में अत्यधिक रासायनिक उर्वरक और खाद का अंधाधुंध उपयोग किया जा रहा है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इसके मद्देनजर हमें श्रीअन्न की ओर अग्रसर होने की जरूरत है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रयोगशालाओं तक सीमित ना रहें। इनके अनुसंधान गांव के अंतिम छोर पर बैठे किसान और मजदूर की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे, तभी इनकी सार्थकता होगी। खाजूवाला विधायक डॉ. विख्श्वनाथ मेघवाल ने कहा कि श्रीअन्न के सेवन से ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों नियंत्रित रहते हैं। राज्य सरकार मोटे अनाज को विख्श्व के सभी देशों में निर्यात करने और इनका उत्पादन बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है। इससे किसानों को भी आर्थिक संबल मिलेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि 'खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना' विषय पर चल शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 राज्यों के 25 वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि विख्श्वविद्यालय के स्टूडेंट्स विभिन्न स्टार्टअप के जरिए श्रीअन्न को बढ़ावा देने में जुटे हैं।

अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने श्रीअन्न के राज्य और देश में उत्पादन, वैरायटी व इनके गुणों के बारे में जानकारी दी। डॉ. प्रसन्नलता आर्य ने आभार जताया। वीडियो फिल्म के माध्यम से विख्श्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। मंच संचालन डॉ. मंजू राठौड़ ने किया।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. वीर सिंह, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र, मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ. ए.के. शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. यादव, कृषि व्यवसाय एवं प्रबंधन संस्थान निदेशक डॉ. आई.पी. सिंह, भू-सदृश्यता एवं आय सृजन निदेशक डॉ. दाताराम, अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान डॉ. पीसी गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. आरएस राठौड़, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार गौड़, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रसार शिक्षा गृह विज्ञान डॉ. नीना सरीन, प्रो. चेतन राम पुरोहित सहायक आचार्य डॉ. अरविंद झाझड़िया समेत अन्य विभागाध्यक्ष एवं शैक्षणिक स्टॉफ समेत शीतकालीन प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

श्रीअन्न और उससे बने उत्पादों को फिर से खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत: वासुदेव देवनानी

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोले विधानसभा अध्यक्ष

तेज. रिपोर्टर | बीकानेर

श्रीअन्न (मिलेट्स) और उससे बने उत्पादों को फिर से खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत है। भारतीय खाद्य श्रीअन्न (मिलेट्स) स्वास्थ्य के लिए बेहद स्वास्थ्यवर्धक हैं। ये कहना है राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी का जो सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। मानव संसाधन विकास निदेशालय में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मोटा खाओ, मोटा पहनो की कहावत हमने खूब सुनी है। अब इसे फिर से साकार करने की जरूरत है। अब उत्पादन बढ़ाने की होड़ में गेहूं इत्यादि में अत्यधिक रासायनिक उर्वरक और खाद का उपयोग किया जा रहा है। जिससे कैंसर जैसी बिमारियों का खतरा बढ़ गया है। साथ ही उन्होने कहा कि कृषि वैज्ञानिक केवल लैब तक ही सीमित ना रहें, वे गांव के अंतिम छोर पर बैठे किसान और मजदूर की आवश्यकताओं को पूरा करें। तभी उनकी रिसर्च सार्थक है। इस अवसर पर कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे विशिष्ट अतिथि खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि श्रीअन्न के सेवन से ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों कम होते हैं। राज्य सरकार मोटे अनाज को विश्व के सभी देशों में निर्यात करने और इसके उत्पादन को बढ़ाने हेतु कटिबद्ध है। ताकि किसानों की आय भी दुगुनी हो। प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल ने बताया कि 'खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना' विषय पर चल शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 राज्यों के 25 वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही कहा कि विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स विभिन्न स्टार्टअप के जरिए श्रीअन्न को बढ़ावा देने में जुटे हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने स्वागत उद्बोधन देते हुए श्रीअन्न के राज्य और देश में उत्पादन, वैरायटी व उनके गुणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के आखिर में डॉ प्रसन्नलता आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों का बुके देकर और साफ़ा पहनाकर स्वागत किया गया। वीडियो क्लिप के जरिए विश्वविद्यालय के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। मंच संचालन डॉ मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीर सिंह, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र,मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ ए के शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, कृषि व्यवसाय एवं प्रबंधन संस्थान निदेशक डॉ आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान डॉ पीसी गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ आरएस राठौड़, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ जितेन्द्र कुमार गौड़, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रसार शिक्षा गृह विज्ञान डॉ नीना सरीन, प्रोफेसर चेतन राम पुरोहित सहायक आचार्य डॉ अरविंद झाझड़िया, समेत अन्य विभागाध्यक्ष एवं शैक्षणिक स्टॉफ समेत शीतकालीन प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

बुजुर्ग को घर

बुजुर्गो की नसहीत 'मोटा खाओं, मोटा पहनो' को फिर से साकार करने की जरूरत: देवनानी

खबर एक्सप्रेस

05.03.2024

बीकानेर, 4 मार्च। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि श्रीअन्न और इनसे बने उत्पादों को एक बार फिर खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत है। श्रीअन्न स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक होते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए यह बात कही।

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि 'मोटा खाओ, मोटा पहनो' की कहावत को फिर से साकार करने की जरूरत है। उन्होंने चिंता जताते हुए कि उत्पादन बढ़ाने की होड़ में आज गेहूं आदि के उत्पादन में अत्यधिक रासायनिक उर्वरक और खाद का अंधाधुंध उपयोग किया जा रहा है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। हसके मद्देनजर हमें श्रीअन्न की ओर अग्रसर होने की जरूरत है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रयोगशालाओं तक सीमित ना रहें। इनके अनुसंधान गांव के अंतिम छोर पर बैठे किसान और मजदूर की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे, तभी इनकी सार्थकता होगी।

खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि श्रीअन्न के सेवन से ब्लड प्रेशर और शूगर दोनों नियंत्रित रहते हैं। राज्य सरकार मोटे अनाज को विश्व के सभी देशों में निर्यात करने और इनका उत्पादन बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है। इससे किसानों को भी आर्थिक संबल मिलेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक और सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि 'खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना' विषय पर चल शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 राज्यों के 25 वैज्ञनिक हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स विभिन्न स्टार्टअप के जरिए श्रीअन्न को बढ़ावा देने में जुटे हैं।

अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने श्रीअन्न के राज्य और देश में उत्पादन, वैरायटी व इनके गुणों के बारे में जानकारी दी। डॉ. प्रसन्नलता आर्य ने आभार जताया। वीडियो फिल्म के माध्यम से विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। मंच संचालन डॉ. मंजू राठौड़ ने किया।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. वीर सिंह, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र, मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ. ए.के. शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. यादव, कृषि व्यवसाय एवं प्रबंधन संस्थान निदेशक डॉ. आई.पी. सिंह, भू-सदृश्यता एवं आय सृजन निदेशक डॉ. दाताराम, अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान डॉ. पीसी गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर एवं परीक्षा नियंक डॉ. आरएस राठौड़, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार गौड़, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रसार शिक्षा गृह विज्ञन डॉ. नीना सरीन, प्रो. चेतन राम पुरोहित सहायक आचार्य डॉ. अरविंद झझड़िया समेत अन्य विभागाध्यक्ष एवं शैक्षणिक स्टॉफ समेत शीतकालीन प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे वैज्ञनिक उपस्थित रहे।

मोटे अनाज और उनसे बने उत्पादों को खानपान में लाने की जरूरत : देवनानी

RASTRY DOOT

05.03.2024

बीकानेर,(कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि मोटे अनाज और उनसे बने उत्पादों को एक बार फिर खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत है। श्री अन्न स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक होते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए यह बात कही। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मोटा खाओ, मोटा पहनो' की कहावत को फिर से साकार करने की जरूरत है।

कृषि विश्वविद्यालय में शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सम्बोधित किया।

- देवनानी ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि वे प्रयोगशालाओं तक सीमित ना रहें

उन्होंने चिंता जताते हुए कि उत्पादन बढ़ाने की होड़ में आज गेहूं आदि के उत्पादन में अत्यधिक रासायनिक उर्वरक और खाद का अंधाधुंध उपयोग किया जा रहा है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इसके मद्देनजर हमें श्री अन्न की ओर अग्रसर होने की जरूरत है। देवनानी ने कृषि वैज्ञानिकों का आव्हान करते हुए कहा कि वे प्रयोगशालाओं तक सीमित ना रहें। इनके अनुसंधान गांव के अंतिम छोर पर बैठे किसान और मजदूर की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे, तभी इनकी सार्थकता होगी। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि श्री अन्न के सेवन से ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों नियंत्रित रहते हैं। राज्य सरकार मोटे अनाज का उत्पादन बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है। इससे किसानों को भी आर्थिक संबल मिलेगा। डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि 'बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना' विषय पर चल शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 राज्यों के 25 वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं।

DANIK NAV JOYTI

श्री अन्न और इनसे बने उत्पादों को खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत: देवनानी

05.03.2024

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बीकानेर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि श्रीअन्न (मिलेट्स) और इनसे बने उत्पादों को एक बार फिर खानपान की मुख्यधारा में लाने की जरूरत है। श्रीअन्न स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक होते हैं। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए यह बात कही।

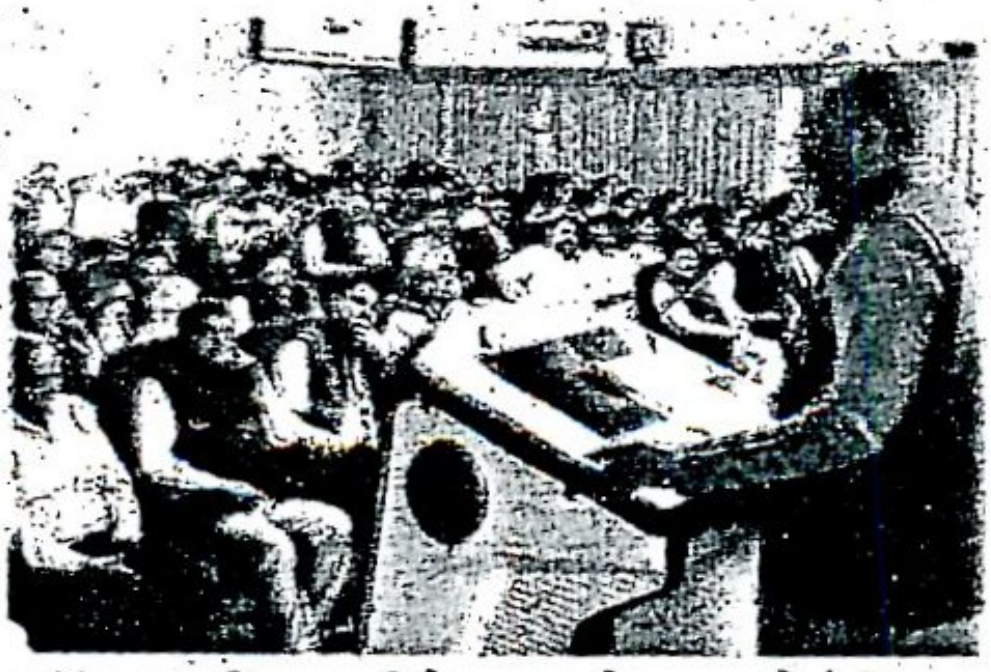

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मोटा खाओ, मोटा पहनो की कहावत को फिर से साकार करने की जरूरत है। उन्होंने चिंता जताते हुए कि उत्पादन बढ़ाने की होड़ में आज गेहूं आदि के उत्पादन में अत्यधिक रासायनिक उर्वरक और खाद का अंधाधुंध उपयोग किया जा रहा है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इसके मद्देनजर हमें श्रीअन्न की ओर अग्रसर होने की जरूरत है। विधानसभा अध्यक्ष ने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रयोगशालाओं तक सीमित ना रहें। इनके अनुसंधान गांव के अंतिम छोर पर बैठे किसान और मजदूर की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे, तभी इनकी सार्थकता होगी। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि श्रीअन्न के सेवन से ब्लड प्रेशर और शूगर दोनों नियंत्रित रहते हैं। राज्य सरकार मोटे अनाज को विश्व के सभी देशों में निर्यात करने और इनका उत्पादन बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है।

खबर एक्सप्रेस

06.03.2024

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बनेगा एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट

06.03.2024

खबर एक्सप्रेस

सभी स्टूडेंट्स के डीजी लॉकर बनाने के भी दिये निर्देश

बीकानेर, 05 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट बनाने के निर्देश दिये है। जिसमें विद्यार्थियो द्वारा पढने वाले विषयों का क्रेडिट डिजिटली संरक्षित किया जा सकेगा।कुलपति ने ये निर्देश मंगलवार को विश्वविद्यालय के मीटिंग हॉल में आयोजित समन्वय समिति की बैठक में दिये। इससे विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को सीधा फायदा मिलेगा। किसी स्टूडेंट को अगर एक राज्य के विश्वविद्यालय से दूसरे राज्य के विश्वविद्यालय में शिफ्ट करना पड़े तो स्टूडेंट के क्रेडिट भी ट्रांसफर हो सकेंगे।

बैठक में कुलपति ने सभी स्टूडेंट्स के डीजी लॉकर बनाने के भी निर्देश दिये। डिजी लॉकर के माध्यम से विद्यार्थियो की मार्कशीट समेत अन्य प्रमाण पत्रों को अपलोड किया जा सकेगा। इससे विद्यार्थी ऑनलाइन ही अपनी मार्कशीट समेत अन्य दस्तावेज विश्व में कहीं भी ऑनलाइन देख पाएगे और उपयोग में ले सकेंगे।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और डीजी लॉकर बनाने के निर्देश सिमका (सेंटर फॉर इनफार्मेशन मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन) प्रभारी और परीक्षा नियंत्रक को दिये है। बैठक में विश्वविद्यालय के डीन और डायरेक्टर ने संबंधित विभाग की प्रोग्रेस को लेकर प्रेजेंटेशन दिया।

बैठक में कुलपति के ओएसडी एवं सिमका इंचार्ज विपिन लड्डा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, अनुसंधान निदेशक डॉ पी एस शेखावत, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ ए के शर्मा, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, एसोसिएट प्रोफेसर एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ आरएस राठौड़, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ जितेन्द्र कुमार गौड़, कृषि महाविद्यालय आचार्य डॉ सुजीत कुमार यादव, सहायक आचार्य डॉ सीमा त्यागी, सहायक आचार्य आईएबीएम डॉ अदिति माथुर, उपस्थित रहे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बनेगा एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट

06.03.2024

तेज. बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट बनाने के निर्देश दिये है। जिसमें विद्यार्थियो द्वारा पढने वाले विषयों का क्रेडिट डिजिटली संरक्षित किया जा सकेगा।कुलपति ने ये निर्देश मंगलवार को विश्वविद्यालय के मीटिंग हॉल में आयोजित समन्वय समिति की बैठक में दिये। इससे विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को सीधा फ़ायदा मिलेगा। किसी स्टूडेंट को अगर एक राज्य के विश्वविद्यालय से दूसरे राज्य के विश्वविद्यालय में शिफ्ट करना पड़े तो स्टूडेंट के क्रेडिट भी ट्रांसफ़र हो सकेंगे। बैठक में कुलपति ने सभी स्टूडेंट्स के डीजी लॉकर बनाने के भी निर्देश दिये। डिजी लॉकर के माध्यम से विद्याथियो की मार्कशीट समेत अन्य प्रमाण पत्रों को अपलोड किया जा सकेगा। इससे विद्यार्थी ऑनलाइन ही अपनी मार्कशीट समेत अन्य दस्तावेज विश्व में कहीं भी ऑनलाइन देख पाएगे और उपयोग में ले सकेंगे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और डीजी लॉकर बनाने के निर्देश सिमका (सेंटर फॉर इनफार्मेशन मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन) प्रभारी और परीक्षा नियंत्रक को दिये है। बैठक में विश्वविद्यालय के डीन और डायरेक्टर ने संबंधित विभाग की प्रोग्रेस को लेकर प्रेजेंटेशन दिया। बैठक में कुलपति के ओएसडी एवं सिमका इंचार्ज श्री विपिन लड्ढा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, अनुसंधान निदेशक डॉ पी एस शेखावत, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ ए के शर्मा, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, एसोसिएट प्रोफेसर एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ आरएस राठौड़, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ जितेन्द्र कुमार गौड़, कृषि महाविद्यालय आचार्य डॉ सुजीत कुमार यादव, सहायक आचार्य डॉ सीमा त्यागी, सहायक आचार्य आईएबीएम डॉ अदिति माथुर, उपस्थित रहे।

• समन्वय समिति की बैठक में कुलपति डॉ.अरुण कुमार ने दिए निर्देश

06.03.2024

कृषि विवि: एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में सुरक्षित रहेगा विद्यार्थी का रिकॉर्ड

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। प्रत्येक विद्यार्थी के रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने के लिए विश्वविद्यालय एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट बनाने जा रहा है।

मंगलवार को हुई समन्वय समिति की बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार शर्मा ने इस संबंध में निर्देश दिए। एकेडमिक बैंक का क्रेडिट बनने से इसका सीधा फायदा विद्यार्थियों को होगा। विद्यार्थियों का सारा रिकॉर्ड ऑनलाइन सुरक्षित रहेगा। विद्यार्थी जब भी अपना रिकॉर्ड देखना चाहेंगे उन्हें ऑनलाइन उपलब्ध हो जाएगा। इसके अलावा विद्यार्थियों द्वारा पढ़ने वाले विषयों का क्रेडिट डिजिटली संरक्षित किया जा सकेगा। बैठक में कुलपति ने सभी स्टूडेंट्स के डीजी लॉकर बनाने के भी निर्देश दिए हैं। डिजी लॉकर के माध्यम से विद्यार्थियों की मार्कशीट समेत अन्य प्रमाण पत्रों को अपलोड किया जा सकेगा। इससे विद्यार्थी ऑनलाइन ही अपनी मार्कशीट समेत अन्य दस्तावेज विश्व में कहीं भी ऑनलाइन देख पाएंगे और उपयोग में ले सकेंगे। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और डीजी लॉकर बनाने के निर्देश सिमका (सेंटर फॉर इनफार्मेशन मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन) प्रभारी और परीक्षा नियंत्रक को दिए हैं।

स्टूडेंट्स को बेनिफिट क्रेडिट भी हो सकेंगे ट्रांसफर

एकेडमिक बैंक का क्रेडिट का सीधा फायदा विद्यार्थियों को होगा। किसी स्टूडेंट को अगर एक राज्य के विश्वविद्यालय से दूसरे राज्य के विश्वविद्यालय में शिफ्ट करना पड़े तो स्टूडेंट के क्रेडिट भी ट्रांसफ़र हो सकेंगे।

एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट एक वर्चुअल स्टोर हाउस है जो हर स्टूडेंट के डेटा का रिकॉर्ड रखेगा। इसके अलावा सभी विद्यार्थियों के डिजी लॉकर बनाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

डॉ.अरुण कुमार, कुलपति, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बनेगा एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट

सभी स्टूडेंट्स के डीजी लॉकर बनाने के भी दिये निर्देश

06.03.2024

तेज. श्रीगंगानगर | संजय सेठी

बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट बनाने के निर्देश दिये है। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा पढने वाले विषयों का क्रेडिट डिजिटली संरक्षित किया जा सकेगा।कुलपति ने ये निर्देश आज विश्वविद्यालय के मीटिंग हॉल में आयोजित समन्वय समिति की बैठक में दिये। इससे विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को सीधा फ़ायदा मिलेगा। किसी स्टूडेंट को अगर एक राज्य के विश्वविद्यालय से दूसरे राज्य के विश्वविद्यालय में शिफ्ट करना पड़े तो स्टूडेंट के क्रेडिट भी ट्रांसफ़र हो सकेंगे। कुलपति ने सभी स्टूडेंट्स के डीजी लॉकर बनाने के भी निर्देश दिये। डिजी लॉकर के माध्यम से विद्याथियो की मार्कशीट समेत अन्य प्रमाण पत्रों को अपलोड किया जा सकेगा। इससे विद्यार्थी ऑनलाइन ही अपनी मार्कशीट समेत अन्य दस्तावेज विश्व में कहीं भी ऑनलाइन देख पाएगे और उपयोग में ले सकेंगे।कुलपति डॉ अरुण कुमार ने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और डीजी लॉकर बनाने के निर्देश सेंटर फॉर इनफार्मेशन मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन(सिमका)प्रभारी और परीक्षा नियंत्रक को दिये हैं। बैठक में विश्वविद्यालय के डीन और डायरेक्टर ने संबंधित विभाग की प्रोग्रेस को लेकर प्रेजेंटेशन दिया। बैठक में कुलपति के ओएसडी एवं सिमका इंचार्ज विपिन लड्ढा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, अनुसंधान निदेशक डॉ पी एस शेखावत, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ ए के शर्मा, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, आईएबीएम निदेशक डॉ. आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, एसोसिएट प्रोफेसर एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ आरएस राठौड़, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ जितेन्द्र कुमार गौड़, कृषि महाविद्यालय आचार्य डॉ सुजीत कुमार यादव, सहायक आचार्य डॉ सीमा त्यागी, सहायक आचार्य आईएबीएम डॉ अदिति माथुर, उपस्थित रहे।

बनेगा डिजी लॉकर, विद्यार्थियों की मार्कशीट समेत अन्य प्रमाण पत्र हो सकेंगे अपलोड

06.03.2024

एसकेआरएयू कुलपति ने दिए निर्देश

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए डीजी लॉकर बनाया जाएगा।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने सभी स्टूडेंट्स के डीजी लॉकर बनाने के निर्देश दिये हैं। डिजी लॉकर के माध्यम से विद्याथियों की मार्कशीट समेत अन्य प्रमाण पत्रों को अपलोड किया जा सकेगा। इससे विद्यार्थी ऑनलाइन ही अपनी मार्कशीट समेत अन्य दस्तावेज विश्व में कहीं भी ऑनलाइन देख पाएंगे और उपयोग में ले सकेंगे। उन्होंने एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट बनाने के भी निर्देश दिए हैं, जिसमें विद्यार्थियों की ओर से पढ़ने वाले विषयों को क्रेडिट कर डिजिटली संरक्षित किया जा सकेगा। इससे विद्यार्थियों को सीधा फायदा मिलेगा। किसी विद्यार्थी को अगर एक राज्य से दूसरे राज्य के विश्वविद्यालय में शिफ्ट करना पड़े, तो स्टूडेंट के क्रेडिट भी ट्रांसफर हो सकेंगे।

ये रहे मौजूद

बैठक में कुलपति के ओएसडी विपिन लड्ढा, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र, अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल, मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ. एके शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

07.03.2024

कृषि संग्रहालय देखने को लेकर विद्यार्थियों और किसानों में देखा जा रहा खासा उत्साह

खाजूवाला के 107 स्कूल विद्यार्थियों ने किया स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का विजिट

बीकानेर, 06 मार्च। खाजूवाला के पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल 22 केवाईडी के 107 विद्यार्थियों ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का विजिट किया। संग्रहालय प्रभारी एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ जितेंद्र कुमार गौड़ ने बताया कि विद्यार्थियों को कृषि की नई तकनीक, बूँद बूँद सिंचाई प्रणाली, लो टनल संरक्षित खेती, हाइड्रोपोनिक्स तकनीक, वेयर हाउस, कृषि में सौर ऊर्जा का उपयोग, विभिन्न कृषि यंत्रों की जानकारी, पशुधन समन्वित कृषि प्रणाली, फसलों के बचाव हेतु रक्षक पट्टिका, सोलर कुकर, बायो गैस संयंत्र, मशरूम उत्पादन, सब्जी उत्पादन, खजूर की विभिन्न किस्मों और मूल्य संवर्धित उत्पादों, खरगोश, मुर्गी, मछली व बकरी पालन, अजोला उत्पादन, प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी, प्रमुख गोवंश और उनकी नस्लों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

गौड़ ने बताया कि स्टूडेंट्स को अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की किस्मों, कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इनोवेटिव फूड उत्पादों की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों को विभिन्न मॉडल भी दिखाए गए और उनके बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान स्कूल विजिट प्रभारी लेक्चरर शैलेंद्र कुमार समेत स्कूल का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

गौड़ ने बताया कि संग्रहालय विजिट के दौरान स्टूडेंट्स और किसानों में कृषि की नई तकनीक समेत अन्य चीजों को जानने और समझने को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। पिछले दो महीनों में कृषि संग्रहालय में करीब 600 स्टूडेंट्स और किसान विजिट कर चुके हैं। कृषि संग्रहालय देखने का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे और प्रवेश निशुल्क रखा गया है। विदित है कि स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का उद्घाटन 15 नवंबर 2021 को तत्कालीन राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया था। तब से लेकर अब तक हजारों स्टूडेंस् और किसान इस कृषि संग्रहालय का विजिट कर चुके हैं।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 07-03-2024

विद्यार्थियों ने देखे स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय के यंत्र

बीकानेर | खाजूवाला के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल 22 केवाईडी के 107 विद्यार्थियों ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का विजिट किया। संग्रहालय प्रभारी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जितेंद्र कुमार गौड़ ने बताया कि विद्यार्थियों को कृषि की नई तकनीक के बारे में जानकारी दी। गौड़ ने बताया कि स्टूडेंट्स को अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की किस्मों, कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इनोवेटिव फूड उत्पादों की जानकारी भी दी गई।

07.03.2024

कृषि संग्रहालय देखने को लेकर विद्यार्थियों और किसानों में देखा जा रहा खासा उत्साह

तेज. रिपोर्टर | बीकानेर

खाजूवाला के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल 22 केवाईडी के 107 विद्यार्थियों ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का विजिट किया। संग्रहालय प्रभारी एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ जितेंद्र कुमार गौड़ ने बताया कि विद्यार्थियों को कृषि की नई तकनीक, बूँद बूँद सिंचाई प्रणाली, लो टनल संरक्षित खेती, हाइड्रोपोनिक्स तकनीक, वेयर हाउस, कृषि में सौर ऊर्जा का उपयोग, विभिन्न कृषि यंत्रों की जानकारी, पशुधन समन्वित कृषि प्रणाली, फसलों के बचाव हेतु रक्षक पट्टिका, सोलर कुकर, बायो गैस संयंत्र, मशरूम उत्पादन, सब्जी उत्पादन, खजूर की विभिन्न किस्मों और मूल्य संवर्धित उत्पादों, खरगोश, मुर्गी, मछली व बकरी पालन, अजोला उत्पादन, प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी, प्रमुख गोवंश और उनकी नस्लों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। श्री गौड़ ने बताया कि स्टूडेंट्स को अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की किस्मों, कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इनोवेटिव फूड उत्पादों की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों को विभिन्न मॉडल भी दिखाए गए और उनके बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान स्कूल विजिट प्रभारी लेक्चरर श्री शैलेंन्द्र कुमार समेत स्कूल का अन्य स्टाफ मौजूद रहा। श्री गौड़ ने बताया कि संग्रहालय विजिट के दौरान स्टूडेंट्स और किसानों में कृषि की नई तकनीक समेत अन्य चीजों को जानने और समझने को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। पिछले दो महीनों में कृषि संग्रहालय में करीब 600 स्टूडेंट्स और किसान विजिट कर चुके हैं। कृषि संग्रहालय देखने का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे और प्रवेश निशुल्क रखा गया है। विदित है कि स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का उद्घाटन 15 नवंबर 2019 को तत्कालीन राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने किया था। तब से लेकर अब तक हजारों स्टूडेंस् और किसान इस कृषि संग्रहालय का विजिट कर चुके हैं।

खाजूवाला के 107 स्कूल विद्यार्थियों ने किया स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का विजिट

07.03.2024

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 06 मार्च। खाजूवाला के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल 22 केवाईडी के 107 विद्यार्थियों ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का विजिट किया।

संग्रहालय प्रभारी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ जितेंद्र कुमार गौड़ ने बताया कि विद्यार्थियों को कृषि की नई तकनीक, बूँद बूँद सिंचाई प्रणाली, लो टनल संरक्षित खेती, हाइड्रोपोनिक्स तकनीक, वेयर हाउस, कृषि में सौर ऊर्जा का उपयोग, विभिन्न कृषि यंत्रों की जानकारी, पशुधन समन्वित कृषि प्रणाली, फसलों के बचाव हेतु रक्षक पट्टिका, सोलर कुकर, बायो गैस संयंत्र, मशरूम उत्पादन, सब्जी उत्पादन, खजूर की विभिन्न किस्मों और मूल्य संवर्धित उत्पादों, खरगोश, मुर्गी, मछली व बकरी पालन, अजोला उत्पादन, प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी, प्रमुख गोवंश और उनकी नस्लों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

गौड़ ने बताया कि स्टूडेंट्स को अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की किस्मों, कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों, सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इनोवेटिव फूड उत्पादों की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों को विभिन्न मॉडल भी दिखाए गए और उनके बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान स्कूल विजिट प्रभारी लेक्चरर शैलेंद्र कुमार समेत स्कूल का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

गौड़ ने बताया कि संग्रहालय विजिट के दौरान स्टूडेंट्स और किसानों में कृषि की नई तकनीक समेत अन्य चीजों को जानने और समझने को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। पिछले दो महीनों में कृषि संग्रहालय में करीब 600 स्टूडेंट्स और किसान विजिट कर चुके हैं। कृषि संग्रहालय देखने का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे और प्रवेश निशुल्क रखा गया है। विदित है कि स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का उद्घाटन 15 नवंबर 2019 को तत्कालीन राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया था। तब से लेकर अब तक हजारों स्टूडेंस् और किसान इस कृषि संग्रहालय का विजिट कर चुके हैं।

किसानों को कम लागत में खुद के खेत पर बीज उत्पादन की दी जानकारी

रोजड़ी के यांत्रिक कृषि फार्म पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

बीकानेर। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत बुधवार को यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खुद के खेत पर ही कम लागत में बीज उत्पादन की जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने किसानों को ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का महत्व तथा अनाज की फसलों के साथ दलहन एवं तिलहन फसलों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज) डॉ. पी. सी. गुप्ता ने किसानों को अपने खेत पर ही बीज उत्पादन करने की तकनीक की विस्तृत जानकारी दी। ताकि किसानों को कम लागत में अधिकतम लाभ मिल सके। मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ.ए.के.शर्मा ने किसानों को एक नई किस्म तैयार

करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देने के साथ साथ नई किस्मों का खाद्यान्न उत्पादन में योगदान पर जोर दिया। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. डी.एस.नाथावत ने किसानों को रबी एवं खरीफ फसलों में लगने वाले कीट और रोगों के लक्षण, नुकसान एवं उचित प्रबंधन की नवीन तकनीक के बारे में बताया। कार्यक्रम के आखिर में रोज़डी फार्म प्रभारी डॉ बी एस मीणा ने आए हुए सभी कृषि वैज्ञानिकों और किसानों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में रोज़ड़ी, 12 आरजेडी, 11 एएम और आसपास से बड़ी संख्या में आए किसानों ने हिस्सा लिया।

पुरानी आबादी थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास की घटना के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया

श्रीगंगानगर। पुरानी आबादी थाना पुलिस ने लगभग सवा महीने पहले

07.03.2024

खबर एक्सप्रेस

किसानों को कम लागत में [redacted] उत्पादन की दी जानकारी

रोजड़ी के यांत्रिक कृषि फार्म पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

कृषि वैज्ञानिकों ने अनाज के साथ दलहन और तिलहन फसलों को प्राथमिकता देने का भी दिया सुझाव

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 06 मार्च। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत बुधवार को यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी में कृषि वैज्ञनिकों ने किसानों को खुद के खोत पर ही कम लागत में बीज उत्पादन की जानकारी दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने किसानों को ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का महत्व तथा अनाज की फसलों के साथ दलहन एवं तिलहन फसलों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज) डॉ. पी. सी. गुप्ता ने किसानों को अपने खोत पर ही बीज उत्पादन करने की तकनीक की विस्तृत जानकारी दी। ताकि किसानों को कम लागत में अधिकतम लाभ मिल सके।

मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ.ए.के.शर्मा ने किसानों को एक नई किस्म तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देने के साथ साथ नई किस्मों का खाद्यान्न उत्पादन में योगदान पर जोर दिया। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. डी.एस.नाथावत ने किसानों को रबी एवं खारीफ फसलों में लगने वाले कीट और रोगों के लक्षण, नुकसान एवं उचित प्रबंधन की नवीन तकनीक के बारे में बताया।

कार्यक्रम के आखिर में रोजडी फार्म प्रभारी डॉ बी एस मीणा ने आए हुए सभी कृषि वैज्ञनिकों और किसानों का धन्यवाद ज्ञपित किया।कार्यक्रम में रोजड़ी, 12 आरजेडी, 11 एएम और आसपास से बड़ी संख्या में आए किसानों ने हिस्सा लिया।

07.03.2024

पंजाब केसरी
THU,07 MARCH 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को कम लागत में बीज उत्पादन की दी जानकारी

बीकानेर, 6 मार्च (प्रेम) : राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत बुधवार को यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खुद के खेत पर ही कम लागत में बीज उत्पादन की जानकारी दी।

कार्यक्रम में भाग लेते कृषि वैज्ञानिक व किसान। (प्रेम)

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने किसानों को ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का महत्व तथा अनाज की फसलों के साथ दलहन एवं तिलहन फसलों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज) डॉ. पी.सी. गुप्ता ने किसानों को अपने खेत पर ही बीज उत्पादन करने की तकनीक की विस्तृत जानकारी दी, ताकि किसानों को कम लागत में अधिकतम लाभ मिल सके।

मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ. ए.के. शर्मा ने किसानों को एक नई किस्म तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देने के साथ साथ नई किस्मों का खाद्यान्न उत्पादन में योगदान पर जोर दिया।

पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. डी.एस. नाथावत ने किसानों को रबी एवं खरीफ फसलों में लगने वाले कीट और रोगों के लक्षण, नुकसान एवं उचित प्रबंधन की नवीन तकनीक के बारे में बताया। कार्यक्रम में रोजड़ी, 12 आरजेडी, 11 एएम और आसपास से बड़ी संख्या में आए किसानों ने हिस्सा लिया।

07.03.2024

कृषि संग्रहालय देखने के लिए विद्यार्थियों और किसानों में उत्साह

खाजूवाला के 107 स्कूल विद्यार्थियों ने किया स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का दौरा

बीकानेर, 6 मार्च (प्रेम) : खाजूवाला के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल 22 के.वाई.डी. के 107 विद्यार्थियों ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का दौरा किया।

संग्रहालय प्रभारी एसोसिएट प्रो. डॉ. जितेंद्र कुमार गौड़ ने बताया कि विद्यार्थियों को कृषि की नई तकनीक, बूंद-बूंद सिंचाई प्रणाली, लो टनल संरक्षित खेती, हाइड्रोपोनिक्स तकनीक, वेयर हाऊस, कृषि में सौर ऊर्जा का उपयोग, विभिन्न कृषि यंत्रों की जानकारी, पशुधन समन्वित कृषि प्रणाली, फसलों के बचाव हेतु रक्षक पट्टिका, सोलर कुकर, बायो गैस संयंत्र, मशरूम उत्पादन, सब्जी उत्पादन, खजूर की विभिन्न किस्मों और मूल्य संवर्धित उत्पादों, खरगोश,

स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का भ्रमण करते विद्यार्थी। (प्रेम)

मुर्गी, मछली व बकरी पालन, अजोला उत्पादन, प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी, प्रमुख गोवंश और उनकी नस्लों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

गौड़ ने बताया कि स्टूडैंट्स को अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की किस्मों, कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इनोवेटिव फूड उत्पादों की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों को विभिन्न मॉडल भी दिखाए गए और उनके बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान स्कूल विजिट प्रभारी लैक्चरर शैलेंद्र कुमार समेत स्कूल का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

गौड़ ने बताया कि संग्रहालय विजिट के दौरान स्टूडैंट्स और किसानों में कृषि की नई तकनीक समेत अन्य चीजों को जानने और समझने को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। पिछले दो महीनों में कृषि संग्रहालय में करीब 600 स्टूडैंट्स और किसान विजिट कर चुके हैं। कृषि संग्रहालय देखने का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे और प्रवेश नि:शुल्क रखा गया है।

विदित है कि स्वामी विवेकानंद कृषि संग्रहालय का उद्घाटन 15 नवंबर 2019 को तत्कालीन राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया था। तब से लेकर अब तक हजारों स्टूडेंस् और किसान इस कृषि संग्रहालय का विजिट कर चुके हैं।

कृषि वैज्ञानिकों का अनाज के साथ दलहन और तिलहन फसलों को प्राथमिकता का सुझाव

बीकानेर (मृदुल पत्रिका)। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत बुधवार को यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खुद के खेत पर ही कम लागत में बीज उत्पादन की जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने किसानों को ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का महत्व तथा अनाज की फसलों के साथ दलहन एवं तिलहन फसलों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज) डॉ. पी. सी. गुप्ता ने किसानों को अपने खेत पर ही बीज उत्पादन करने की तकनीक की विस्तृत जानकारी दी। ताकि किसानों को कम लागत में अधिकतम लाभ मिल सके। मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ.ए.के.शर्मा ने किसानों को एक नई किस्म तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देने के साथ साथ नई किस्मों का खाद्यान्न उत्पादन में योगदान पर जोर दिया। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. डी.एस.नाथावत ने किसानों को रबी एवं खरीफ फसलों में लगने वाले कीट और रोगों के लक्षण, नुकसान एवं उचित प्रबंधन की नवीन तकनीक के बारे में बताया। कार्यक्रम के आखिर में रोज़डी फार्म प्रभारी डॉ बी एस मीणा ने आए हुए सभी कृषि वैज्ञानिकों और किसानों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में रोज़ड़ी, 12 आरजेडी, 11 एएम और आसपास से बड़ी संख्या में आए किसानों ने हिस्सा लिया।

07.03.2024

कृषि वैज्ञानिकों ने अनाज के साथ दलहन और तिलहन फसलों को प्राथमिकता देने का भी दिया सुझाव

किसानों को कम लागत में खुद के खेत पर बीज उत्पादन की दी जानकारी

रोजड़ी के यांत्रिक कृषि फार्म पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

बीकानेर (लोकमत, संवाद)। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत बुधवार को यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खुद के खेत पर ही कम लागत में बीज उत्पादन की जानकारी दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने किसानों को ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का महत्व तथा अनाज की फसलों के साथ दलहन एवं तिलहन फसलों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज) डॉ. पी. सी. गुप्ता ने किसानों को अपने खेत पर ही बीज उत्पादन करने की तकनीक की विस्तृत जानकारी दी। ताकि किसानों को कम लागत में अधिकतम लाभ मिल सके। मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ.ए.के.शर्मा ने किसानों को एक नई किस्म तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देने के साथ साथ नई किस्मों का खाद्यान्न उत्पादन में योगदान पर जोर दिया। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. डी.एस.नाथावत ने किसानों को रबी एवं खरीफ फसलों में लगने वाले कीट और रोगों के लक्षण, नुकसान एवं उचित प्रबंधन की नवीन तकनीक के बारे में बताया। कार्यक्रम के आखिर में रोजड़ी फार्म प्रभारी डॉ बी एस मीणा ने आए हुए सभी कृषि वैज्ञानिकों और किसानों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में रोजड़ी, 12 आरजेडी, 11 एएम और आसपास से बड़ी संख्या में आए किसानों ने हिस्सा लिया।

कृषि वैज्ञानिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें: डॉ महेन्द्र सिंह

12.03.2024

- किसानों को जैव उर्वरकों के इस्तेमाल की सलाह, तरल जैव उर्वरकों को बताया ज्यादा प्रभावी

बीकानेर। मृदा विज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें। इससे किसानों को खासा फायदा होगा। अयोध्या के आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज से आए एसोसिएट प्रोफेसर डॉ महेन्द्र सिंह सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। कृषि महाविद्यालय परिसर में टिकाऊ खेती उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में जैव उर्वरकों की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान में मृदा वैज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह ने कृषि विश्वविद्यालय में लैब स्थापित करने और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करने पर जोर दिया। डॉ सिंह ने जैव उर्वरकों को किसानों के लिए फायदेमंद बताते हुए इनके इस्तेमाल पर जोर दिया।ताकि मृदा की सेहत भी अच्छी बनी रहे। साथ ही तरल और ठोस जैव उर्वरकों की तुलना करते हुए तरल जैव उर्वरकों को ज्यादा प्रभावी बताया। उन्होने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के लंबे समय तक इस्तेमाल से पैदावार बेहद कम हो जाती है। डॉ सिंह ने राजस्थान की मृदा में आर्गेनिक कार्बन बढ़ाने की आवश्यकता बताते हुए इसको बढ़ाने के उपाय भी बताए। इससे पूर्व एसकेआरएयू कुलपित डॉ अरूण कुमार ने व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि स्टूडेंट्स रिसर्च का कार्य पूरी तन्मयता से करें। कृषि विश्वविद्यालय में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक उत्पादन हेतु लैब स्थापित करने और विभिन्न रिसर्च को लेकर कहा कि फंड्स की कमी नहीं आने दी जाएगी। स्नातकोत्तर शिक्षा की अधिष्ठाता डॉ दीपाली धवन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मृदा विज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह के द्वारा दी गई जानकारी से रिसर्च स्टूडेंट्स को जज्बे के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिली है। कार्यक्रम में मंच संचालन मृदा विज्ञानी डॉ सुशील खारीया ने किया। व्याख्यान में कृषि महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता डॉ दाताराम, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, कीट विज्ञान के प्रोफेसर डॉ वीर सिंह, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ जितेन्द्र कुमार गौड़, मृदा विज्ञानी डॉ रणजीत सिंह, डॉ भूपेन्द्र सिंह समेत पीजी और पीएचईडी के रिचर्स स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

पंजाब केसरी
TUE, 12 MARCH 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3
12.03.2024

परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें कृषि वैज्ञानिक : डॉ. महेन्द्र सिंह

बीकानेर, 11 मार्च (प्रेम) : मृदा विज्ञानिक डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें। इससे किसानों को खासा फायदा होगा। अयोध्या के आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज से आए एसोसिएट प्रो. डॉ महेन्द्र सिंह सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे।

व्याख्यान को संबोधित करते वक्ता। (प्रेम)

कृषि महाविद्यालय परिसर में टिकाऊ खेती उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में जैव उर्वरकों की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान में डॉ. महेन्द्र सिंह ने कृषि विश्वविद्यालय में लैब स्थापित करने और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने जैव उर्वरकों को किसानों के लिए फायदेमंद बताते हुए इनके इस्तेमाल पर जोर दिया, ताकि मृदा की सेहत भी अच्छी बनी रहे, साथ ही तरल और ठोस जैव उर्वरकों की तुलना करते हुए तरल जैव उर्वरकों को ज्यादा प्रभावी बताया।

उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के लंबे समय तक इस्तेमाल से पैदावार बेहद कम हो जाती है। राजस्थान की मृदा में आर्गेनिक कार्बन बढ़ाने की आवश्यकता बताते हुए इसको बढ़ाने के उपाय भी बताए। इससे पूर्व एस.के.आर.ए.यू. कुलपित डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि स्टूडैंट्स रिसर्च का कार्य पूरी तन्मयता से करें। कृषि विश्वविद्यालय में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक उत्पादन हेतु लैब स्थापित करने और विभिन्न रिसर्च को लेकर कहा कि फंड्स की कमी नहीं आने दी जाएगी।

स्नातकोत्तर शिक्षा की अधिष्ठाता डॉ. दीपाली धवन ने कहा कि मृदा विज्ञानी डॉ. महेन्द्र सिंह के द्वारा दी गई जानकारी से रिसर्च स्टूडैंट्स को जज्बे के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिली है।

व्याख्यान में कृषि महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता डॉ. दाताराम, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र, कीट विज्ञान के प्रो. डॉ. वीर सिंह, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार गौड़, मृदा विज्ञानी डॉ. रणजीत सिंह, डॉ. भूपेन्द्र सिंह समेत पीजी और पी.एच.ई.डी. के रिचर्स स्टूडैंट्स ने हिस्सा लिया।

दैनिक मृदुल पत्रिका | जयपुर/कोटपूतली | 12.03.2024 | मंगलवार
http://

कृषि वैज्ञानिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें: डॉ महेन्द्र सिंह मृदा विज्ञानी

बीकानेर (मृदुल पत्रिका)। मृदा विज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें। इससे किसानों को ज्यादा फायदा होगा। अयोध्या के आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज से आए एसोसिएट प्रोफेसर डॉ महेन्द्र सिंह सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। कृषि महाविद्यालय परिसर में टिकाऊ खेती उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में जैव उर्वरकों की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान में मृदा वैज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह ने कृषि विश्वविद्यालय में लैब स्थापित करने और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करने पर जोर दिया। डॉ सिंह ने जैव उर्वरकों को किसानों के लिए फायदेमंद बताते हुए इनके इस्तेमाल पर जोर दिया।ताकि मृदा की सेहत भी अच्छी बनी रहे। साथ ही लाल और ग्रीन जैव उर्वरकों की तुलना करते हुए लाल जैव उर्वरकों को ज्यादा प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के लंबे समय तक इस्तेमाल से पैदावार बेहद कम हो जाती है। डॉ सिंह ने राजस्थान की मृदा में ऑर्गेनिक कार्बन बढ़ाने की आवश्यकता

बताते हुए इसको बढ़ाने के उपाय भी बताए। इससे पूर्व एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि स्टूडेंट्स रिसर्च का कार्य पूरी तन्मयता से करें। कृषि विश्व विद्यालय में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक उत्पादन हेतु लैब स्थापित करने और विभिन्न रिसर्च को लेकर कहा कि फंड्स की कमी नहीं आने दी जाएगी। स्नातकोत्तर शिक्षा की अधिष्ठाता डॉ दीपाली धवन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मृदा विज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह के द्वारा दी गई जानकारी से रिसर्च स्टूडेंट्स को आगे के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिली है। कार्यक्रम में मंच संचालन मृदा विज्ञानी डॉ सुशील दाधीच ने किया। व्याख्यान में कृषि महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता डॉ दाताराम, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, कीट विज्ञान के प्रोफेसर डॉ वीर सिंह, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ जितेन्द्र कुमार गौड़, मृदा विज्ञानी डॉ रणजीत सिंह, डॉ भूपेन्द्र सिंह समेत पीजी और पीएचडी के रिसर्च स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

कृषि वैज्ञानिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें - डॉ महेन्द्र सिंह

12.03.2024

खबर एक्सप्रेस

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान में बोले मृदा वैज्ञानीक

बीकानेर, 11 मार्च। मृदा विज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञनिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें। इससे किसानों को खासा फायदा होगा।

अयोध्या के आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज से आए एसोसिएट प्रोफेसर डॉ महेन्द्र सिंह सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। कृषि महाविद्यालय परिसर में टिकाऊ खेती उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में जैव उर्वरकों की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान में मृदा वैज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह ने कृषि विश्वविद्यालय में लैब स्थापित करने और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करने पर जोर दिया।

डॉ सिंह ने जैव उर्वरकों को किसानों के लिए फायदेमंद बताते हुए इनके इस्तेमाल पर जोर दिया ताकि मृदा की सेहत भी अच्छी बनी रहे। साथ ही तरल और ठोस जैव उर्वरकों की तुलना करते हुए तरल जैव उर्वरकों को ज्यादा प्रभावी बताया। उन्होने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के लंबे समय तक इस्तेमाल से पैदावार बेहद कम हो जाती है। डॉ सिंह ने राजस्थान की मृदा में आर्गेनिक कार्बन बढ़ाने की आवश्यकता बताते हुए इसको बढ़ाने के उपाय भी बताए।

इससे पूर्व एसकेआरएयू कुलपित डा. अरूण कुमार ने व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि स्टूडेंट्स रिसर्च का कार्य पूरी तन्मयता से करें। कृषि विश्वविद्यालय में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक उत्पादन हेतु लैब स्थापित करने और विभिन्न रिसर्च को लेकर कहा कि फंड्स की कमी नहीं आने दी जाएगी। स्नातकोत्तर शिक्षा की अधिष्ठाता डॉ दीपाली धवन ने धन्यवाद ज्ञपित करते हुए कहा कि मृदा विज्ञनी डॉ महेन्द्र सिंह के द्वारा दी गई जानकारी से रिसर्च स्टूडेंट्स को जज्बे के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिली है। कार्यक्रम में मंच संचालन मृदा विज्ञनी डॉ सुशील खारीया ने किया।

व्याख्यान में कृषि महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता डॉ दाताराम, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, कीट विज्ञन के प्रोफेसर डॉ वीर सिंह, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ जितेन्द्र कुमार गौड़, मृदा विज्ञनी डॉ रणजीत सिंह, डॉ भूपेन्द्र सिंह समेत पीजी और पीएचईडी के रिचर्स स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

दैनिक भास्कर बीकानेर 12-03-2024

जैव उर्वरक किसानों के लिए अत्यंत लाभदायक

बीकानेर | मृदा वैज्ञानिक डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें। इससे किसानों को खासा फायदा होगा। अयोध्या के आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज से आए एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. महेन्द्र सिंह सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। डॉ. सिंह ने जैव उर्वरकों को किसानों के लिए फायदेमंद बताते हुए इनके इस्तेमाल पर जोर दिया ताकि मृदा की सेहत भी अच्छी बनी रहे। व्याख्यान में कृषि महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता डॉ. दाताराम, डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. वीर सिंह, डॉ. जितेन्द्र कुमार गौड़, डॉ. रणजीत सिंह, डॉ. भूपेन्द्र सिंह समेत पीजी और पीएचईडी के रिचर्स स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

कृषि वैज्ञानिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें - डॉ सिंह

12.03.2024

किसानों को जैव उर्वरकों के इस्तेमाल की सलाह, तरल जैव उर्वरकों को बताया ज्यादा प्रभावी

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। मृदा विज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें। इससे किसानों को खासा फायदा होगा। अयोध्या के आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज से आए एसोसिएट प्रोफेसर डॉ महेन्द्र सिंह सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। कृषि महाविद्यालय परिसर में टिकाऊ खेती उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में जैव उर्वरकों की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान में मृदा वैज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह ने कृषि विश्वविद्यालय में लैब स्थापित करने और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करने पर जोर दिया।

डॉ सिंह ने जैव उर्वरकों को किसानों के लिए फायदेमंद बताते हुए इनके इस्तेमाल पर जोर दिया।ताकि मृदा की सेहत भी अच्छी बनी रहे। साथ ही तरल और ठोस जैव उर्वरकों की तुलना करते हुए तरल जैव उर्वरकों को ज्यादा प्रभावी बताया। उन्होने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के लंबे समय तक इस्तेमाल से पैदावार बेहद कम हो जाती है। डॉ सिंह ने राजस्थान की मृदा में आर्गेनिक कार्बन बढ़ाने की आवश्यकता बताते हुए इसको बढ़ाने के उपाय भी बताए।

इससे पूर्व एसकेआरएयू कुलपित डॉ अरूण कुमार ने कहा कि स्टूडेंट्स रिसर्च का कार्य पूरी तन्मयता से करें। कृषि विश्वविद्यालय में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक उत्पादन हेतु लैब स्थापित करने और विभिन्न रिसर्च को लेकर कहा कि फंड्स की कमी नहीं आने दी जाएगी। स्नातकोत्तर शिक्षा की अधिष्ठाता डॉ दीपाली धवन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मृदा विज्ञानी डॉ महेन्द्र सिंह के द्वारा दी गई जानकारी से रिसर्च स्टूडेंट्स को जज्बे के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिली है। कार्यक्रम में मंच संचालन मृदा विज्ञानी डॉ सुशील खारीया ने किया। व्याख्यान में कृषि महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता डॉ दाताराम, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, कीट विज्ञान के प्रोफेसर डॉ वीर सिंह, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ जितेन्द्र कुमार गौड़, मृदा विज्ञानी डॉ रणजीत सिंह, डॉ भूपेन्द्र सिंह समेत पीजी और पीएचईडी के रिचर्स स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

डॉ दशरथ इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनोमी के काउंसलर चुने गए

12.03.2024

प्रशान्त ज्योति न्यूज

पोकरण। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ दशरथ प्रसाद सागर को इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, नई दिल्ली का राजस्थान की तरफ से चुनाव में काउंसलर चुना गया है। इनका कार्यकाल दो साल 2024 व 2025 का होगा। इस सोसाइटी में ये राजस्थान की तरफ से प्रतिनिधित्व करेंगे। डॉ दशरथ इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनोमी से पिछले पंद्रह सालो से जुड़े हुए है। डॉ दशरथ प्रसाद को वर्ष 2020 में इनको इस सोसाइटी में दो साल के लिए एग्रोनॉमी न्यूज़लेटर के लिए एडिटोरियल बोर्ड काउंसलर की मनोनीत किया गया। साल 2022 में इनको इंडियन जर्नल ऑफ एग्रोनोमी के लिए एसोसिएट एडिटर के रूप में चुना गया।

डॉ दशरथ वर्ष 2012 में पीएचडी भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली से करने के पश्चात स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर में सहायक आचार्य पद पर सेवा की शुरुआत की। इसके बाद दिसंबर 2023 को इनका चयन वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष के पद पर कृषि विज्ञान केंद्र, पोकरण में हुआ।

अगस्त 2016 में माननीय कुलपति महोदय ने इनके कार्यो को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रबंधन समिति (बोम) में चुना, वर्ष 2016 में हैदराबाद में इनको यंग साइंटिस्ट अवार्ड से संम्मानित किया गया, वर्ष 2017 में यंग साइंटिस्ट अवार्ड से इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ बायोरिसोर्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट जयपुर में संम्मानित किया गया, इनकी तीन पुस्तके लैम्बर्ट पब्लिकेशन जर्मनी के प्रकाशक द्वारा इंटरनेट पर उपलब्ध है।

इनके अनेक शोधपत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए है। ये किसानों के लिए डीडी दूरदर्शन राजस्थान व् ऑल इंडिया रेडियो पर अनेक कार्यक्रम भी कर चुके है। इस जीत के लिए डॉ दशरथ ने डॉ एन के पारीक व डॉ जे पी तेतरवाल व इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनोमी के सभी सम्मानित सदस्यों का आभार व्यक्त किया है।

स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें

बीकानेर @ पत्रिका. कृषि महाविद्यालय परिसर में टिकाऊ खेती उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में जैव उर्वरकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान हुआ। इस दौरान मृदा विज्ञानी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करें। इससे किसानों को खासा फायदा होगा।

उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय में लैब स्थापित करने और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक विकसित करने पर जोर दिया। एसकेआरएयू कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जैव उर्वरक उत्पादन के लिए लैब स्थापित करने और विभिन्न रिसर्च को लेकर कहा कि फंड्स की कमी नहीं आने दी जाएगी। स्नातकोत्तर शिक्षा की अधिष्ठाता डॉ. दीपाली धवन ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कार्यवाहक अधिष्ठाता डॉ. दाताराम, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र, कीट विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. वीर सिंह, कृषि अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार गौड़ सहित अन्य उपस्थित रहे।

महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 14 से

- एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरूण कुमार ने लिया तैयारियों का जायजा

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के अन्तर्गत आने वाले सात संगठक महाविद्यालय के बीच 14 से 17 मार्च तक अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने सभी खेल मैदान का जायज़ा लिया। इस दौरान कुलपति ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान दिये। उन्होंने प्रतियोगिता को लेकर बाहर से आ रहे छात्र छात्राओं के लिए बेहतरीन व्यवस्था करने के निर्देश दिये।स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चाँदगोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे। खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर कॉर्डिनेशन कमेटी, ऑर्गेनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई है। कुलपति डॉ अरुण कुमार की अध्यक्षता में इन समितियों की दो बार बैठक हो चुकी है। डॉ सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में और समापन विद्या मंडप में होगा। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएँ दोनों हिस्सा ले सकेंगे। निरीक्षण के दौरान भू स्पृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, प्रोफ़ेसर डॉ एन एस दईया, ईओ डॉ जितेंद्र कुमार गौड़ समेत अन्य स्टाफ़ मौजूद रहा।

13.03.2024

14-17 मार्च तक होगा अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

खबर एक्सप्रेस

श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय समेत कृषि विश्वविद्यालय के कुल 7 संगठक महाविद्यालय के स्टूडेंट्स लेंगे हिस्सा

बीकानेर, 12 मार्च स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के अन्तर्गत आने वाले सात संगठक महाविद्यालय के बीच 14 से 17 मार्च तक अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने सभी खेल मैदान का जायजा लिया। इस दौरान कुलपति ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान दिये। उन्होंने प्रतियोगिता को लेकर बाहर से आ रहे छात्र छात्राओं के लिए बेहतरीन व्यवस्था करने के निर्देश दिये स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

डॉ सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चाँदगोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे। खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरूण कुमार ने लिया तैयारियों का जायजा लेते हुए।

कॉर्डिनेशन कमेटी, ऑर्गेनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई है। कुलपति डॉ अरुण कुमार की अध्यक्षता में इन समितियों की दो बार बैठक हो चुकी है। डॉ सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में और समापन विद्या मंडप में होगा। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएँ दोनों हिस्सा ले सकेंगे। निरीक्षण के दौरान भू स्पृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, प्रोफेसर डॉ एन एस दईया, ईओ डॉ जितेंद्र कुमार गौड़ समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 14 से

बीकानेर, 12 मार्च (तेजकेसरी न्यूज)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के अन्तर्गत आने वाले सात संगठक महाविद्यालय के बीच 14 से 17 मार्च तक अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने सभी खेल मैदान का जायज़ा लिया। इस दौरान कुलपति ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान दिये। उन्होंने प्रतियोगिता को लेकर बाहर से आ रहे छात्र छात्राओं के लिए बेहतरीन व्यवस्था करने के निर्देश दिये। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ. वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।डॉ सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चाँदगोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे। खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर कॉर्डिनेशन कमेटी,ऑर्गेनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई है। कुलपति डॉ अरुण कुमार की अध्यक्षता में इन समितियों की दो बार बैठक हो चुकी है। डॉ सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में और समापन विद्या मंडप में होगा।

स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ. वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएँ दोनों हिस्सा ले सकेंगे। निरीक्षण के दौरान भू स्पृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, प्रोफ़ेसर डॉ एन एस दईया, ईओ डॉ जितेंद्र कुमार गौड़ समेत अन्य स्टाफ़ मौजूद रहा।

अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता आज से

14.03.2024

एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार हो रहा आयोजन

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता गुरुवार से शुरू होगी। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबंधित अलग-अलग कॉलेजों के 300 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

इसको लेकर बुधवार को प्रेसवार्ता में विवि कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ. वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चांदकोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे।

12 समितियों का गठन

आयोजन को लेकर कॉर्डिनेशन कमेटी,ऑर्गेनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ. वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक के मुकाबले होंगे।

कृषि विश्वविद्यालय में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन

14.03.2024

श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय समेत कृषि विश्वविद्यालय के कुल 7 संगठक कॉलेज के स्टूडेंट्स लेंगे हिस्सा

तेज | संजय सेठी. श्रीगंगानगर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। ये आयोजन 14-17 मार्च को बीकानेर में कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ही होगा। खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने आज विश्वविद्यालय परिसर में बने इंडोर हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी विस्तृत जानकारी मीडिया को दी। कुलपति ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। प्रतियोगिता में विजेताओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान की जायेंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले कुलपति ने सभी खेल मैदानों का जायजा लिया। विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चांदगोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे। डॉ सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर कॉर्डिनेशन कमेटी,ऑर्गेनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं।खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित के मुख्य आतिथ्य में और समापन विद्या मंडप में राजूवास के पूर्व कुलपति प्रो.ए के गहलोत के मुख्य आतिथ्य में होगा। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएं दोनों हिस्सा ले सकेंगे। निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन पीआरओ श्री सुरेश बिश्नोई ने किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता, अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, डीएचआरडी निदेशक डॉ एके शर्मा, एलपीएम प्रोफेसर डॉ निर्मल सिंह दहिया, लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह, डॉ एचएल देसवाल, डॉ आर के वर्मा, डॉ ममता सिंह समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

14.03.2024

एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार होगा अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 13 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। ये आयोजन 14-17 मार्च को कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ही होगा। खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में बने इंडोर हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी विस्तृत जानकारी मीडिया को दी। कुलपति ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। प्रतियोगिता में विजेताओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान की जायेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले कुलपति ने सभी खेल मैदानों का जायजा लिया। विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चौदगोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे।

आयोजन को लेकर 12 समितियों का गठन : डॉ सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर कॉर्डिनेशन कमेटी, अर्गिनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई है। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित के मुख्य आतिथ्य में और समापन विद्या मंडप में राजूवास के पूर्व कुलपति प्रो.ए के गहलोत के मुख्य आतिथ्य में होगा। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएं दोनों हिस्सा ले सकेंगे। निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन पीआरओ सुरेश बिश्नोई ने किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, अधिष्ठाता डॉ विमला डूकवाल, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता, अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, डीएचआरडी निदेशक डॉ एके शर्मा, एलपीएम प्रोफेसर डॉ निर्मल सिंह दहिया, लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह, डॉ एचएल देसवाल, डॉ आर के वर्मा, डॉ ममता सिंह समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

एसकेआरएयू अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार से आयोजन

14.03.2024

बीकानेर, 13 मार्च (तेजकेसरी न्यूज)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। ये आयोजन 14-17 मार्च को कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ही होगा। खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में बने इंडोर हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी विस्तृत जानकारी मीडिया को दी गयी।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। प्रतियोगिता में विजेताओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान की जायेंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले कुलपति ने सभी खेल मैदानों का जायजा लिया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित सात संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चांदगोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे। डॉ सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर कॉर्डिनेशन कमेटी,ऑर्गेनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं।

खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित के मुख्य आतिथ्य में और समापन विद्या मंडप में राजूवास के पूर्व कुलपति प्रो.ए के गहलोत के मुख्य आतिथ्य में होगा।

स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएं दोनों हिस्सा ले सकेंगे। निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन पीआरओ सुरेश बिश्नोई ने किया।

पर्याप्त पानी की सप्लाई न होने से ग्रामीण परेशान

पाइप लाइन बिछाई गई

एसकेआरएयू में पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रति. का आयोजन

बीकानेर (नसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। ये आयोजन 14-17 मार्च को कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ही होगा। खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में बने इंडोर हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी विस्तृत जानकारी मीडिया को दी। कुलपति ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। प्रतियोगिता में विजेताओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान की जायेंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले कुलपति ने सभी खेल मैदानों का जायजा लिया।

ये कॉलेज ले सकेंगे हिस्सा

प्रेस कॉन्फ्रेस में विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चाँदगोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे।

आयोजन को लेकर 12 समितियों का गठन

डॉ. सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर कॉर्डिनेशन कमेटी,ऑर्गेनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं।खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित के मुख्य आतिथ्य में और समापन विद्या मंडप में राजूवास के पूर्व कुलपति प्रो.ए के गहलोत के मुख्य आतिथ्य में होगा।

इन खेलों का होगा आयोजन

स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ. वी. एस. आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएं दोनों हिस्सा ले सकेंगे। निदेशक प्रसार डॉ. सुभाष चंद्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन पीआरओ श्री सुरेश बिश्नोई ने किया।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 14-03-2024

कृषि विवि में रजिस्ट्रार पद पर देवाराम सैनी ने संभाला काम

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार पद पर बुधवार को वरिष्ठ आरएएस अधिकारी देवाराम सैनी ने पदभार ग्रहण किया। सैनी ने कार्यग्रहण के बाद कुलपति डॉ. अरुण कुमार से शिष्टाचार भेंट की। विदित है कि मूलतः सीकर निवासी सैनी इससे पूर्व बांसवाड़ा में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त और करीब 15 साल तक पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दो बार ओएसडी एवं विशिष्ट सहायक रह चुके हैं। सैनी जेडीए में ऑथराइज्ड ऑफिसर, एसडीएम निवाई, कठूमर, भवानीमंडी, राजगढ़ और एसीएम महुआ व देसूरी के अलावा डीटीओ बीकानेर, बीडीओ शिव भी रह चुके हैं।

एसकेआरएयू में रजिस्ट्रार पद पर देवाराम सैनी ने किया पदभार ग्रहण

तेज रिपोर्टर. बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार पद पर बुधवार को वरिष्ठ आरएएस अधिकारी देवाराम सैनी ने पदभार ग्रहण किया। सैनी ने कार्यग्रहण के बाद कुलपति डॉ अरुण कुमार से शिष्टाचार भेंट की। विदित है कि मूलतः सीकर निवासी सैनी इससे पूर्व बांसवाड़ा में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त और क़रीब 15 साल तक पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दो बार ओएसडी एवं विशिष्ट सहायक रह चुके हैं। सैनी जेडीए में ऑथराइज्ड ऑफिसर, एसडीएम निवाई, कठूमर, भवानी मंडी, राजगढ़ और एसीएम महुआ व देसूरी के अलावा डीटीओ बीकानेर, बीडीओ शिव भी रह चुके हैं।

14.03.2024

एसकेआरएयू में रजिस्ट्रार पद पर देवाराम सैनी ने किया पदभार ग्रहण

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार पद पर बुधवार को वरिष्ठ आरएएस अधिकारी देवाराम सैनी ने पदभार ग्रहण किया। सैनी ने कार्यग्रहण के बाद कुलपति डॉ अरुण कुमार से शिष्टाचार भेंट की। विदित है कि मूलतः सीकर निवासी सैनी इससे पूर्व बांसवाड़ा में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त और क़रीब 15 साल तक पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दो बार ओएसडी एवं विशिष्ट सहायक रह चुके हैं। सैनी जेडीए में ऑथराइज्ड ऑफिसर, एसडीएम निवाई, कठूमर, भवानीमंडी, राजगढ़ और एसीएम महुआ व देसूरी के अलावा डीटीओ बीकानेर, बीडीओ शिव भी रह चुके हैं।

एसकेआरएयू में रजिस्ट्रार पद पर देवाराम सैनी ने किया पदभार ग्रहण

14.03.2024

बीकानेर, 13 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार पद पर बुधवार को वरिष्ठ आरएएस अधिकारी देवाराम सैनी ने पदभार ग्रहण किया। सैनी ने कार्यग्रहण के बाद कुलपति डॉ अरुण कुमार से शिष्टाचार भेंट की। विदित है कि मूलतः सीकर निवासी सैनी इससे पूर्व बांसवाड़ा में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त और करीब 15 साल तक पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दो बार ओएसडी एवं विशिष्ट सहायक रह चुके हैं। सैनी जेडीए में ऑथराइज्ड ऑफिसर, एसडीएम निवाई, कठूमर, भवानीमंडी, राजगढ़ और एसीएम महुआ व देसूरी के अलावा डीटीओ बीकानेर, बीडीओ शिव भी रह चुके हैं।

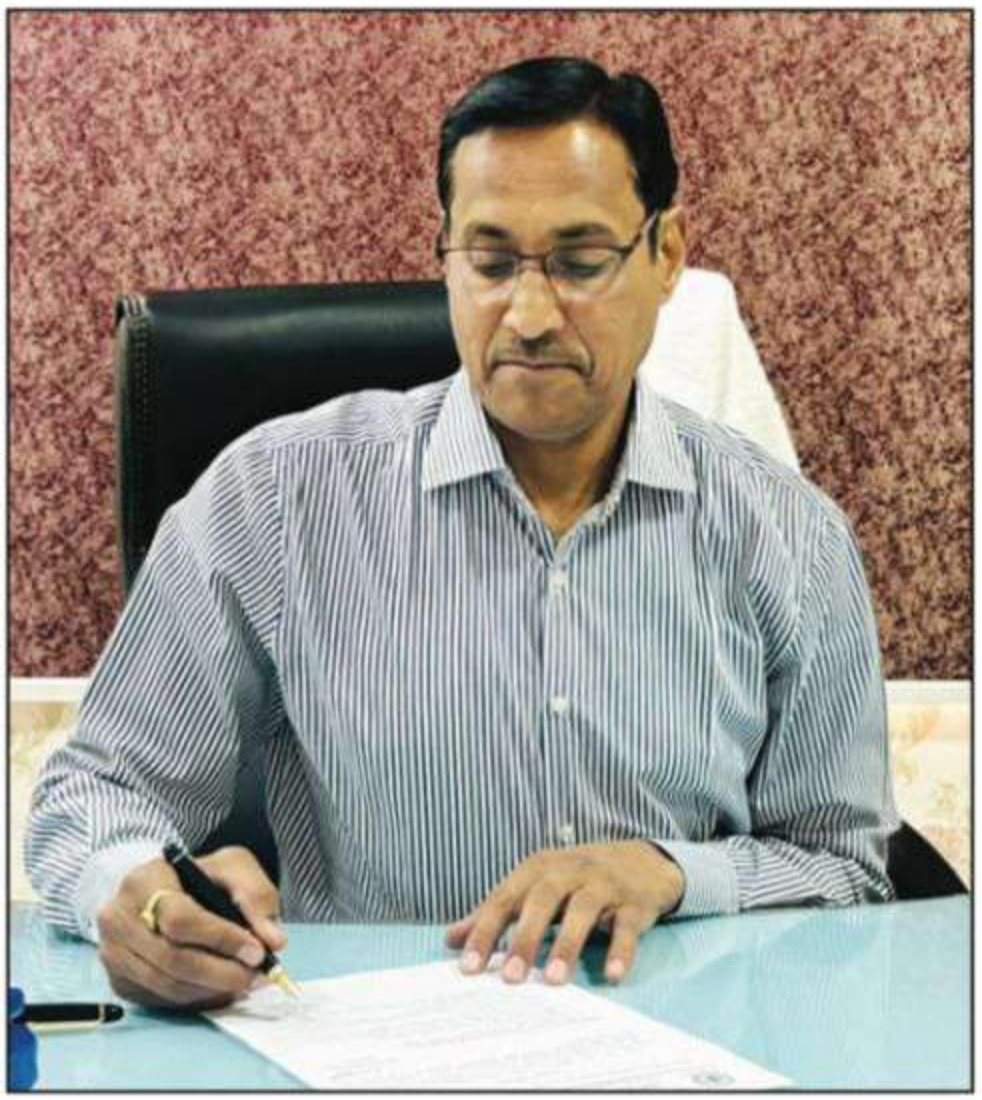

14.03.2024

श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय सहित कृषि विश्वविद्यालय के कुल 7 संगठक कॉलेज के स्टूडेंट्स लेंगे हिस्सा

14.03.2024

खबर एक्सप्रेस

एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार हो रहा है अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

बीकानेर, 13 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खोलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। ये आयोजन 14-17 मार्च को कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ही होगा। खोलकूद प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में बने इंडोर हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी विस्तृत जानकारी मीडिया को दी। कुलपति ने बताया कि खोलकूद प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। प्रतियोगिता में विजेताओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान की जायेंगी।

इन खोलों का होगा आयोजन

स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खोलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा।

ये कॉलेज ले सकेंगे हिस्सा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चाँदगोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे।

आयोजन को लेकर 12 समितियों का गठन

डॉ सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर कॉर्डिनेशन कमेटी,ऑर्गेनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं।खोल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खोल स्टेडियम में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित के मुख्य आतिथ्य में और समापन विद्या मंडप में राजूवास के पूर्व कुलपति प्रो.ए के गहलोत के मुख्य आतिथ्य में होगा। सभी खोलों में छात्र छात्राएं दोनों हिस्सा ले सकेंगे। निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्र ने धन्यवाद ज्ञपित किया। मंच संचालन पीआरओ सुरेश बिश्नोई ने किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता, अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, डीएचआरडी निदेशक डॉ एके शर्मा, एलपीएम प्रोफेसर डॉ निर्मल सिंह दहिया, लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह, डॉ एचएल देसवाल, डॉ आर के वर्मा, डॉ ममता सिंह समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार हो रहा अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय समेत कृषि विश्वविद्यालय के कुल 7 संगठक कॉलेज के स्टूडेंट्स लेंगे हिस्सा

बीकानेर (लोकमत, संवाद)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। ये आयोजन 14-17 मार्च को कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ही होगा। खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में बने इंडोर हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी विस्तृत जानकारी मीडिया को दी। कुलपति ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। प्रतियोगिता में विजेताओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान की जायेंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले कुलपति ने सभी खेल मैदानों का जायजा लिया।

ये कॉलेज ले सकेंगे हिस्सा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चाँदगोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे।

आयोजन को लेकर 12 समितियों का गठन

डॉ सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर कॉर्डिनेशन कमेटी,ऑर्गेनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं।खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित के मुख्य आतिथ्य में और समापन विद्या मंडप में राजूवास के पूर्व कुलपति प्रो.ए के गहलोत के मुख्य आतिथ्य में होगा।

इन खेलों का होगा आयोजन

स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएं दोनों हिस्सा ले सकेंगे। निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन पीआरओ श्री सुरेश बिश्नोई ने किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता, अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, डीएचआरडी निदेशक डॉ एके शर्मा, एलपीएम प्रोफेसर डॉ निर्मल सिंह दहिया, लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह, डॉ एचएल देसवाल, डॉ आर के वर्मा, डॉ ममता सिंह समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

एसकेआरएयू की ओर से आयोजित होगी अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता

14.03.2024

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। ये आयोजन 14-17 मार्च को कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ही होगा। खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में बने इंडोर हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी विस्तृत जानकारी मीडिया को दी। कुलपति ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। प्रतियोगिता में विजेताओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान की जायेंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले कुलपति ने सभी खेल मैदानों का जायजा लिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू में चाँदगोठी, झुंझुनू में मंडावा और बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे।

आयोजन को लेकर 12 समितियों का गठन

डॉ सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर कॉर्डिनेशन कमेटी, ऑर्गेनाइजिंग कमेटी समेत कुल 12 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं।खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित खेल स्टेडियम में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित के मुख्य आतिथ्य में और समापन विद्या मंडप में राजूवास के पूर्व कुलपति प्रो.ए के गहलोत के मुख्य आतिथ्य में होगा।

इन खेलों का होगा आयोजन

स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन समेत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खेलों में छात्र छात्राएं दोनों हिस्सा ले सकेंगे। निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन पीआरओ सुरेश बिश्नोई ने किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता, अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, डीएचआरडी निदेशक डॉ एके शर्मा, एलपीएम प्रोफेसर डॉ निर्मल सिंह दहिया, लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह, डॉ एचएल देसवाल, डॉ आर के वर्मा, डॉ ममता सिंह समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

एसकेआरएयू में रजिस्ट्रार पद पर श्री देवाराम सैनी ने किया पदभार ग्रहण

बीकानेर (लोकमत, संवाद)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार पद पर बुधवार को वरिष्ठ आरएएस अधिकारी श्री देवाराम सैनी ने पदभार ग्रहण किया। श्री सैनी ने कार्यग्रहण के बाद कुलपति डॉ अरुण कुमार से शिष्टाचार भेंट की। विदित है कि मूलत- सीकर निवासी श्री सैनी इससे पूर्व बांसवाड़ा में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त और क़रीब 15 साल तक पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के दो बार ओएसडी एवं विशिष्ट सहायक रह चुके हैं। श्री सैनी जेडीए में ऑथराइज्ड ऑफिसर, एसडीएम निवाई, कठूमर, भवानीमंडी, राजगढ़ और एसीएम महुआ व देसूरी के अलावा डीटीओ बीकानेर, बीडीओ शिव भी रह चुके हैं।

अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता शुरू

15.03.2024

खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है

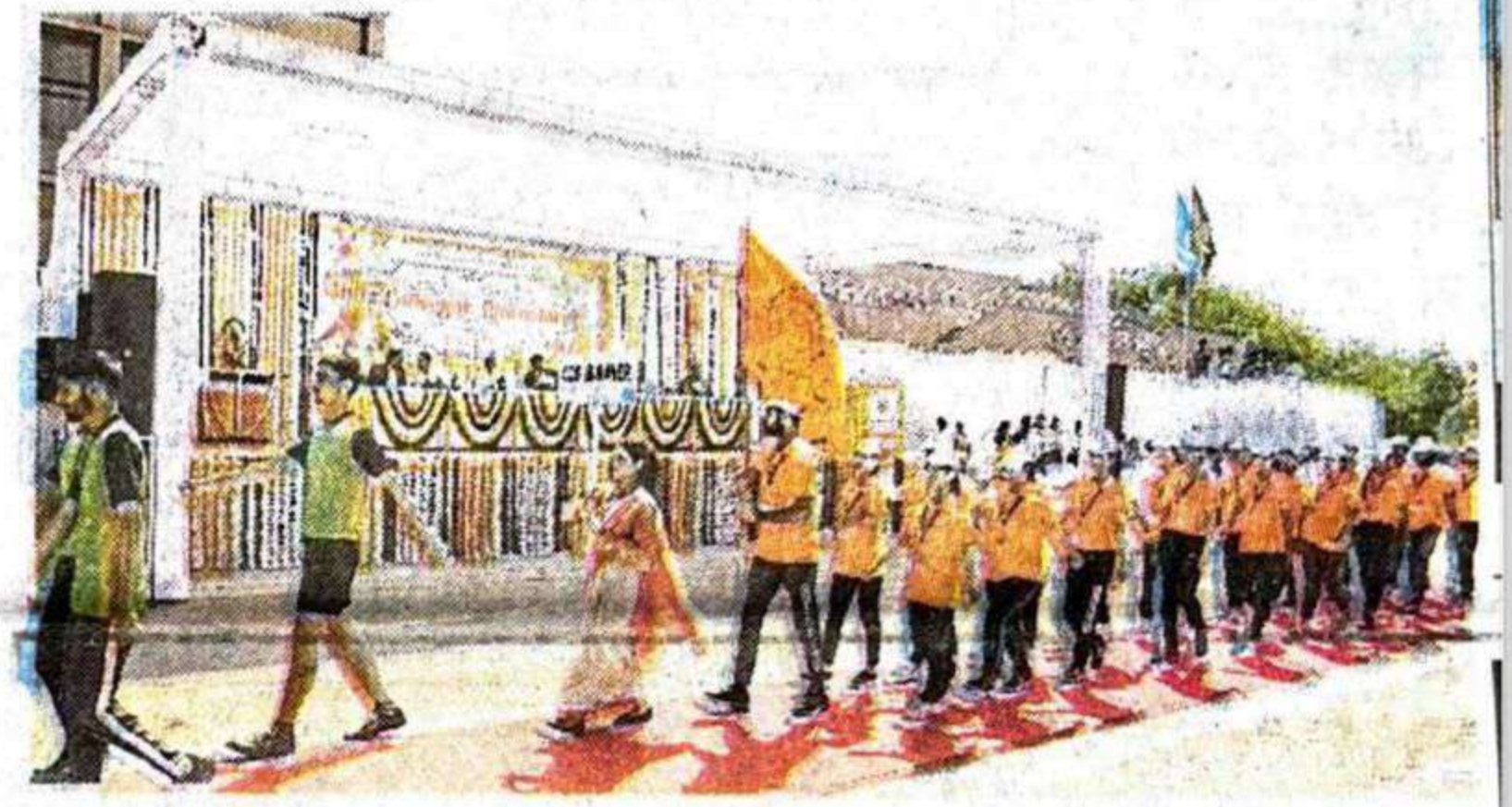

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनोज दीक्षित ने कहा कि खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए। उन्होंने कहा कि खेलों की लीक बहुत लंबी हो चुकी है लिहाजा कोई भी व्यक्ति खेलों में अपना करियर बना सकता है। विशिष्ट अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अंबरीष शरण विद्यार्थी ने कहा कि खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है। मनुष्य का असली विकास आर्थिक रूप से नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक विकास से ही होता है।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल सबसे अहम हैं। हम अगर कुछ समय खेलने के बाद पढ़ने बैठेंगे तो अच्छा फील होगा और इसके रिजल्ट भी अच्छे आएंगे। समारोह के दौरान कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चांदकोठी, झुंझुनू के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने भव्य मार्च पास्ट किया।

स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ. वीर सिंह ने बताया कि एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 17 मार्च तक कृषि विश्वविद्यालय परिसर में हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र खत्री, स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ. वीएस आचार्य, मंजू राठौड़ सहित अन्य उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर बीकानेर 15-03-2024

• एसकेआरएयू में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए : डॉ. दीक्षित

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कृषि विश्वविद्यालय परिसर में बने स्टेडियम में हुए शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. मनोज दीक्षित और विशिष्ठ अतिथि कुलपति डॉ. अंबरीष शरण विद्यार्थी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी, राजेन्द्र खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर उपस्थित रहे। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने खेलों के आयोजन की घोषणा की। इससे पूर्व कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनू के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएवीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट किया। एमजीएसयू कुलपति डॉ. मनोज दीक्षित ने कहा कि खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी दिल से हार के ना जाए। उन्होंने कहा कि खेलों की लीक बहुत लंबी हो चुकी है लिहाजा कोई भी व्यक्ति खेलों में अपना कैरियर बना सकता है। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी ने कहा कि खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है। मनुष्य का असली विकास आर्थिक रूप से नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक विकास से ही होता है। स्वागत उद्बोधन में डॉ. वीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए खेल आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मंच संचालन मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टॉफ समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

15.03.2024

प्रशान्त ज्योति श्रीगंगानगर

खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए- डॉ. मनोज दीक्षित

›› एसकेआरएयू में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह में बोले कुलपति

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कृषि विश्वविद्यालय परिसर में बने स्टेडियम में हुए शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित और विशिष्ट अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर उपस्थित रहे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने खेलों के आयोजन की घोषणा की। इससे पूर्व कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनू के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने भव्य मार्च पास्ट किया। शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए। उन्होंने कहा कि खेलों की लीक बहुत लंबी हो चुकी है लिहाजा कोई भी व्यक्ति खेलों में अपना करियर बना सकता है। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी ने कहा कि खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है। मनुष्य का असली विकास आर्थिक रूप से नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक विकास से ही होता है।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल सबसे अहम हैं। हम अगर कुछ समय खेलने के बाद पढ़ने बैठेंगे तो अच्छा फील होगा और इसके रिजल्ट भी अच्छे आएंगे। कुलपति ने कहा कि बीकानेर के चारों विश्वविद्यालयों के बीच भी अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो। इससे पूर्व कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक के साथ सामाजिक और आर्थिक विकास भी हो रहा है। आईपीएल इसका उदाहरण है। वित्त नियंत्रक राजेन्द्र खत्री ने खेलों को हार या जीत नहीं बल्कि खेल भावना से खेलने और पूरे उत्साह से खेलों में हिस्सा लेने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर स्वागत सत्कार से की गई। स्वागत उद्बोधन में स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए खेल आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 14-17 मार्च तक कृषि विश्वविद्यालय परिसर में हो रहा है। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई और कार्यक्रम के आखिर में धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन श्रीमती मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टॉफ समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में इंटर कॉलेज खेलकूद प्रतियोगिताएं आरंभ

15.03.2024

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

15.03.2

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं का आज शुभारंभ हुआ। कृषि विश्वविद्यालय परिसर के स्टेडियम में मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित और विशिष्ठ अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीश शरण विद्यार्थी ने प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र खत्री, कृषि विश्वविद्यालय के डीन और डायरेक्टर उपस्थित रहे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने खेलों के आयोजन की घोषणा की। इससे पूर्व कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनू के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने भव्य मार्च पास्ट किया। कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए। उन्होंने कहा कि खेलों की लीक बहुत लंबी हो चुकी है। लिहाजा कोई भी व्यक्ति खेलों में अपना करियर बना सकता है। कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी ने कहा कि खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल सबसे अहम हैं। हम अगर कुछ समय खेलने के बाद पढ़ने बैठेंगे तो अच्छा फील होगा और इसके रिजल्ट भी अच्छे आएंगे। कुलपति ने कहा कि बीकानेर के चारों विश्वविद्यालयों के बीच भी अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो। इससे पूर्व कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक के साथ सामाजिक और आर्थिक विकास भी होता है।इससे पूर्व कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक के साथ सामाजिक और आर्थिक विकास भी हो रहा है। आईपीएल इसका उदाहरण है। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते बताया कि बीकानेर में कृषि विश्वविद्यालय स्थापित होने के के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। खेलकूद प्रतियोगिताएं 17 मार्च तक चलेंगी।

15.03.2024

खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए- डॉ दीक्षित

एसकेआरएयू में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह में बोले कुलपति

@बीकाणा संवाद

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कृषि विश्वविद्यालय परिसर में बने स्टेडियम में हुए शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित और विशिष्ट अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर उपस्थित रहे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने खेलों के आयोजन की घोषणा की। इससे पूर्व कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनू के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने भव्य मार्च पास्ट किया।

समारोह को संबोधित करते हुए महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए। उन्होंने कहा कि

खेलों की लीक बहुत लंबी हो चुकी है लिहाजा कोई भी व्यक्ति खेलों में अपना करियर बना सकता है। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी ने कहा कि खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है। मनुष्य का असली विकास आर्थिक रूप से नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक विकास से ही होता है।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल सबसे अहम हैं। हम अगर कुछ समय खेलने के बाद पढ़ने बैठेंगे तो अच्छा फील होगा और इसके रिजल्ट भी अच्छे आएंगे। कुलपति ने कहा कि बीकानेर के चारों विश्वविद्यालयों के बीच भी अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो। इससे पूर्व कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक के साथ सामाजिक और आर्थिक विकास भी हो रहा है। आईपीएल इसका उदाहरण है। वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र खत्री ने खेलों को हार या जीत नहीं बल्कि खेल भावना से खेलने और पूरे उत्साह से खेलों में हिस्सा लेने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर स्वागत सत्कार से की गई। स्वागत उद्बोधन में स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए खेल आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होने बताया कि एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 14-17 मार्च तक कृषि विश्वविद्यालय परिसर में हो रहा है। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई और कार्यक्रम के आखिर में धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन श्रीमती मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टॉफ समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

15.03.2024

खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए- कुलपति दीक्षित

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 14 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कृषि विश्वविद्यालय परिसर में बने स्टेडियम में हुए शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित और विशिष्ट अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा अंबरीष शरण विद्यार्थी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र खन्नी समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर उपस्थित रहे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने खेलों के आयोजन की घोषणा की। इससे पूर्व कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनू के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने भव्य मार्च पास्ट किया।

शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए। उन्होंने कहा कि खेलों की लीक बहुत लंबी हो चुकी है लिहाजा कोई भी व्यक्ति खेलों में अपना करियर बना सकता है। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी ने कहा कि खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है। मनुष्य का असली विकास आर्थिक रूप से नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक विकास से ही होता है।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल सबसे अहम हैं। हम अगर कुछ समय खेलने के बाद पढ़ने बैठेंगे तो अच्छा फील होगा और इसके रिजल्ट भी अच्छे आएंगे। कुलपति ने कहा कि बीकानेर के चारों विश्वविद्यालयों के बीच भी अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो। इससे पूर्व कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक के साथ सामाजिक और आर्थिक विकास भी हो रहा है। आईपीएल इसका उदाहरण है। वित्त नियंत्रक राजेन्द्र खन्नी ने खेलों को हार या जीत नहीं बल्कि खेल भावना से खेलने और पूरे उत्साह से खेलों में हिस्सा लेने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर स्वागत सत्कार से की गई। स्वागत उद्बोधन में स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए खेल आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होने बताया कि एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 14-17 मार्च तक कृषि विश्वविद्यालय परिसर में हो रहा है। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई और कार्यक्रम के आखिर में धन्यवाद ज्ञपित किया। मंच संचालन मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टॉफ समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

एसकेआरएयू में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता आरम्भ

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 14 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कृषि विश्वविद्यालय परिसर में बने स्टेडियम में हुए शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित और विशिष्ठ अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर उपस्थित रहे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने खेलों के आयोजन की घोषणा की। इससे पूर्व कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनू के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के

अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने भव्य मार्च पास्ट किया। शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए। उन्होंने कहा कि खेलों की लीक बहुत लंबी हो चुकी है लिहाजा कोई भी व्यक्ति खेलों में अपना करियर बना सकता है। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी ने कहा कि खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है। मनुष्य का असली विकास आर्थिक रूप से नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक विकास से ही होता है। एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल सबसे अहम हैं। हम अगर कुछ समय खेलने के बाद पढ़ने बैठेंगे तो अच्छा फील होगा और इसके रिजल्ट भी अच्छे आएंगे। कुलपति ने कहा कि बीकानेर के चारों विश्वविद्यालयों के बीच भी अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो। इससे पूर्व कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक के साथ सामाजिक और आर्थिक विकास भी हो रहा है। आईपीएल इसका उदाहरण है। वित्त नियंत्रक राजेन्द्र खत्री ने खेलों को हार या जीत नहीं बल्कि खेल भावना से खेलने और पूरे उत्साह से खेलों में हिस्सा लेने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर स्वागत सत्कार से की गई। स्वागत उद्बोधन में स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए खेल आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होने बताया कि एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 14-17 मार्च तक कृषि विश्वविद्यालय परिसर में हो रहा है। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई और कार्यक्रम के आखिर में धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन श्रीमती मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टाफ समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

इबादत | (प्रातःकालीन दैनिक) हनुमानगढ़ (राजस्थान) शुक्रवार 15 मार्च, 2024

» एसकेआरएयू में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ समारोह

खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए - डॉ मनोज दीक्षित, कुलपति

इबादत न्यूज

बीकानेर, 14 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कृषि विश्वविद्यालय परिसर में बने स्टेडियम में हुए शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित और विशिष्ठ अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसके आरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर उपस्थित रहे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने खेलों के आयोजन की घोषणा की। इससे पूर्व कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनू के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने भव्य मार्च पास्ट किया।

शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए। उन्होंने कहा कि खेलों की लीक बहुत लंबी हो चुकी है लिहाजा कोई भी व्यक्ति खेलों में अपना करियर बना सकता है। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी ने कहा कि खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है। मनुष्य का असली विकास आर्थिक रूप से नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक विकास से ही होता है।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल सबसे अहम हैं। हम अगर कुछ समय खेलने के बाद पढ़ने बैठेंगे तो अच्छा फील होगा और इसके रिजल्ट भी अच्छे आएंगे। कुलपति ने कहा कि बीकानेर के चारों विश्वविद्यालयों के बीच भी अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो। इससे पूर्व कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक के साथ सामाजिक और आर्थिक विकास भी हो रहा है। आईपीएल इसका उदाहरण है। वित्त नियंत्रक राजेन्द्र खत्री ने खेलों को हार या जीत नहीं बल्कि खेल भावना से खेलने और पूरे उत्साह से खेलों में हिस्सा लेने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर स्वागत सत्कार से की गई। स्वागत उद्बोधन में स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए खेल आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होने बताया कि एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 14-17 मार्च तक कृषि विश्वविद्यालय परिसर में हो रहा है।

स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई और कार्यक्रम के आखिर में धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन श्रीमती मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टॉफ समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

15.03.2024

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

■ 300 विद्यार्थियों ने किया भव्य मार्च पास्ट

बीकानेर, 14 मार्च (प्रेम,राजेंद्र) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनोज दीक्षित और विशिष्ठ अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अंबरीष शरण विद्यार्थी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एस.के.आर.ए.यू. कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर उपस्थित रहे।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने खेलों के आयोजन की घोषणा की। इससे पूर्व कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चांदगोठी, झुंझुनू के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आई.ए.बी.एम. और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने भव्य मार्च पास्ट किया। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनोज दीक्षित ने कहा कि खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए।

उन्होंने कहा कि खेलों की लीक बहुत लंबी हो चुकी है लिहाजा कोई भी व्यक्ति खेलों में अपना कैरियर बना सकता है। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अंबरीष शरण विद्यार्थी ने कहा कि खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है। मनुष्य का असली विकास आर्थिक रूप से नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक विकास से ही होता है।

एस.के.आर.ए.यू. कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल सबसे अहम हैं। हम अगर कुछ समय खेलने के बाद पढ़ने बैठेंगे तो अच्छा फील होगा और इसके रिजल्ट भी अच्छे आएंगे। उन्होंने बताया कि एस.के.आर.ए.यू. बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 14-17 मार्च तक कृषि विश्वविद्यालय परिसर में हो रहा है।

सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आगाज

किसी के कहने सुनने से ना बनाकर खुद के अनुभव से बनाएं पुलिस की इमेज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

मानव संसाधन निदेशालय में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसपी तेजस्विनी गौतम ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन की पूरी जानकारी आप सब प्रतिभागी सोशल मीडिया पर खूब शेयर करें ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिले। लेकिन खुद की निजी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करने से हमेशा बचें। एसपी ने कहा कि साइबर क्राइम के लिए लालच और लापरवाही के चलते 99 फीसदी हम खुद जिम्मेदार होते हैं। आज हर कोई सोशल मीडिया अकाउंट खोलने और सारी जानकारी उस पर डालने के लिए आतुर नजर आता है। इससे साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस की इमेज को लेकर कहा कि किसी की भी इमेज कहने सुनने से ना बनाकर खुद के एक्सपीरियंस से बनाएं। विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन को अच्छे से सीखें और यहां से सीखने के बाद अन्य लोगों को भी इसकी जानकारी साझा करें। ताकि किसानों को इसका लाभ मिले। अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने कहा कि किसानों को बीज रिप्लेसमेंट को बढ़ाना होगा तभी उत्पादन बढ़ा सकेंगे। अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ. पीसी गुप्ता ने सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर बताया कि इसमें किसान, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर के अलावा बुंदेलखंड, झांसी से भी प्रतिभागी आए हैं।

बवासीर भगन्दर से परेशान?
टक्नोफार्मा का

दैनिक भास्कर
बीकानेर 15-03-2024

सोशल मीडिया पर शेयर करें बीज उत्पादन ताकि किसानों को मिले लाभ : एसपी गौतम

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि एसपी तेजस्विनी गौतम ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन की पूरी जानकारी आप सब प्रतिभागी सोशल मीडिया पर खूब शेयर करें ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिले। लेकिन खुद की निजी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करने से हमेशा बचें।

राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन को अच्छे से सीखें और यहां से सीखने के बाद अन्य लोगों को भी इसकी जानकारी साझा करें। ताकि किसानों को इसका लाभ मिले। कुलपति ने विश्वविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को पुलिस के सहयोग से सात दिवसीय सेल्फ डिफेंस दिलाने की बात भी कही। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि किसानों को बीज रिप्लेसमेंट को बढ़ाना होगा तभी उत्पादन बढ़ा सकेंगे। अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर बताया कि इसमें किसान, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर के अलावा बुंदेलखंड, झांसी से भी प्रतिभागी आए हैं। कुल 75 प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का साफा पहना कर और बुके भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में आईएबीएम निदेशक डॉ. आईपी सिंह, डॉ. विमला डुंकवाल, डॉ. दाताराम, डॉ. सीमा त्यागी, आरएस शेखावत समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

बीज उत्पादन जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करें, निजी जानकारी नहीं : एसपी. तेजस्विनी गौतम

Type text here

गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को लेकर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ने किया संबोधन

बीकानेर । स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मानव संसाधन निदेशालय में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसपी श्रीमती तेजस्विनी गौतम ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन की पूरी जानकारी आप सब प्रतिभागी सोशल मीडिया पर खूब शेयर करें ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिले। लेकिन खुद की निजी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करने से हमेशा बचें। एसपी ने कहा कि साइबर क्राइम के लिए लालच और लापरवाही के चलते 99 फीसदी हम खुद जिम्मेदार होते हैं। आज हर कोई सोशल मीडिया अकाउंट खोलने और सारी जानकारी उस पर डालने के लिए आतुर नजर आता है। इससे साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस की इमेज को लेकर कहा कि किसी की भी इमेज कहने सुनने से ना बनाकर खुद के एक्सपीरियंस से बनाएं। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन को अच्छे से सीखें और यहां से सीखने के बाद अन्य लोगों को भी इसकी जानकारी साझा करें। ताकि किसानों को इसका लाभ मिले। कुलपति ने विश्वविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को पुलिस के सहयोग से सात दिवसीय सेल्फ डिफेंस दिलाने की बात भी कही। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि किसानों को बीज रिप्लेसमेंट को बढ़ाना होगा तभी उत्पादन बढ़ा सकेंगे। स्वागत भाषण में अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर बताया कि इसमें किसान, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर के अलावा बुंदेलखंड, झांसी से भी प्रतिभागी आए हैं। कुल 75 प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय की सूरत और सीरत दोनों बदल दी हैं। इनके सहयोग से विभिन्न प्रकार के रिसर्च प्रोजेक्ट स्वीकृत हुए हैं। इसका लाभ यहां के स्टूडेंट्स को मिल रहा है।

15.03.2024

गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की जानकारी सोशल मीडिया पर जरूर शेयर करें लेकिन निजी जानकारी नहीं- एसपी तेजस्विनी

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 14 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मानव संसाधन निदेशालय में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसपी तेजस्विनी गौतम ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन की पूरी जानकारी आप सब प्रतिभागी सोशल मीडिया पर खूब शेयर करें ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिले। लेकिन खुद की निजी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करने से हमेशा बचें।

एसपी ने कहा कि साइबर क्राइम के लिए लालच और लापरवाही के चलते 99 फीसदी हम खुद जिम्मेदार होते हैं। आज हर कोई सोशल मीडिया अकाउंट खोलने और सारी जानकारी उस पर डालने के लिए आतुर नजर आता है। इससे साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस की इमेज को लेकर कहा कि किसी की भी इमेज कहने सुनने से ना बनाकर खुद के एक्सपीरियंस से बनाएं।

राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन को अच्छे से सीखें और यहां से सीखने के बाद अन्य लोगों को भी इसकी जानकारी साझा करें। ताकि किसानों को इसका लाभ मिले। कुलपति ने विश्वविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को पुलिस के सहयोग से सात दिवसीय सेल्फ डिफेंस दिलाने की बात भी कही। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि किसानों को बीज रिप्लेसमेंट को बढ़ाना होगा तभी उत्पादन बढ़ा सकेंगे।

इससे पूर्व स्वागत भाषण में अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर बताया कि इसमें किसान, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर के अलावा बुंदेलखंड, झांसी से भी प्रतिभागी आए हैं। कुल 75 प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। श्री गुप्ता ने बताया कि कृषि उत्पादन बढ़ाने में बीज ही सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हाइब्रिड बीज के चलते ही हरित क्रांति हुई थी। लेकिन किसान 25 से 30 फीसदी बीज ही रिप्लेसमेंट करता है।

मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञपित करते हुए कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय की सूरत और सीरत दोनों बदल दी हैं। इनके सहयोग से विभिन्न प्रकार के रिसर्च प्रोजेक्ट स्वीकृत हुए हैं। इसका लाभ यहां के स्टूडेंट्स को मिल रहा है। उन्होने कहा कि सीड किसान की आत्मा होती है इसकी गुणवत्ता अच्छी होनी बहुत आवश्यक है।कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का साफा पहना कर और बुके भेंट कर किया गया।

कार्यक्रम में आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल, भू-स्पृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, डॉ सीमा त्यागी, कृषि पर्यवेक्षक श्री आरएस शेखावत समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की जानकारी सोशल मीडिया पर जरूर शेयर करें लेकिन निजी जानकारी नहीं: एसपी

तेज. रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मानव संसाधन निदेशालय में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसपी श्रीमती तेजस्विनी गौतम ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन की पूरी जानकारी आप सब प्रतिभागी सोशल मीडिया पर खूब शेयर करें ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिले। लेकिन खुद की निजी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करने से हमेशा बचें। एसपी ने कहा कि साइबर क्राइम के लिए लालच और लापरवाही के चलते 99 फीसदी हम खुद जिम्मेदार होते हैं। आज हर कोई सोशल मीडिया अकाउंट खोलने और सारी जानकारी उस पर डालने के लिए आतुर नजर आता है। इससे साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस की इमेज को लेकर कहा कि किसी की भी इमेज कहने सुनने से ना बनाकर खुद के एक्सपीरियंस से बनाएं। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन को अच्छे से सीखें और यहां से सीखने के बाद अन्य लोगों को भी इसकी जानकारी साझा करें। ताकि किसानों को इसका लाभ मिले। कुलपति ने विश्वविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को पुलिस के सहयोग से सात दिवसीय सेल्फ डिफेंस दिलाने की बात भी कही। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि किसानों को बीज रिप्लेसमेंट को बढ़ाना होगा तभी उत्पादन बढ़ा सकेंगे। इससे पूर्व स्वागत भाषण में अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर बताया कि इसमें किसान, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर के अलावा बुंदेलखंड, झांसी से भी प्रतिभागी आए हैं। कुल 75 प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। श्री गुप्ता ने बताया कि कृषि उत्पादन बढ़ाने में बीज ही सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हाइब्रिड बीज के चलते ही हरित क्रांति हुई थी। लेकिन किसान 25 से 30 फीसदी बीज ही रिप्लेसमेंट करता है। मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय की सूरत और सीरत दोनों बदल दी हैं। इनके सहयोग से विभिन्न प्रकार के रिसर्च प्रोजेक्ट स्वीकृत हुए हैं। इसका लाभ यहां के स्टूडेंट्स को मिल रहा है। उन्होने कहा कि सीड किसान की आत्मा होती है इसकी गुणवत्ता अच्छी होनी बहुत आवश्यक है।कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का साफा पहना कर और बुके भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल, भू-स्पृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, डॉ सीमा त्यागी, कृषि पर्यवेक्षक श्री आरएस शेखावत समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

15.03.2024

गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की जानकारी सोशल मीडिया पर जरूर शेयर करें लेकिन निजी जानकारी नहीं : श्रीमती तेजस्विनी गौतम, एसपी

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 14 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मानव संसाधन निदेशालय में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसपी श्रीमती तेजस्विनी गौतम ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन की पूरी जानकारी आप सब प्रतिभागी सोशल मीडिया पर खूब शेयर करें ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिले

लेकिन खुद की निजी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करने से हमेशा बचें। एसपी ने कहा कि साइबर क्राइम के लिए लालच और लापरवाही के चलते 99 फीसदी हम खुद जिम्मेदार होते हैं। आज हर कोई सोशल मीडिया अकाउंट खोलने और सारी जानकारी उस पर डालने के लिए आतुर नजर आता है। इससे साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस की इमेज को लेकर कहा कि किसी की भी इमेज कहने सुनने से ना बनाकर खुद के एक्सपीरियंस से बनाएं। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन को अच्छे से सीखें और यहां से सीखने के बाद अन्य लोगों को भी इसकी जानकारी साझा करें ताकि किसानों को इसका लाभ मिले। कुलपति ने विश्वविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को पुलिस के सहयोग से सात दिवसीय सेल्फ डिफेंस दिलाने की बात भी कही। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि किसानों को बीज रिप्लेसमेंट को बढ़ाना होगा तभी उत्पादन बढ़ा सकेंगे। इससे पूर्व स्वागत भाषण में अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर बताया कि इसमें किसान, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर के अलावा बुंदेलखंड, झांसी से भी प्रतिभागी आए हैं। कुल 75 प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। गुप्ता ने बताया कि कृषि उत्पादन बढ़ाने में बीज ही सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हाइब्रिड बीज के चलते ही हरित क्रांति हुई थी लेकिन किसान 25 से 30 फीसदी बीज ही रिप्लेसमेंट करता है। मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय की सूरत और सीरत दोनों बदल दी हैं। इनके सहयोग से विभिन्न प्रकार के रिसर्च प्रोजेक्ट स्वीकृत हुए हैं। इसका लाभ यहां के स्टूडेंट्स को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सीड किसान की आत्मा होती है इसकी गुणवत्ता अच्छी होनी बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का साफा पहना कर और बुके भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल, भू-स्पृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, डॉ सीमा त्यागी, कृषि पर्यवेक्षक आरएस शेखावत समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

15.03.2024

गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की जानकारी सोशल मीडिया पर जरूर शेयर करें लेकिन निजी जानकारी नहीं- एसपी तेजस्विनी

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 14 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मानव संसाधन निदेशालय में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसपी तेजस्विनी गौतम ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन की पूरी जानकारी आप सब प्रतिभागी सोशल मीडिया पर खूब शेयर करें ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिले। लेकिन खुद की निजी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करने से हमेशा बचें।

एसपी ने कहा कि साइबर क्राइम के लिए लालच और लापरवाही के चलते 99 फीसदी हम खुद जिम्मेदार होते हैं। आज हर कोई सोशल मीडिया अकाउंट खोलने और सारी जानकारी उस पर डालने के लिए आतुर नजर आता है। इससे साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस की इमेज को लेकर कहा कि किसी की भी इमेज कहने सुनने से ना बनाकर खुद के एक्सपीरियंस से बनाएं।

राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन को अच्छे से सीखें और यहां से सीखाने के बाद अन्य लोगों को भी इसकी जानकारी साझा करें। ताकि किसानों को इसका लाभ मिले। कुलपति ने विश्वविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को पुलिस के सहयोग से सात दिवसीय सेल्फ डिफेंस दिलाने की बात भी कही। इससे पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि किसानों को बीज रिप्लेसमेंट को बढ़ाना होगा तभी उत्पादन बढ़ा सकेंगे।

इससे पूर्व स्वागत भाषण में अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर बताया कि इसमें किसान, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर के अलावा बुंदेलखंड, झांसी से भी प्रतिभागी आए हैं। कुल 75 प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। श्री गुप्ता ने बताया कि कृषि उत्पादन बढ़ाने में बीज ही सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हाइब्रिड बीज के चलते ही हरित क्रांति हुई थी। लेकिन किसान 25 से 30 फीसदी बीज ही रिप्लेसमेंट करता है।

मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञपित करते हुए कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय की सूरत और सीरत दोनों बदल दी हैं। इनके सहयोग से विभिन्न प्रकार के रिसर्च प्रोजेक्ट स्वीकृत हुए हैं। इसका लाभ यहां के स्टूडेंट्स को मिल रहा है। उन्होने कहा कि सीड किसान की आत्मा होती है इसकी गुणवत्ता अच्छी होनी बहुत आवश्यक है।कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का साफा पहना कर और बुके भेंट कर किया गया।

कार्यक्रम में आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल, भू-स्पृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, डॉ सीमा त्यागी, कृषि पर्यवेक्षक श्री आरएस शेखावत समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए : डॉ मनोज दीक्षित

एसकेआरएयू में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह में बोले कुलपति

बीकानेर (लोकमत, संवाद)।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कृषि विश्वविद्यालय परिसर में बने स्टेडियम में हुए शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित और विशिष्ठ अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर उपस्थित रहे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने खेलों के आयोजन की घोषणा की। इससे पूर्व कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनू के मंडावा और

बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने भव्य मार्च पास्ट किया।

शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि खेलों में सबके दिल जीतें, कोई भी हार के ना जाए। उन्होंने कहा कि खेलों की लीक बहुत लंबी हो चुकी है लिहाजा कोई भी व्यक्ति खेलों में अपना करियर बना सकता है। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अंबरीष शरण विद्यार्थी ने कहा कि खेलने से मन प्रसन्नचित रहता है और आनंद का अनुभव होता है। मनुष्य का असली विकास आर्थिक रूप से नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक विकास से ही होता है।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल सबसे अहम हैं। हम अगर कुछ समय खेलने के बाद पढ़ने बैठेंगे तो अच्छा फील होगा और इसके रिजल्ट भी अच्छे आएंगे। कुलपति ने कहा कि बीकानेर के चारों विश्वविद्यालयों के बीच भी अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हो। इससे पूर्व कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि खेलों से शारीरिक और मानसिक के साथ सामाजिक और आर्थिक विकास भी हो रहा है। आईपीएल इसका उदाहरण है। वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र खत्री ने खेलों को हार या जीत नहीं बल्कि खेल भावना से खेलने और पूरे उत्साह से खेलों में हिस्सा लेने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों को साफा पहनाकर और बुके भेंट कर स्वागत सत्कार से की गई। स्वागत उद्बोधन में स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए खेल आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होने बताया कि एसकेआरएयू बनने के बाद पहली बार अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 14-17 मार्च तक कृषि विश्वविद्यालय परिसर में हो रहा है। स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी एस आचार्य ने सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई और कार्यक्रम के आखिर में धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन श्रीमती मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, टीचिंग, नॉन टीचिंग स्टॉफ समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर खंड में 1 लाख 91 हजार 571 हेक्टेयर में चना की फसल

15.03.2024

बंपर उत्पादन की उम्मीद : इलाके में चने की मीरा व गणगौर की अच्छी फसल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

श्रीगंगानगर. देश के उत्तरी राज्यों में श्रीगंगानगरी चना जीएन-जी-2171 मीरा व जीएनजी-1581 गणगौर किस्म फसल की अच्छी धूम है जबकि कृषि बहुल श्रीगंगानगर खंड में इस बार चना की मीरा व गणगौर किस्म से अच्छे उत्पादन की उम्मीद है। राज्य में इस बार 21 लाख हेक्टेयर की तुलना में 19 लाख 38 हजार 881 हेक्टेयर में चना की बुवाई हुई है। इसमें श्रीगंगानगर खंड में एक लाख 91 हजार 571 हेक्टेयर में चना की फसल है।

चना की फसल में इस समय फूल लगे हुए हैं तथा फलियों में दाना पड़ रहा है। इलाके में बुधवार को कहीं हल्की बारिश हुई है तो कहीं बूंदाबांदी भी हुई है। इससे चना की फसल की बढ़वार होगी। अभी तक मौसम चना की फसल के अनुकूल ही रहा है।

श्रीगंगानगर. तहसील क्षेत्र के गांव लाधूवाल क्षेत्र में लहलाह रही चना की फसल।

इलाके में इस बार चना की बंपर फसल

लाधूवाला. क्षेत्र में इस बार चना की फसल अच्छी बताई जा रही है। किसानों को चने की फसल से काफी उम्मीदें हैं। किसानों का कहना है कि इस बार चने की बंपर फसल होने का अनुमान है। अभी तक चने की फसल में किसी प्रकार का कोई रोग आदि नहीं है। चना की फसल में आधे से ज्यादा फसल में डोडियां (फलियां) बन चुकी है। कृषि पर्यवेक्षक गुरप्रीत सिंह का कहना है कि अगर चने की फसल में आने वाले दिनों में झुलसा रोग नहीं आता है तो फसल अच्छी होने का अनुमान है।

जिले में 90 हजार मीट्रिक टन का उत्पादन

कृषि विभाग के अनुसार श्रीगंगानगर जिले में 65071 हेक्टेयर में चना की फसल है तथा 90,097 मीट्रिक टन का उत्पादन का अनुमान है।

इस वर्ष चना का न्यूनतम समर्थन मूल्य-5440 रुपए

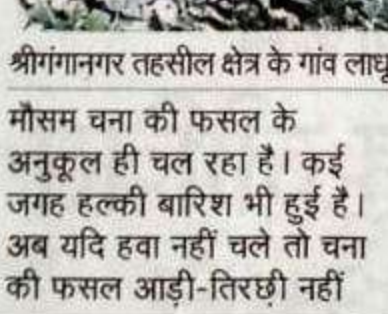

श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले में चना की जीएन जी-2171 मीरा व जीएनजी-1581 गणगौर किस्म की फसल अच्छी स्थिति में है। वर्तमान में मौसम चना की फसल के अनुकूल ही चल रहा है। कई जगह हल्की बारिश भी हुई है। अब यदि हवा नहीं चले तो चना की फसल आड़ी-तिरछी नहीं पड़े। चना की फसल में इन दिनों दाने बन रहे हैं।

-डॉ.विजय प्रकाश आचार्य,
क्षेत्रीय निदेशक,कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर।

श्रीगंगानगर तहसील क्षेत्र के गांव लाधूवाल क्षेत्र में चने की फसल में लगी डोडियां।

श्रीगंगानगर खंड में चना बुवाई

*श्रीगंगानगर खंड में चना बुवाई का लक्ष्य-**245,000 हेक्टेयर***

*श्रीगंगानगर खंड में हुई चना बुवाई -**1,91,571 हेक्टेयर***

श्रीगंगानगर जिले में चना बुवाई

*श्रीगंगानगर जिले में चना बुवाई का लक्ष्य-**65000***

*श्रीगंगानगर जिले में हुई चना बुवाई-**65071***

हनुमानगढ़ में चना बुवाई

*हनुमानगढ़ जिले में चना बुवाई का लक्ष्य-**1,80,000***

*हनुमानगढ़ जिले में हुई चना बुवाई-**1,26,500***

चना का न्यूनतम समर्थन मूल्य

*पिछले वर्ष चना का न्यूनतम समर्थन मूल्य-**5335 रुपए***

दैनिक भास्कर

बीकानेर 17-03-2024

अब बीकानेर में जल्द मिलेंगे मशरूम के पकौड़े, अचार, बड़ी और कटलेट

बीकानेर | होटल और रेस्टोरेंट के मेन्यू में अब तक आपने मशरूम की सब्जी ही देखी होगी लेकिन अब जल्द ही बीकानेर जिले के होटल और रेस्टोसेंट में मशरूम के पकोड़े और कटलेट भी नजर आएंगे। साथ ही मार्केट में मशरूम का अचार और बड़ी भी जल्द उपलब्ध होंगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन' को लेकर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मशरूम मैन नाम से देश में प्रसिद्ध बिहार के डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ. दयाराम ने शनिवार को ढिंगरी मशरूम से अचार, बड़ी, पकौड़े और कटलेट बनाना सिखाया। प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों से ये उत्पाद बनवाए भी गए। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम उत्पादन इकाई स्थित प्रशिक्षण स्थल पर विजिट कर प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। कुलपति ने कहा कि वो दिन अब दूर नहीं जब बीकानेर में मशरूम का अचार, पकौड़े, बड़ी और कटलेट आदि मिलने लगेंगे। प्रशिक्षण समन्वयक एवं पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दाताराम ने बताया कि प्रशिक्षण के दूसरे दिन मशरूम मैन डॉ दयाराम ने मशरूम के विभिन्न उत्पाद बनाने के अलावा मशरूम उत्पादन के लिए कम्पोस्ट तैयार करने की विधि भी बताई। प्रतिभागियों ने कंपोस्ट तैयार भी की। जिसे 24 घंटे बाद रविवार को मिट्टी के मटकों और प्लास्टिक की बड़ी थैलियों में भर कर बीज का रोपण किया जाएगा।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि

सिखाया मशरूम से अचार और पकोड़ा बनाना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. होटल और रेस्टोरेंट के मेन्यू में अब तक आपने मशरूम की सब्जी ही देखी होगी। लेकिन अब होटल और रेस्टोरेंट में मशरूम के पकोड़े और कटलेट भी नजर आएंगे। साथ ही मार्केट में मशरूम का अचार और बड़ी भी जल्द उपलब्ध होंगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन को लेकर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन बिहार के कृषि वैज्ञानिक डॉ. दयाराम ने शनिवार को ढिंगरी मशरूम से अचार, बड़ी, पकोड़े और कटलेट बनाना सिखाया। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि वो दिन अब दूर नहीं जब बीकानेर में मशरूम का अचार, पकोड़े, बड़ी और कटलेट आदि मिलने लगेंगे। जाएगा।

प्रतिभागियों को मशरूम से अचार और पकोड़ा बनाना सिखाते हुए।

15 दिन बाद पहली फसल होगी शुरू

प्रशिक्षण समन्वयक एवं पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दाताराम ने बताया कि प्रशिक्षण के दूसरे दिन डॉ. दयाराम ने मशरूम के विभिन्न उत्पाद बनाने के अलावा मशरूम उत्पादन के लिए कम्पोस्ट तैयार करने की विधि भी बताई। प्रतिभागियों ने कंपोस्ट तैयार भी की। जिसे 24 घंटे बाद मिट्टी के मटकों और प्लास्टिक की बड़ी थैलियों में भर कर बीज का रोपण किया। डॉ. दाताराम ने बताया कि करीब 15 दिन बाद मशरूम की पहली फसल आनी शुरू हो जाएगी। एक बार तैयार हुई कंपोस्ट से तीन से चार फसल की तुड़ाई की जा सकती है। मिट्टी के मटकी को 4 से 5 बार या उसके फूटने तक काम में लिया जा सकता है।

जल्द उपलब्ध होंगे मशरूम के पकोड़े, अचार, बड़ी और कटलेट

तेज. श्रीगंगानगर | संजय सेठी

होटल और रेस्टोरेंट के मेन्यू में अब तक आपने मशरूम की सब्जी ही देखी होगी लेकिन अब जल्द ही होटल और रेस्टोरेंट में मशरूम के पकोड़े और कटलेट भी नजर आएंगे। साथ ही मार्केट में मशरूम का अचार और बड़ी भी जल्द उपलब्ध होंगे। बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन' को लेकर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मशरूममैन नाम से देश में प्रसिद्ध बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ दयाराम ने आज ढिंगरी मशरूम से अचार, बड़ी, पकौड़े और कटलेट बनाना सिखाया।प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों से ये उत्पाद बनवाए भी गए। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम उत्पादन इकाई स्थित प्रशिक्षण स्थल पर विजिट कर प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। कुलपति ने कहा कि वो दिन अब दूर नहीं जब बीकानेर में मशरूम का अचार, पकौड़े, बड़ी और कटलेट आदि मिलने लगेंगे। प्रशिक्षण समन्वयक एवं पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाता राम ने बताया कि प्रशिक्षण के दूसरे दिन मशरूम मैन डॉ दयाराम ने मशरूम के विभिन्न उत्पाद बनाने के अलावा मशरूम उत्पादन के लिए कम्पोस्ट तैयार करने की विधि भी बताई। प्रतिभागियों ने कंपोस्ट तैयार भी की। जिसे 24 घंटे बाद रविवार को मिट्टी के मटकों और प्लास्टिक की बड़ी थैलियों में भर कर बीज का रोपण किया जाएगा। डॉ दाताराम ने बताया कि करीब 15 दिन बाद मशरूम की पहली फसल आनी शुरू हो जाएगी। एक बार तैयार हुई कंपोस्ट से तीन से चार फसल की तुड़ाई की जा सकती है। मिट्टी के मटकी को 4 से 5 बार या उसके फूटने तक काम में लिया जा सकता है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, डॉ शालिनी सिंह, मशरूम यूनिट के सह आचार्य डॉ अशोक कुमार शाक्य, सहायक आचार्य डॉ अर्जुन यादव समेत कुल 40 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

जल्द उपलब्ध होंगे मशरूम के पकोड़े, अचार, बड़ी और कटलेट

श्रीगंगानगर/सीमाकिरण। होटल और रेस्टोरेंट के मेन्यू में अब तक आपने मशरूम की सब्जी ही देखी होगी लेकिन अब जल्द ही होटल और रेस्टोरेंट में मशरूम के पकोड़े और कटलेट भी नजर आएंगे।

साथ ही मार्केट में मशरूम का अचार और बड़ी भी जल्द उपलब्ध होंगे। बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन' को लेकर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मशरूममैन नाम से देश में प्रसिद्ध बिहार के डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ. दयाराम ने आज ढिंगरी मशरूम से अचार, बड़ी, पकौड़े और कटलेट बनाना सिखाया। प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों से ये उत्पाद बनवाए भी गए। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम उत्पादन इकाई स्थित प्रशिक्षण स्थल पर विजिट कर प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। कुलपति ने कहा कि वो दिन अब दूर नहीं जब बीकानेर में मशरूम का अचार, पकौड़े, बड़ी और कटलेट आदि मिलने लगेंगे। प्रशिक्षण समन्वयक एवं पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दाता राम ने बताया कि प्रशिक्षण के दूसरे दिन मशरूम मैन डॉ. दयाराम ने मशरूम के विभिन्न उत्पाद बनाने के अलावा मशरूम उत्पादन के लिए कम्पोस्ट तैयार करने की विधि भी बताई। प्रतिभागियों ने कंपोस्ट तैयार भी की। जिसे 24 घंटे बाद रविवार को मिट्टी के मटकों और प्लास्टिक की बड़ी थैलियों में भर कर बीज का रोपण किया जाएगा। डॉ. दाताराम ने बताया कि करीब 15 दिन बाद मशरूम की पहली फसल आनी शुरू हो जाएगी। एक बार तैयार हुई कंपोस्ट से तीन से चार फसल की तुड़ाई की जा सकती है। मिट्टी के मटकी को 4 से 5 बार या उसके फूटने तक काम में लिया जा सकता है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत, डॉ. शालिनी सिंह, मशरूम यूनिट के सह आचार्य डॉ. अशोक कुमार शाक्य, सहायक आचार्य डॉ. अर्जुन यादव समेत कुल 40 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अब बीकानेर में जल्द उपलब्ध होंगे मशरूम के पकौड़े, अचार, बड़ी और कटलेट

बीकानेर, 16 मार्च (तेजकेसरी न्यूज)। होटल और रेस्टोरेंट के मेन्यू में अब तक आपने मशरूम की सब्जी ही देखी होगी लेकिन अब जल्द ही बीकानेर जिले के होटल और रेस्टोरेंट में मशरूम के पकोड़े और कटलेट भी नजर आएंगे। साथ ही मार्केट में मशरूम का अचार और बड़ी भी जल्द उपलब्ध होंगे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में %%मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन%% को लेकर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मशरूम मैन नाम से देश में प्रसिद्ध बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ दयाराम ने शनिवार को ढिंगरी मशरूम से अचार, बड़ी, पकौड़े और कटलेट बनाना सिखाया। प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों से ये उत्पाद बनवाए भी गए।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम उत्पादन इकाई स्थित प्रशिक्षण स्थल पर विजिट कर प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। कुलपति ने कहा कि वो दिन अब दूर नहीं जब बीकानेर में मशरूम का अचार, पकौड़े, बड़ी और कटलेट आदि मिलने लगेंगे।

प्रशिक्षण समन्वयक एवं पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाता राम ने बताया कि प्रशिक्षण के दूसरे दिन मशरूम मैन डॉ दयाराम ने मशरूम के विभिन्न उत्पाद बनाने के अलावा मशरूम उत्पादन के लिए कम्पोस्ट तैयार करने की विधि भी बताई। प्रतिभागियों ने कंपोस्ट तैयार भी की। जिसे 24 घंटे बाद रविवार को मिट्टी के मटकों और प्लास्टिक की बड़ी थैलियों में भर कर बीज का रोपण किया जाएगा।

डॉ दाताराम ने बताया कि करीब 15 दिन बाद मशरूम की पहली फसल आनी शुरू हो जाएगी। एक बार तैयार हुई कंपोस्ट से तीन से चार फसल की तुड़ाई की जा सकती है। मिट्टी के मटकी को 4 से 5 बार या उसके फूटने तक काम में लिया जा सकता है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, डॉ शालिनी सिंह, मशरूम यूनिट के सह आचार्य डॉ अशोक कुमार शाक्य, सहायक आचार्य डॉ अर्जुन यादव समेत कुल 40 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अब बीकानेर में भी होंगे मशरूम के पकोड़े, अचार, बड़ी और कटलेट , डॉ. दयाराम ने दिया प्रशिक्षण

बीकानेर (निष्पक्ष कलम) । होटल और रेस्टोरेंट के मेन्यू में अब तक आपने मशरूम की सब्जी ही देखी होगी लेकिन अब जल्द ही बीकानेर जिले के होटल और रेस्टोसेंट में मशरूम के पकोड़े और कटलेट भी नजर आएंगे। साथ ही मार्केट में मशरूम का अचार और बड़ी भी जल्द उपलब्ध होंगे। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन' को लेकर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मशरूम मैन नाम से देश में प्रसिद्ध बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ दयाराम ने शनिवार को ढिंगरी मशरूम से अचार, बड़ी, पकौड़े और कटलेट बनाना सिखाया।प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों से ये उत्पाद बनवाए भी गए। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम उत्पादन इकाई स्थित प्रशिक्षण स्थल पर विजिट कर प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ पी एस शेखावत, डॉ शालिनी सिंह, मशरूम यूनिट के सह आचार्य डॉ अशोक कुमार शाक्य, सहायक आचार्य डॉ अर्जुन यादव समेत कुल 40 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अब बीकानेर में जल्द उपलब्ध होंगे मशरूम के पकोड़े, अचार, बड़ी और कटलेट

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 16 मार्च। होटल और रेस्टोरेंट के मेन्यू में अब तक आपने मशरूम की सब्जी ही देखी होगी लेकिन अब जल्द ही बीकानेर जिले के होटल और रेस्टोसेंट में मशरूम के पकोड़े और कटलेट भी नजर आएंगे। साथ ही मार्केट में मशरूम का अचार और बड़ी भी जल्द उपलब्ध होंगे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में श्शमशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धनश्श को लेकर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मशरूम मैन नाम से देश में प्रसिद्ध बिहार के डा राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञनिक डॉ दयाराम ने शनिवार को ढिंगरी मशरूम से अचार, बड़ी, पकौड़े और कटलेट बनाना सिखाया प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों से ये उत्पाद बनवाए भी गए।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञन विभाग के मशरूम उत्पादन इकाई स्थित प्रशिक्षण स्थल पर विजिट कर प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। कुलपति ने कहा कि वो दिन अब दूर नहीं जब बीकानेर में मशरूम का अचार, पकौड़े, बड़ी और कटलेट आदि मिलने लगेंगे। प्रशिक्षण समन्वयक एवं पादप रोग विज्ञन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाता राम ने बताया कि प्रशिक्षण के दूसरे दिन मशरूम मैन डॉ दयाराम ने मशरूम के विभिन्न उत्पाद बनाने के अलावा मशरूम उत्पादन के लिए कम्पोस्ट तैयार करने की विधि भी बताई। प्रतिभागियों ने कंपोस्ट तैयार भी की। जिसे 24 घंटे बाद रविवार को मिट्टी के मटकों और प्लास्टिक की बड़ी थैलियों में भर कर बीज का रोपण किया जाएगा।

डॉ दाताराम ने बताया कि करीब 15 दिन बाद मशरूम की पहली फसल आनी शुरू हो जाएगी। एक बार तैयार हुई कंपोस्ट से तीन से चार फसल की तुड़ाई की जा सकती है। मिट्टी के मटकी को 4 से 5 बार या उसके फूटने तक काम में लिया जा सकता है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, डॉ शालिनी सिंह, मशरूम यूनिट के सह आचार्य डॉ अशोक कुमार शाक्य, सहायक आचार्य डॉ अर्जुन यादव समेत कुल 40 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

जल्द उपलब्ध होंगे मशरूम के पकोड़े, अचार, बड़ी और कटलेट

श्रीगंगानगर, 16 मार्च (प्रताप केसरी): होटल और रेस्टोरेंट के मेन्यू में अब तक आपने मशरूम की सब्जी ही देखी होगी लेकिन अब जल्द ही होटल और रेस्टोरेंट में मशरूम के पकोड़े और कटलेट भी नजर आएंगे। साथ ही मार्केट में मशरूम का अचार और बड़ी भी जल्द उपलब्ध होंगे। बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन' को लेकर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मशरूममैन नाम से देश में प्रसिद्ध बिहार के डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ. दयाराम ने आज ढिंगरी मशरूम से अचार, बड़ी, पकौड़े

और कटलेट बनाना सिखाया। प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रतिभागियों से ये उत्पाद बनवाए भी गए। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग के मशरूम उत्पादन इकाई स्थित प्रशिक्षण स्थल पर विजिट कर प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। कुलपति ने कहा कि वो दिन अब दूर नहीं जब बीकानेर में मशरूम का अचार, पकौड़े, बड़ी और कटलेट आदि मिलने लगेंगे। प्रशिक्षण समन्वयक एवं पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाता राम ने बताया कि प्रशिक्षण के दूसरे दिन मशरूम मैन डॉ दयाराम ने मशरूम के विभिन्न उत्पाद बनाने के अलावा मशरूम उत्पादन के लिए कम्पोस्ट तैयार करने की विधि भी बताई। प्रतिभागियों ने कंपोस्ट तैयार भी की। जिसे 24 घंटे बाद रविवार को मिट्टी के मटकों और प्लास्टिक की बड़ी थैलियों में भर कर बीज का रोपण किया जाएगा। डॉ दाताराम ने बताया कि करीब 15 दिन बाद मशरूम की पहली फसल आनी शुरू हो जाएगी। एक बार तैयार हुई कंपोस्ट से तीन से चार फसल की तुड़ाई की जा सकती है। मिट्टी के मटकी को 4 से 5 बार या उसके फूटने तक काम में लिया जा सकता है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, डॉ शालिनी सिंह, मशरूम यूनिट के सह आचार्य डॉ. अशोक कुमार शाक्य, सहायक आचार्य डॉ. अर्जुन यादव समेत कुल 40 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रति. में कृषि महाविद्यालय विजेता

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित हुए अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय बीकानेर ओवरऑल विजेता बना। प्रतियोगिता का समापन एवं पारितोषिक वितरण समारोह रविवार को विद्या मंडप में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ. ए.के.गहलोत, विशिष्ठ अतिथि मशरूम मैन नाम से प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ. दयाराम थे। अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत , कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के यादव आदि भी इस दौरान मौजूद रहे।

अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय बीकानेर बना ओवरऑल चैंपियन

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बनने के बाद पहली बार आयोजित हुए अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय बीकानेर ओवरऑल चैंपियन बना। कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ही 14 से 17 मार्च तक हुई इस खेल प्रतियोगिता का समापन एवं पारितोषिक वितरण समारोह रविवार को विद्या मंडप में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ ए.के.गहलोत, विशिष्ट अतिथि देश में मशरूम मैन नाम से प्रसिद्ध बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ दयाराम थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कुलपति ने खेलों के समापन की घोषणा की। राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ ए.के.गहलोत ने

समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही के नेशनल हेल्थ सर्वे 5 में युवाओं में बढ़ते स्क्रीन टाइम को घातक बताते हुए इसके दुष्परिणाम बताए हैं।

लिहाजा स्क्रीन टाइम कम करते हुए सभी स्टूडेंट्स कोई ना कोई खेल जरूर खेलें, खेलों को हॉबी के रूप में विकसित करें। साथ ही कहा कि पहले कहावत होती थी कि पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे तो होवोगे खराब। ये कहावत कई बार साइंटिफिक रूप से गलत साबित हो चुकी है। अब नई कहावत है 'पढ़े लिखोगे और खेलोगे कूदोगे, तभी बनोगे नवाब' कुलपति डॉ अरुण कुमार ने अपने संबोधन में 3 से 5 अप्रैल तक सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर युवा महोत्सव के आयोजन की घोषणा की। साथ ही कहा कि नए कृषि महाविद्यालयों में भी इनडोर और आउटडोर खेल मैदान और खेल गतिविधियों को जल्द विकसित किया जाएगा। बीकानेर के चारों 4 विश्वविद्यालयों के बीच अंतर विश्वविद्यालय खेलों के आयोजन का भी आह्वान किया।

मशरूम मैन डॉ दयाराम ने कहा कि अगर आप शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से फीट है तभी आप स्वस्थ हैं और ये खेलों के जरिए ही हो सकता है।अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि पीएचईडी करने के दौरान हर खेल में हिस्सा लेने वाला उनका साथी पढ़ाई में ए ग्रेड से पास होता रहा और जो केवल 7-8 घंटे पढ़ते थे उनको बैक लगती रही। कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के यादव ने कहा कि बीपी और डायबिटीज की गोलियों से अगर लाइफ में बचना है तो खेलों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की प्रतिज्ञा लेकर यहां से जाएं। कार्यक्रम की शुरूआत में स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने खेलों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इनके सफल आयोजन को लेकर सहयोग करने वाले सभी व्यक्तियों का आभार जताया। सचिव डॉ वीएस आचार्य ने खेलों के परिणाम घोषित करते हुए विजेता, उपविजेताओं की जानकारी दी। मंच संचालन आईएबीएम की डॉ अदिति माथुर और केवीके बीकानेर के डॉ केशव मेहरा ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय बीकानेर बना ओवरऑल चैंपियन

बीकानेर, 17 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बनने के बाद पहली बार आयोजित हुए अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय बीकानेर ओवरऑल चैंपियन बना। कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ही 14 से 17 मार्च तक हुई इस खेल प्रतियोगिता का समापन एवं पारितोषिक वितरण समारोह रविवार को विद्या मंडप में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ ए.के. गहलोत, विशिष्ठ अतिथि देश में मशरूम मैन नाम से प्रसिद्ध बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ दयाराम थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कुलपति ने खेलों के समापन की घोषणा की। राजुवास के पूर्व कुलपति डॉ ए.के. गहलोत ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही के नेशनल हेल्थ सर्वे 5 में युवाओं में बढ़ते स्क्रीन टाइम को घातक बताते हुए इसके दुष्परिणाम बताए हैं। लिहाजा स्क्रीन टाइम कम करते हुए सभी स्टूडेंट्स कोई ना कोई खेल जरूर खेलें, खेलों को हॉबी के रूप में विकसित करें। साथ ही कहा कि पहले कहावत होती थी कि पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे तो होवोगे खराब। ये कहावत कई बार सांइटिफिक रूप से गलत साबित हो चुकी है। अब नई कहावत है पढ़ो लिखोगे और खेलोगे कूदोगे, तभी बनोगे नवाब। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने अपने संबोधन में 3 से 5 अप्रैल तक सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर युवा महोत्सव के आयोजन की घोषणा की। साथ ही कहा कि नए कृषि महाविद्यालयों में भी इनडोर और आउटडोर खेल मैदान और खेल गतिविधियों को जल्द विकसित किया जाएगा। बीकानेर के चारों 4 विश्वविद्यालयों के बीच अंतर विश्वविद्यालय खेलों के आयोजन का भी आह्वान किया। मशरूम मैन डॉ दयाराम ने कहा कि अगर आप शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से फिट है तभी आप स्वस्थ हैं और ये खेलों के जरिए ही हो सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि पीएचईडी करने के दौरान हर खेल में हिस्सा लेने वाला उनका साथी पढ़ाई में ए ग्रेड से पास होता रहा और जो केवल 7-8 घंटे पढ़ते थे उनको बैक लगती रही। कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के यादव ने कहा कि बीपी और डायबिटीज की गोलियों से अगर लाइफ में बचना है तो खेलों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की प्रतिज्ञा लेकर यहां से जाएं। कार्यक्रम की शुरूआत में स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने खेलों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इनके सफल आयोजन को लेकर सहयोग करने वाले सभी व्यक्तियों का आभार जताया। सचिव डॉ वीएस आचार्य ने खेलों के परिणाम घोषित करते हुए विजेता, उपविजेताओं की जानकारी दी। मंच संचालन आईएबीएम की डॉ अदिति माथुर और केवीके बीकानेर के डॉ केशव मेहरा ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर बीकानेर 18-03-2024

कृषि महाविद्यालय बीकानेर बना ओवरऑल चैंपियन

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि बनने के बाद पहली बार आयोजित हुए। अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय बीकानेर ओवरऑल चैंपियन बना। कृषि विवि परिसर में ही 14 से 17 मार्च तक हुई। इस खेल प्रतियोगिता का समापन एवं पारितोषिक वितरण समारोह रविवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एके गहलोत, विशिष्ठ अतिथि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 19-03-2024

22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 19 मार्च से

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज मंगलवार को होगा। इस प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. वीर सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को स्पोर्ट्स बोर्ड कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें खेलों के आयोजन को लेकर बनाई गई विभिन्न समितियों के समन्वयक शामिल हुए। डॉ. वीर सिंह ने सभी खेलों के बेहतरीन आयोजन को लेकर दिशा निर्देश प्रदान किए। कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक होगा। उद्घाटन समारोह मंगलवार को सुबह 9 बजे कुलपति डॉ. अरुण कुमार के मुख्य आतिथ्य में प्रशासनिक भवन के सामने स्थित मैदान में होगा। शेखावत ने बताया कि शैक्षणेत्तर कर्मचारियों के बीच कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज के अलावा 100 मीटर, 400 मीटर और 15 मीटर दौड़, जैवलिन थ्रो, गोला फेंक खेलों को लेकर मुकाबला होगा।

कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता आज से

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज मंगलवार को होगा। इस प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षिणेत्तर कर्मचारी हिस्सा लेंगे। इस सिलसिले में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. वीर सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को स्पोर्ट्स बोर्ड कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षिणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक होगा। इसमें कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज के अलावा 100 मीटर, 400 मीटर और 15 मीटर दौड़, जैवलिन थ्रो, गोला फेंक जैसे खेल होंगे।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता मंगलवार से

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज मंगलवार को होगा। इस प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. वीर सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को स्पोर्ट्स बोर्ड कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया।

डॉ वीर सिंह ने सभी खेलों के बेहतरीन आयोजन को लेकर दिशा निर्देश प्रदान किए। कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह मंगलवार को सुबह 9 बजे कुलपति डॉ अरुण कुमार के मुख्य आतिथ्य में प्रशासनिक भवन के सामने स्थित मैदान में होगा। शैक्षणेत्तर कर्मचारियों के बीच कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज के अलावा 100 मीटर, 400 मीटर और 15 मीटर दौड़, जैवलिन थ्रो, गोला फेंक खेलों को लेकर मुकाबला होगा। बैठक में कुलपति के ओएसडी इंजी विपिन लड्ढा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, डॉ एके शर्मा, छात्र कल्याण सचिव डॉ वी.एस आचार्य, शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री रतन सिंह शेखावत, महेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ रतन सिंह पुरोहित, किशन सिंह शेखावत आदि उपस्थित थे।

पंजाब केसरी
TUE, 19 MARCH 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 4

22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी लेंगे हिस्सा

स्पोर्ट्स बोर्ड कार्यालय में आयोजित बैठक में भाग लेते हुए। (प्रेम)

बीकानेर, 18 मार्च (प्रेम): स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज मंगलवार को होगा। इस प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी हिस्सा लेंगे।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को स्पोर्ट्स बोर्ड कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें खेलों के आयोजन को लेकर बनाई गई विभिन्न समितियों के समन्वयक शामिल हुए। डॉ वीर सिंह ने सभी खेलों के बेहतरीन आयोजन को लेकर दिशा निर्देश प्रदान किए। कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक होगा।

उद्घाटन समारोह मंगलवार को सुबह 9 बजे कुलपति डॉ अरुण कुमार के मुख्य आतिथ्य में प्रशासनिक भवन के सामने स्थित मैदान में होगा। शेखावत ने बताया कि शैक्षणेत्तर कर्मचारियों के बीच कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज के अलावा 100 मीटर, 400 मीटर और 15 मीटर दौड़, जैवलिन थ्रो, गोला फैंक खेलों को लेकर मुकाबला होगा। श्री रतन सिंह ने सभी शैक्षणेत्तर कार्मिकों को इन खेलों में हिस्सा लेने हेतु आह्वान किया है।

बैठक में कुलपति के ओएसडी इंजी विपिन लड्ढा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, डॉ ए के शर्मा, छात्र कल्याण सचिव डॉ वी.एस आचार्य, शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत, महेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ रतन सिंह पुरोहित, किशन सिंह शेखावत आदि उपस्थित थे।

19 से 21 मार्च तक कृषि विश्वविद्यालय में 22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का होगा आयोजन

खबर एक्सप्रेस

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी लेंगे हिस्सा

बीकानेर, 18 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज मंगलवार को होगा। इस प्रतियोगिता में कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को स्पोर्ट्स बोर्ड कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें खेलों के आयोजन को लेकर बनाई गई विभिन्न समितियों के समन्वयक शामिल हुए। डॉ वीर सिंह ने सभी खेलों के बेहतरीन आयोजन को लेकर दिशा निर्देश प्रदान किए।

कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक होगा। उद्घाटन समारोह मंगलवार को सुबह 9 बजे कुलपति डॉ अरुण कुमार के मुख्य आतिथ्य में प्रशासनिक भवन के सामने स्थित मैदान में होगा। शेखावत ने बताया कि शैक्षणेत्तर कर्मचारियों के बीच कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज के अलावा 100 मीटर, 400 मीटर और 15 मीटर दौड़, जैवलिन थ्रो, गोला फेंक खेलों को लेकर मुकाबला होगा। रतन सिंह ने सभी शैक्षणेत्तर कार्मिकों को इन खेलों में हिस्सा लेने हेतु आह्वान किया है। बैठक में कुलपति के ओएसडी इंजी विपिन लड्डा, सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, डॉ एके शर्मा, छात्र कल्याण सचिव डॉ वी.एस आचार्य, शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत, महेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ रतन सिंह पुरोहित, किशन सिंह शेखावत आदि उपस्थित थे।

कृषि विश्वविद्यालय के उत्पादों की करेंगे ब्रांडिंग: कुलपति

- मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

बीकानेर (सच कहूँ न्यूज)।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन पर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का रविवार को समापन हो गया। मानव संसाधन विकास निदेशालय परिसर में आयोजित समापन कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रशस्ति पत्रों का वितरण किया गया।

बीकानेर। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रशस्ति पत्रों का वितरण करते मंचासीन अतिथि।

इस अवसर पर मशरूम मैन नाम से देश में प्रसिद्ध बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ दयाराम ने कहा कि मशरूम की इतनी मांग होगी कि आप दे नहीं पाएंगे। प्रशिक्षण कार्यशाला में आए कुछ प्रतिभागियों द्वारा कुछ कृषि उत्पादों के मार्केट उपलब्ध नहीं होने की समस्या पर डॉ दयाराम ने कहा कि कई बार आपसी तालमेल के अभाव में किसान अपना उत्पाद बेच नहीं पाता। हर उत्पाद का छोटा और बड़ा मार्केट होता है। बल्क और रिटेल का अलग मार्केट है। मशरूम के मार्केट को लेकर किसी को कोई दिक्कत आए तो मुझसे संपर्क कर सकते हैं। मशरूम मैन ने कहा कि अगर कृषि विश्वविद्यालय ही मशरूम खरीद ले और बेचे तो विश्वविद्यालय की भी ब्रांडिंग होगी। इस अवसर पर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण की सफलता को देखते हुए जल्द ही मशरूम उत्पादन को लेकर सात दिवसीय ट्रेनिंग का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही कहा कि यहां के साइंटिस्ट को बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर भेजकर वहां मशरूम के उत्पादन के अलावा पैकेजिंग, मार्केटिंग, वैल्यू एडिशन, ब्रांडिंग इत्यादि को लेकर पूरी ट्रेनिंग दिलाई जाएगी। ताकि स्थानीय किसानों को इसका लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न उत्पाद और कुछ किसानों के उत्पादों के डिस्प्ले को लेकर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर शॉप्स बनाई जाएंगी। उत्पादों के प्रचार को लेकर बड़े बैनर भी वहां लगाए जाएंगे ताकि कृषि विश्वविद्यालय के उत्पादों की ब्रांडिंग हो और लोगों को अच्छी गुणवत्ता के विभिन्न ऑर्गेनिक उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो सके। इससे पूर्व प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागियों ने कहा कि मशरूम के उत्पाद बनाने को लेकर उन्हें बेहतरीन प्रशिक्षण दिया गया। कुछ प्रतिभागियों ने कहा कि उन्होने लेमन ग्रास, सफेद मूसली समेत कई उत्पाद अपने खेत पर तैयार किए लेकिन मार्केट नहीं मिल पाया। इसको लेकर मशरूम मैन ने उन्हें उत्पादन शुरू करने से पहले मार्केट की पूरी जानकारी लेने, उपभोक्ता और मार्केट के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने की जानकारी दी।

पादप रोग निदान विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाताराम ने अतिथियों, प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा मशरूम को लेकर अब तक आयोजित प्रशिक्षण में ये कार्यक्रम सबसे बेहतरीन रहा। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव समेत प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागी मौजूद रहे।

मशरूम की इतनी मांग होगी कि आप दे नहीं पाएंगे: डॉ दयाराम

मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

तेज. श्रीगंगानगर | संजय सेठी

बीकानेर में कृषि विश्वविद्यालय में 'मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन' पर चल रहा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया है। मानव संसाधन विकास निदेशालय परिसर में आयोजित समापन कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रशस्ति पत्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर मशरूममैन नाम से देश में प्रसिद्ध बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ दयाराम ने कहा कि मशरूम की इतनी मांग होगी कि आप दे नहीं पाएंगे। प्रशिक्षण कार्यशाला में आए कुछ प्रतिभागियों द्वारा कुछ कृषि उत्पादों के मार्केट उपलब्ध नहीं होने की समस्या पर डॉ दयाराम ने कहा कि कई बार आपसी तालमेल के अभाव में किसान अपना उत्पाद बेच नहीं पाता। हर उत्पाद का छोटा और बड़ा मार्केट होता है। बल्क और रिटेल का अलग मार्केट है। मशरूम के मार्केट को लेकर किसी को कोई दिक्कत आए तो मुझसे संपर्क कर सकते हैं। मशरूममैन ने कहा कि अगर कृषि विश्वविद्यालय ही मशरूम खरीद ले और बेचे तो विश्वविद्यालय की भी ब्रांडिंग होगी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण की सफलता को देखते हुए जल्द ही मशरूम उत्पादन को लेकर सात दिवसीय ट्रेनिंग का आयोजन भी किया जाएगा। यहां के साइंटिस्ट को बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर भेजकर वहां मशरूम के उत्पादन के अलावा पैकेजिंग, मार्केटिंग, वैल्यू एडिशन, ब्रांडिंग इत्यादि को लेकर पूरी ट्रेनिंग दिलाई जाएगी,ताकि स्थानीय किसानों को इसका लाभ मिल सके कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न उत्पाद और कुछ किसानों के उत्पादों के डिस्प्ले को लेकर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर शॉप्स बनाई जाएंगी। उत्पादों के प्रचार को लेकर बड़े बैनर भी वहां लगाए जाएंगे ताकि कृषि विश्वविद्यालय के उत्पादों की ब्रांडिंग हो। इससे पूर्व प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागियों ने कहा कि मशरूम के उत्पाद बनाने को लेकर उन्हें बेहतरीन प्रशिक्षण दिया गया। कुछ प्रतिभागियों ने कहा कि उन्होंने लेमन ग्रास, सफेद मूसली समेत कई उत्पाद अपने खेत पर तैयार किए लेकिन मार्केट नहीं मिल पाया। इसको लेकर मशरूममैन ने उन्हें उत्पादन शुरू करने से पहले मार्केट की पूरी जानकारी लेने, उपभोक्ता और मार्केट के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने की जानकारी दी। पादप रोग निदान विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाताराम ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मशरूम को लेकर अब तक आयोजित प्रशिक्षण में ये कार्यक्रम सबसे बेहतरीन रहा।कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी के यादव समेत प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागी उपस्थित रहे।

मशरूम की इतनी मांग होगी कि आप दे नहीं पाएंगे- डॉ दयाराम

मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

श्रीगंगानगर 18 मार्च। बीकानेर में कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन और मूल्य संवर्धन पर चल रहा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया है। मानव संसाधन विकास निदेशालय परिसर में आयोजित समापन कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रशस्ति पत्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर मशरूममैन नाम से देश में प्रसिद्ध बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ दयाराम ने कहा कि मशरूम की इतनी मांग होगी कि आप दे नहीं पाएंगे। प्रशिक्षण कार्यशाला में आए कुछ प्रतिभागियों द्वारा कुछ कृषि उत्पादों के मार्केट उपलब्ध नहीं होने की समस्या पर डॉ दयाराम ने कहा कि कई बार आपसी तालमेल के अभाव में किसान अपना उत्पाद बेच नहीं पाता। हर उत्पाद का छोटा और बड़ा मार्केट होता है। बल्क और रिटेल का अलग मार्केट है। मशरूम के मार्केट को लेकर किसी को कोई दिक्कत आए तो मुझसे संपर्क कर सकते हैं। मशरूममैन ने कहा कि अगर कृषि विश्वविद्यालय ही मशरूम खरीद ले और बेचे तो विश्वविद्यालय की भी ब्रांडिंग होगी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण की सफलता को देखते हुए जल्द ही मशरूम उत्पादन को लेकर सात दिवसीय ट्रेनिंग का आयोजन भी किया जाएगा। यहां के साइंटिस्ट को बिहार के डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर भेजकर वहां मशरूम के उत्पादन के अलावा पैकेजिंग, मार्केटिंग, वैल्यू एडिशन,ब्रांडिंग इत्यादि को लेकर पूरी ट्रेनिंग दिलाई जाएगी,ताकि स्थानीय किसानों को इसका लाभ मिल सके कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न उत्पाद और कुछ किसानों के उत्पादों के डिस्प्ले को लेकर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर शॉप्स बनाई जाएंगी। उत्पादों के प्रचार को लेकर बड़े बैनर भी वहां लगाए जाएंगे ताकि कृषि विश्वविद्यालय के उत्पादों की ब्रांडिंग हो। इससे पूर्व प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागियों ने कहा कि मशरूम के उत्पाद बनाने को लेकर उन्हें बेहतरीन प्रशिक्षण दिया गया। कुछ प्रतिभागियों ने कहा कि उन्होंने लेमन ग्रास, सफेद मूसली समेत कई उत्पाद अपने खेत पर तैयार किए लेकिन मार्केट नहीं मिल पाया। इसको लेकर मशरूममैन ने उन्हें उत्पादन शुरू करने से पहले मार्केट की पूरी जानकारी लेने, उपभोक्ता और मार्केट के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने की जानकारी दी। पादप रोग निदान विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ दाताराम ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मशरूम को लेकर अब तक आयोजित प्रशिक्षण में ये कार्यक्रम सबसे बेहतरीन रहा।कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी के यादव समेत प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागी उपस्थित रहे।

विजेता खिलाड़ियों का महाविद्यालय परिवार ने किया सम्मान

न्यूज सर्विस/नवज्योति, मंडावा। बीकानेर स्तिथ एसके एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय राजस्थान में आयोजित हुई खेलकूद प्रतियोगिता में रामनारायण चौधरी राजकीय कृषि महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने हिस्सा

लेकर श्रेष्ठ प्रदर्शन कर गोल्ड ओर सिल्वर मैडल जीत कर आने पर डॉ सागरमल कुमावत के नेतृत्व में संस्था परिवार द्वारा विजेता रहे खिलाड़ियों की सफलता के सम्मान में सभी का माल्यापर्ण कर स्वागत किया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ कुमावत ने बताया कि बीकानेर में आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में 32 छात्र ओर चार छात्राओं ने कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, सो, दो सौ, ओर चार सौ मीटर दौड़, शॉटपुट ओर लम्बीकूद में हिस्सा लिया था। छात्रा वर्ग में किरण कुमारी ने सौ मीटर में द्वितीय ओर चार सौ मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मैडल, कोमल कुमारी ने सौ मीटर ओर दो सौ मीटर में प्रथम रहते हुए स्वर्ण पदक, पूनम कुमारी ने दो सौ मीटर में तीसरा स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। वही छात्र वर्ग में आशीष कुमार ने लोंगजंप में प्रथम स्थान, कृष्ण कुमार ने दो सौ मीटर तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ कुमावत ने कहा कि बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए खेलकूद, व्यायाम जैसी गतिविधियों का जीवन में शामिल होना चाहिए।

पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान

मंडावा. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित हुई चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में रामनारायण चौधरी राजकीय कृषि महाविद्यालय मंडावा के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गोल्ड और सिल्वर मैडल जीत कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। अधिष्ठाता डॉ सागरमल कुमावत के नेतृत्व में संस्था परिवार द्वारा विजेता रहे खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। कुमावत ने बताया कि बीकानेर में आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में 32 छात्र और चार छात्राओं ने कबड्डी,बॉलीबॉल, बैडमिंटन,टेबल टेनिस,सो,दो सौ,और चार सौ मीटर दौड़, शॉटपुट और लम्बीकूद में हिस्सा लिया था। छात्रा वर्ग में किरण कुमारी ने सौ मीटर में द्वितीय और चार सौ मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मैडल, कोमल कुमारी ने सौ मीटर और दो सौ मीटर में प्रथम रहते हुए स्वर्ण पदक, पूनम कुमारी ने दो सौ मीटर में तीसरा स्थान प्राप्त कर महाविधालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर गेस्ट फेकल्टी का भी स्वागत किया गया। डॉ रणजीत सिंह,डॉ रूप सिंह मीणा ने बीकानेर में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर जानकारी दी। शिक्षिका वंदना ने हेल्दी लाइफ में फल और सब्जियों की भूमिका के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

विजेता खिलाड़ियों का किया सम्मान

निसं

मंडावा (नवयत्न)। एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय राजस्थान में आयोजित हुई खेलकूद प्रतियोगिता में रामनारायण चौधरी राजकीय कृषि महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर श्रेष्ठ प्रदर्शन कर गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतकर आने पर डॉ सागरमल कुमावत के नेतृत्व में संस्था परिवार द्वारा विजेता रहे खिलाड़ियों की सफलता के सम्मान में माल्यापर्ण कर स्वागत किया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ कुमावत ने बताया कि बीकानेर में आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में 32 छात्र और चार छात्राओं ने कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, सौ, दो सौ और चार सौ मीटर दौड़, शॉटपुट और लम्बीकूद में हिस्सा लिया था। छात्रा वर्ग में किरण कुमारी ने सौ मीटर में द्वितीय और चार सौ मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल, कोमल कुमारी ने सौ मीटर ओर दो सौ मीटर में प्रथम रहते हुए स्वर्ण पदक, पूनम कुमारी ने दो सौ मीटर में तीसरा स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं छात्र वर्ग में आशी कुमार ने लोंगजंप में प्रथम स्थान कृष्ण कुमार ने दो सौ मीटर में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ड कुमावत ने कहा कि बेहतरी स्वास्थ्य के लिए खेलकूद, व्यायाम जैसी गतिविधियों का जीवन में शामिल होना चाहिए। इस अवस पर गेस्ट फेकल्टी का भी स्वाग किया गया।

इस अवसर पर डॉ रणजी सिंह, डॉ रूप सिंह मीणा ने बीकानेर में खिलाड़ियों के प्रदर्श पर जानकारी दी।

अंतर महाविधालय में हिस्सा लेकर लौटे विजेताओ का किया सम्मान

मंडावा 18 मार्च (ओम भास्कर ब्यूरो मंडावा) स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित हुई चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में रामनारायण चौधरी राजकीय कृषि महाविद्यालय मंडावा के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर विभिन्न
खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गोल्ड ओर सिल्वर मैडल जीत कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। अधिष्ठाता डॉ सागरमल कुमावत के नेतृत्व में संस्था परिवार द्वारा विजेता रहे खिलाड़ियों की सफलता के सम्मान में महाविद्यालय में समारोह आयोजित कर सभी का माल्यापर्ण कर स्वागत किया गया। महाविधालय के अधिष्ठाता डॉ सागरमल कुमावत ने बताया कि बीकानेर में आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में 32 छात्र ओर चार छात्राओ ने कबड्डी,बॉलीबॉल, बैडमिंटन,टेबल टेनिस,सो,दो सौ,ओर चार सौ मीटर दौड़,शॉटपुट ओर लम्बीकूद में हिस्सा लिया था। छात्रा वर्ग

में किरण कुमारी ने सौ मीटर में द्वितीय ओर चार सौ मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मैडल,कोमल कुमारी ने सौ मीटर ओर दो सौ मीटर में प्रथम रहते हुए स्वर्ण पदक,पूनम कुमारी ने दो सौ मीटर में तीसरा स्थान प्राप्त कर महाविधालय का नाम रोशन किया। वही छात्र वर्ग में आशीष कुमार ने लोंगजंप में प्रथम स्थान,कृष्ण कुमार ने दो सौ मीटर तीसरा स्थान प्राप्त किया। गौरतलब रहे कि गोल्ड विजेता छात्रा कोमल ने प्रथम वर्ष परीक्षा परिणामो में विश्वविद्यालय स्तर पर भी प्रथम स्थान हासिल कर चुकी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ कुमावत ने खिलाड़ियों ओर छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए खेलकूद,व्यायाम ओर सांस्कृतिक गतिविधियों का जीवन मे समावेश होना चाहिए। उन्होंने बताया कि ढाई वर्षों में कृषि महाविद्यालय ने सीमित संसाधनों के बाद भी शैक्षणिक ओर खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था ओर कस्बे जा नाम रोशन किया है। इस अवसर पर गेस्ट फेकल्टी का भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ रणजीत सिंह,डॉ रूप सिंह मीणा ने बीकानेर में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर जानकारी दी। शिक्षिका वंदना ने हेल्दी लाइफ में फल और सब्जियों की भूमिका के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

ओम भास्कर

विजेता खिलाड़ियों का महाविद्यालय में किया सम्मान

मंडावा। एसके एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय राजस्थान बीकानेर में आयोजित हुई खेलकूद प्रतियोगिता में रामनारायण चौधरी राजकीय कृषि महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर श्रेष्ठ प्रदर्शन कर गोल्ड और सिल्वर मैडल जीत कर आने पर डॉ. सागरमल कुमावत के नेतृत्व में समस्त स्टाफ सदस्यों ने जीत कर आए खिलाड़ियों के सम्मान में माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। अधिष्ठाता डॉ. कुमावत ने बताया कि बीकानेर में आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में 32 छात्र और चार छात्राओं ने कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, 100, 200 व 400 मीटर दौड़, शॉटपुट और लंबी कूद में हिस्सा लिया था। छात्रा वर्ग में किरण कुमारी ने सौ मीटर में द्वितीय और चार सौ मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मैडल, कोमल कुमारी ने सौ मीटर और दो सौ मीटर में प्रथम रहते हुए स्वर्ण पदक, पूनम कुमारी ने दो सौ मीटर में तीसरा स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं छात्र वर्ग में आशीष कुमार ने लॉन्ग जम्प में प्रथम स्थान, कृष्ण कुमार ने दो सौ मीटर तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. कुमावत ने कहा कि बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए खेलकूद, व्यायाम जैसी गतिविधियों का जीवन में शामिल होना चाहिए। इस अवसर पर गेस्ट फेकल्टी का भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ. रणजीत सिंह, डॉ. रूप सिंह मीणा ने बीकानेर में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर जानकारी दी। शिक्षिका वंदना ने हेल्दी लाइफ में फल और सब्जियों की भूमिका के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

9 टीमों के 215 कार्मिक ले रहे हिस्सा

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को आगाज हुआ। कृषि विश्वविद्यालय के 215 शैक्षणेत्तर कार्मिकों ने मार्च पास्ट किया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने मार्च पास्ट की सलामी ली और खेलों के उद्घाटन की घोषणा की। कुल सचिव डॉ. देवाराम सैनी ने कहा कि स्ट्रेस को कम करने में खेल सबसे अहम हैं। लिहाजा रोजमर्रा की भागदौड़ से हटकर सभी कार्मिक तीन दिन तक केवल खेल खेलें और खेलों का आनंद लें।

अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत, स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ. वीर सिंह इस मौके पर मौजूद रहे। खेल प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक हो रहा है। इसमें कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 20-03-2024

• कृषि विश्वविद्यालय के 215 शिक्षणेत्तर कार्मिकों ने किया मार्च पास्ट

खेल आयोजन से सभी शिक्षणेत्तर कार्मिकों में होगा उत्साह का संचार: अरुण कुमार

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरूण कुमार थे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुल सचिव डॉ. देवाराम सैनी, निदेशक अनुसंधान डॉ. पीएस शेखावत थे।

कृषि विश्वविद्यालय के 215 शैक्षणेत्तर कार्मिकों ने मार्च पास्ट किया। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने मार्च पास्ट की सलामी ली। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि खेलों का ये आयोजन कार्मिकों में उत्साह का संचार करेगा। कुलसचिव डॉ. देवाराम ने कहा कि स्ट्रेस को कम करने में खेल सबसे अहम हैं। लिहाजा रोजमर्रा की भागदौड़ से हटकर सभी कार्मिक तीन दिन तक केवल खेल खेलें और खेलों का आनंद लें ताकि रिएनर्जेटिक हो सकें। अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने कहा कि खेल में सेफ्टी का विशेष ध्यान रखें। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ. वीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाली इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक हो रहा है। जिसमें कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने कहा कि कार्यालय समय में कार्मिकों का आपस में कम ही मिलना जुलना होता है लेकिन कुलपति ने सभी कार्मिकों को तीन दिन तक आपस में मिलने जुलने और खेलने का मौका दिया है। कार्यक्रम के आखिर में स्पोर्ट्स बोर्ड के सचिव डॉ. वीएस आचार्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन सामान्य शाखा के महावीर प्रसाद तिवाड़ी ने किया।

» 22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ समारोह

खेल आयोजन से सभी शैक्षणेत्तर कार्मिकों में होगा उत्साह का संचार - डॉ अरूण कुमार, कुलपति

इबादत न्यूज

बीकानेर, 19 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। कुलपति सचिवालय के सामने स्थित गार्डन में आयोजित उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरूण कुमार थे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा झंडारोहण से की गई। तत्पश्चात कृषि विश्वविद्यालय के 215 शैक्षणेत्तर कार्मिकों ने मार्च पास्ट किया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने मार्च पास्ट की सलामी ली और खेलों के उद्घाटन की घोषणा की।

इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि खेलों का ये आयोजन कार्मिकों में उत्साह का संचार करेगा। साथ ही कहा कि ये आयोजन कार्मिकों को आपस में स्नेह, सम्मान व एक दूसरे को और ज्यादा इज्जत देना सिखाएगा। इस आयोजन के बाद सभी कार्मिक पूर्ण ऊर्जा के साथ विश्वविद्यालय को एक नई गति, नई दिशा देने में सहयोग करेंगे।

कुलसचिव डॉ देवाराम ने कहा कि स्ट्रेस को कम करने में खेल सबसे अहम हैं। लिहाजा रोजमर्रा की भागदौड़ से हटकर सभी कार्मिक तीन दिन तक केवल खेल खेलें और खेलों का आनंद लें। ताकि रिएनर्जेटिक हो सकें। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि खेल में सेफ्टी का विशेष ध्यान रखें। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाली इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक हो रहा है। जिसमें कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं।

शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने कहा कि कार्यालय समय में कार्मिकों का आपस में कम ही मिलना जुलना होता है लेकिन कुलपति ने सभी कार्मिकों को तीन दिन तक आपस में मिलने जुलने और खेलने का मौका दिया है। इसका सभी कार्मिक भरपूर लाभ उठाएं। कार्यक्रम के आखिर में स्पोर्ट बोर्ड के सचिव डॉ वीएस आचार्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन सामान्य शाखा के महावीर प्रसाद तिवाड़ी ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक समेत शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा।

खेल आयोजन से सभी शैक्षणैत्तर कार्मिकों में होगा उत्साह का संचालन: कुलपति डॉ अरूण कुमार

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 19 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। कुलपति सचिवालय के सामने स्थित गार्डन में आयोजित उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरूण कुमार थे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा झंडारोहण से की गई। तत्पश्चात कृषि विश्वविद्यालय के 215 शैक्षणेत्तर कार्मिकों ने मार्च पास्ट किया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने मार्च पास्ट की सलामी ली और खेलों के उद्घाटन की घोषणा की।

इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि खेलों का ये आयोजन कार्मिकों में उत्साह का संचार करेगा। साथ ही कहा कि ये आयोजन कार्मिकों को आपस में स्नेह, सम्मान व एक दूसरे को और ज्यादा इज्जत देना सिखाएगा। इस आयोजन के बाद सभी कार्मिक पूर्ण ऊर्जा के साथ विश्वविद्यालय को एक नई गति, नई दिशा देने में सहयोग करेंगे।

कुलसचिव डॉ देवाराम ने कहा कि स्ट्रेस को कम करने में खेल सबसे अहम हैं। लिहाजा रोजमर्रा की भागदौड़ से हटकर सभी कार्मिक तीन दिन तक केवल खेल खेलें और खेलों का आनंद लें। ताकि रिएनर्जेटिक हो सकें।अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि खेल में सेफ्टी का विशेष ध्यान रखें।

स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाली इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक हो रहा है। जिसमें कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं।

शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने कहा कि कार्यालय समय में कार्मिकों का आपस में कम ही मिलना जुलना होता है लेकिन कुलपति ने सभी कार्मिकों को तीन दिन तक आपस में मिलने जुलने और खेलने का मौका दिया है। इसका सभी कार्मिक भरपूर लाभ उठाएं।

कार्यक्रम के आखिर में स्पोर्ट बोर्ड के सचिव डॉ वीएस आचार्य ने धन्यवाद ज्ञपित किया। मंच संचालन सामान्य शाखा के महावीर प्रसाद तिवाड़ी ने किया। कार्यक्रम में शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के संगठन मंत्री महेन्द्र सिंह राठौड़ समेत कृषि विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक समेत शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहे।

खेल आयोजन से सभी शैक्षणेत्तर कार्मिकों में होगा उत्साह का संचार : डॉ अरूण कुमार, कुलपति, एसकेआरएयू

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 19 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। कुलपति सचिवालय के सामने स्थित गार्डन में आयोजित उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरूण कुमार थे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा झंडारोहण से की गई। तत्पश्चात कृषि विश्वविद्यालय के 215 शैक्षणेत्तर कार्मिकों ने मार्च पास्ट किया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने मार्च पास्ट की सलामी ली और खेलों के उद्घाटन की घोषणा की। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि खेलों का ये आयोजन कार्मिकों में उत्साह का संचार करेगा। साथ ही कहा कि ये

आयोजन कार्मिकों को आपस में स्नेह, सम्मान व एक दूसरे को और ज्यादा इज्जत देना सिखाएगा। इस आयोजन के बाद सभी कार्मिक पूर्ण ऊर्जा के साथ विश्वविद्यालय को एक नई गति, नई दिशा देने में सहयोग करेंगे। कुलसचिव डॉ देवाराम ने कहा कि स्ट्रेस को कम करने में खेल सबसे अहम हैं। लिहाजा रोजमर्रा की भागदौड़ से हटकर सभी कार्मिक तीन दिन तक केवल खेल खेलें और खेलों का आनंद लें ताकि रिएनर्जेटिक हो सकें। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि खेल में सेफ्टी का विशेष ध्यान रखें। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाली इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक हो रहा है जिसमें कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने कहा कि कार्यालय समय में कार्मिकों का आपस में कम ही मिलना जुलना होता है लेकिन कुलपति ने सभी कार्मिकों को तीन दिन तक आपस में मिलने जुलने और खेलने का मौका दिया है। इसका सभी कार्मिक भरपूर लाभ उठाएं। कार्यक्रम के आखिर में स्पोर्ट बोर्ड के सचिव डॉ वीएस आचार्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन सामान्य शाखा के महावीर प्रसाद तिवाड़ी ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक समेत शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा।

पुलिस को आमजन नशा तस्करों की दें सूचना : सीओ चौहान

श्रीकरनपुर, 19 मार्च। (रघु शर्मा) पुलिस उप अधीक्षक

संजीव चौहान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि श्रीकरनपुर

ईवीएम, प्रथम रै

चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

बीकानेर, 18 मार्च (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। कुलपति सचिवालय के सामने स्थित गार्डन में आयोजित उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरूण कुमार थे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा झंडारोहण से की गई। तत्पश्चात कृषि विश्वविद्यालय के 215 शैक्षणेत्तर कार्मिकों ने मार्च पास्ट किया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने मार्च पास्ट की सलामी ली और खेलों के उद्घाटन की घोषणा की।

कुलपति डा. अरूण कुमार ने कहा कि खेलों का ये आयोजन कार्मिकों में उत्साह का संचार करेगा। साथ ही कहा कि ये आयोजन कार्मिकों को आपस में स्नेह, सम्मान व एक दूसरे को और ज्यादा इज्जत देना सिखाएगा। इस आयोजन के बाद सभी कार्मिक पूर्ण ऊर्जा के साथ विश्वविद्यालय को एक नई गति, नई दिशा देने में सहयोग करेंगे।

कुलसचिव डा. देवाराम सैनी ने कहा कि स्ट्रेस को कम करने में खेल सबसे अहम हैं। लिहाजा रोजमर्रा की भागदौड़ से हटकर सभी कार्मिक तीन दिन तक केवल खेल खेलें और खेलों का आनंद लें। ताकि रिएनर्जेटिक हो सकें।अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि खेल में सेफ्टी का विशेष ध्यान रखें। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाली इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक हो रहा है। जिसमें कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतनसिंह शेखावत ने कहा कि कार्यालय समय में कार्मिकों का आपस में कम ही मिलना जुलना होता है लेकिन कुलपति ने सभी कार्मिकों को तीन दिन तक आपस में मिलने जुलने और खेलने का मौका दिया है। इसका सभी कार्मिक भरपूर लाभ उठाएं।

कार्यक्रम के आखिर में स्पोर्ट बोर्ड के सचिव डॉ वीएस आचार्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन महावीर प्रसाद तिवाड़ी ने किया। कार्यक्रम में शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के संगठन मंत्री महेन्द्रसिंह राठौड़ समेत कृषि विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक समेत शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहे।

कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता शुरु

बीकानेर, 19 मार्च (तेजकेसरी न्यूज)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। कुलपति सचिवालय के सामने स्थित गार्डन में आयोजित उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार थे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा झंडारोहण से की गई। तत्पश्चात कृषि विश्वविद्यालय के 215 शैक्षणेत्तर कार्मिकों ने मार्च पास्ट किया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने मार्च पास्ट की सलामी ली और खेलों के उद्घाटन की घोषणा की।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि खेलों का ये आयोजन कार्मिकों में उत्साह का संचार करेगा। साथ ही कहा कि ये आयोजन कार्मिकों को आपस में स्नेह, सम्मान व एक दूसरे को और ज्यादा इज्जत देना सिखाएगा। इस आयोजन के बाद सभी कार्मिक पूर्ण ऊर्जा के साथ विश्वविद्यालय को एक नई गति, नई दिशा देने में सहयोग करेंगे।

कुलसचिव डॉ देवाराम ने कहा कि स्ट्रेस को कम करने में खेल सबसे अहम हैं। लिहाजा रोजमर्रा की भागदौड़ से हटकर सभी कार्मिक तीन दिन तक केवल खेल खेलें और खेलों का आनंद लें। ताकि रिएनर्जेटिक हो सकें। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि खेल में सेफ्टी का विशेष ध्यान रखें।

स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाली इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक हो रहा है। जिसमें कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं।

शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने कहा कि कार्यालय समय में कार्मिकों का आपस में कम ही मिलना जुलना होता है लेकिन कुलपति ने सभी कार्मिकों को तीन दिन तक आपस में मिलने जुलने और खेलने का मौका दिया है। इसका सभी कार्मिक भरपूर लाभ उठाएं।

पंजाब केसरी
WED,20 MARCH 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

खेल आयोजन से सभी शैक्षणेत्तर कार्मिकों में होगा उत्साह का संचाल : कुलपति डॉ. अरूण

बीकानेर, 19 मार्च (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। कुलपति सचिवालय के सामने स्थित गार्डन में आयोजित उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि कुलपति डॉ अरूण कुमार थे।

कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ। (प्रेम)

विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा झंडारोहण से की गई। तत्पश्चात कृषि विश्वविद्यालय के 215 शैक्षणेत्तर कार्मिकों ने मार्च पास्ट किया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने मार्च पास्ट की सलामी ली और खेलों के उद्घाटन की घोषणा की।

इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि खेलों का ये आयोजन कार्मिकों में उत्साह का संचार करेगा, साथ ही कहा कि ये आयोजन कार्मिकों को आपस में स्नेह, सम्मान व एक दूसरे को और ज्यादा इज्जत देना सिखाएगा। इस आयोजन के बाद सभी कार्मिक पूर्ण ऊर्जा के साथ विश्वविद्यालय को एक नई गति, नई दिशा देने में सहयोग करेंगे। कुलसचिव डॉ देवाराम ने कहा कि स्ट्रेस को कम करने में खेल सबसे अहम हैं। लिहाजा रोजमर्रा की भागदौड़ से हटकर सभी कार्मिक तीन दिन तक केवल खेल खेलें और खेलों का आनंद लें, ताकि रिएनर्जेटिक हो सकें।

अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि खेल में सेफ्टी का विशेष ध्यान रखें। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाली इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक हो रहा है, जिसमें कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं।

शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने कहा कि कार्यालय समय में कार्मिकों का आपस में कम ही मिलना जुलना होता है, लेकिन कुलपति ने सभी कार्मिकों को तीन दिन तक आपस में मिलने जुलने और खेलने का मौका दिया है। इसका सभी कार्मिक भरपूर लाभ उठाएं। कार्यक्रम में शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के संगठन मंत्री श्री महेन्द्र सिंह राठौड़ समेत कृषि विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक समेत शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहे।

22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह

खेल आयोजन से सभी शैक्षणेत्तर कार्मिकों में होगा उत्साह का संचाल : डॉ अरूण कुमार

(लोकमत, संवाद)।

प्रतियोगिता में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणेत्तर कर्मचारी ले रहे हैं हिस्सा

बीकानेर, 19 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। कुलपति सचिवालय के सामने स्थित गार्डन में आयोजित उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरूण कुमार थे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, निदेशक अनुसंधान डॉ पीएस शेखावत थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा झंडारोहण से की गई। तत्पश्चात कृषि विश्वविद्यालय के 215 शैक्षणेत्तर कार्मिकों ने मार्च पास्ट किया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने मार्च पास्ट की सलामी ली और खेलों के उद्घाटन की घोषणा की। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि खेलों का ये आयोजन कार्मिकों में उत्साह का संचार करेगा। साथ ही कहा कि ये आयोजन कार्मिकों को आपस में स्नेह, सम्मान व एक दूसरे को और ज्यादा इज्जत देना सिखाएगा। इस आयोजन के बाद सभी कार्मिक पूर्ण ऊर्जा के साथ विश्वविद्यालय को एक नई गति, नई दिशा देने में सहयोग करेंगे।

कुलसचिव डॉ देवाराम ने कहा कि स्ट्रेस को कम करने में खेल सबसे अहम हैं। लिहाजा रोजमर्रा की भागदौड़ से हटकर सभी कार्मिक तीन दिन तक केवल खेल खेलें और खेलों का आनंद लें। ताकि रिएनर्जेटिक हो सकें। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि खेल में सेफ्टी का विशेष ध्यान रखें। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन एवं निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष आयोजित होने वाली इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 मार्च तक हो रहा है। जिसमें कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री रतन सिंह शेखावत ने कहा कि कार्यालय समय में कार्मिकों का आपस में कम ही मिलना जुलना होता है लेकिन कुलपति ने सभी कार्मिकों को तीन दिन तक आपस में मिलने जुलने और खेलने का मौका दिया है। इसका सभी कार्मिक भरपूर लाभ उठाएं। कार्यक्रम के आखिर में स्पोर्ट बोर्ड के सचिव डॉ वीएस आचार्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन सामान्य शाखा के श्री महावीर प्रसाद तिवाड़ी ने किया। कार्यक्रम में शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के संगठन मंत्री श्री महेन्द्र सिंह राठौड़ समेत कृषि विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक समेत शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 21-03-2024

चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता : दौड़ और लंबी कूद में दिखा उत्साह

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 19 से 21 मार्च तक चल रही 22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को विभिन्न खेल आयोजन हुए। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि खेलकूद गतिविधियों में शैक्षणेत्तर कर्मचारी बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं।

स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ. वीर सिंह ने बताया कि 100 मीटर दौड़ में वीसी सचिवालय के अजीत सिंह प्रथम, एआरएस के अश्विनी दूसरे और डीईई के संजय चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में एआरएस के रामनिवास प्रथम, वीसी सचिवालय के अजीत सिंह दूसरे और वित्त नियंत्रक कार्यालय के प्रभात सिंह तीसरे स्थान पर रहे।

1500 मीटर दौड़ में वीसी सचिवालय के प्रेम कुमार प्रथम और चितरंजन सिंह दूसरे और एआरएस के जगदीश तीसरे स्थान पर रहे। स्पोर्ट्स बोर्ड ने सचिव डॉ. वीएस आचार्य ने बताया कि शॉटपुट में एआरएस के रामनिवास प्रथम, कृषि कॉलेज के अजहर अब्बास दूसरे और कुलसचिव कार्यालय के रणजीत कुमार तीसरे स्थान पर रहे। लंबी कूद में एआरएस के रामनिवास प्रथम, वीसी सचिवालय के राम दास दूसरे और अजीत सिंह तीसरे स्थान पर रहे। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि फुटबॉल मैच में कुलसचिव कार्यालय की टीम ने वित्त नियंत्रक कार्यालय टीम को 2-0 से कुलपति सचिवालय की टीम ने अनुसंधान निदेशालय टीम को 4-0 से और कृषि अनुसंधान केन्द्र टीम ने कृषि कॉलेज टीम को 1-0 से हराया। इसके अलावा कबड्डी में कुलसचिव कार्यालय टीम ने वित्त नियंत्रक टीम को 32-14 से और प्रसार शिक्षा निदेशालय की टीम ने कृषि अनुसंधान केन्द्र टीम को 35-21 से हराया।

दैनिक भास्कर बीकानेर 21-03-2024

किसान गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन सीख लेंगे तो बड़ा फायदा होगा

बीकानेर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक आशीष कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत व डीएचआरडी निदेशक डॉ. एके शर्मा थे। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक आशीष कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज के जरिए ही हम कम जगह पर फसल का अधिक उत्पादन ले सकते हैं। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि बाजार में जो बीज उपलब्ध हैं उनकी पैकेजिंग और ब्रांडिंग इतनी अच्छी होती है कि गरीब किसान पैसे उधार लेकर उसे खरीदता है।

गुणवत्तापूर्ण बीज से ही कम जगह में अधिक उत्पादन संभव- आशीष कुमार

खबर एक्सप्रेस

गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को लेकर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

बीकानेर, 20 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक आशीष कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत व डीएचआरडी निदेशक डा ए के शर्मा थे।

राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक आशीष कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज के जरिए ही हम कम जगह पर फसल का अधिक उत्पादन ले सकते हैं। जनसंख्या वृद्धि के साथ जमीन कम होती जा रही है। लिहाजा गुणवत्तापूर्णबीज उत्पादन की मांग और बढ़ती जाएगी। प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागी गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाएं ताकि अन्य किसानों को भी इसका लाभ मिले। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि बाजार में जो बीज उपलब्ध हैं उनकी पैकेजिंग और ब्रांडिंग इतनी अच्छी होती है कि गरीब किसान पैसे उधार लेकर उसे खरीदता है। अगर किसान अपने खेत पर ही गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन सीख लेंगे तो उसे बड़ा फायदा होगा। इससे पूर्व अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने बताया कि 14 से 20 मार्च तक आयोजित इस सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर, बुंदेलखंड, झांसी के कुल 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन के साथ उसकी प्रोसेसिंग, ग्रेडिंग, मार्केटिंग इत्यादि की जानकारी दी गई।

अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने स्वागत भाषण और डीएचआडी के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञपित करते हुए कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार कृषि विश्वविद्यालय की प्रगति को लेकर दिन रात लगे रहते हैं। प्रतिभागियों ने कहा कि अब तक उन्होंने थ्योरी ही पढ़ी थी अब प्रैक्टिकली गुणवत्ता बीज उत्पादन की जानकारी मिली। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का बुके भेंट कर किया गया।

कार्यक्रम में प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू-स्पृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ डॉ जेके गौड़, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ एन एस दहिया, समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी और स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

गुणवत्तापूर्ण बीज से ही कम जगह में अधिक उत्पादन संभव : मंडल रेल प्रबंधक

गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को लेकर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

बीकानेर (लोकमत संवाद)।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत व डीएचआरडी निदेशक डॉ ए के शर्मा थे।

राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज के जरिए ही हम कम जगह पर फसल का अधिक उत्पादन ले सकते हैं। जनसंख्या वृद्धि के साथ जमीन कम होती जा रही है। लिहाजा गुणवत्तापूर्णबीज उत्पादन की मांग और बढ़ती जाएगी। प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागी गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाएं ताकि अन्य किसानों को भी इसका लाभ मिले।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि बाजार में जो बीज उपलब्ध हैं उनकी पैकेजिंग और ब्रांडिंग इतनी अच्छी होती है कि गरीब किसान पैसे उधार लेकर उसे खरीदता है। अगर किसान अपने खेत पर ही गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन सीख लेंगे तो उसे बड़ा फायदा होगा। इससे पूर्व अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने बताया कि 14 से 20 मार्च तक आयोजित इस सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर, बुंदेलखंड, झांसी के कुल 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन के साथ उसकी प्रोसेसिंग, ग्रेडिंग, मार्केटिंग इत्यादि की जानकारी दी गई।

अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने स्वागत भाषण और डीएचआडी के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार कृषि विश्वविद्यालय की प्रगति को लेकर दिन रात लगे रहते हैं। प्रतिभागियों ने कहा कि अब तक उन्होंने थ्योरी ही पढ़ी थी अब प्रैक्टिकली गुणवत्ता बीज उत्पादन की जानकारी मिली। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का बुके भेंट कर किया गया।

कार्यक्रम में प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू-स्पृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ डॉ जेके गौड़, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ एन एस दहिया, समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी और स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत हुई विभिन्न खेल गतिविधियां

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 20 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 19 से 21 मार्च तक चल रही 22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न खेल आयोजन हुए। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि खेलकूद गतिविधियों में शैक्षणेत्तर कर्मचारी बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि 100 मीटर दौड़ में वीसी सचिवालय के अजीत सिंह प्रथम, एआरएस के अश्विनी दूसरे और डीईई के संजय चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में एआरएस के रामनिवास प्रथम, वीसी सचिवालय के अजीत सिंह दूसरे और वित्त नियंत्रक कार्यालय के प्रभात सिंह तीसरे स्थान पर रहे। 1500 मीटर दौड़ में वीसी सचिवालय के प्रेम कुमार प्रथम और चितरंजन सिंह दूसरे और एआरएस के जगदीश तीसरे स्थान पर रहे। स्पोर्ट्स बोर्ड ने सचिव डॉ वीएस आचार्य ने बताया कि शॉटपुट में एआरएस के रामनिवास प्रथम, कृषि कॉलेज के अजहर अब्बास दूसरे और कुलसचिव कार्यालय के रणजीत कुमार तीसरे स्थान पर रहे। लंबी कूद में एआरएस के रामनिवास प्रथम, वीसी सचिवालय के राम दास दूसरे और अजीत सिंह तीसरे स्थान पर रहे। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि फुटबॉल मैच में कुलसचिव कार्यालय की टीम ने वित्त नियंत्रक कार्यालय टीम को 2-0 से कुलपति सचिवालय की टीम ने अनुसंधान निदेशालय टीम को 4-0 से और कृषि अनुसंधान केन्द्र टीम ने कृषि कॉलेज टीम को 1-0 से हराया। इसके अलावा कबड्डी में कुलसचिव कार्यालय टीम ने वित्त नियंत्रक टीम को 32-14 से और प्रसार शिक्षा निदेशालय की टीम ने कृषि अनुसंधान केन्द्र टीम को 35-21 से हराया। विदित है कि इस खेल आयोजन में कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं।

गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को लेकर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

बीकानेर, 20 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक आशीष कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत व डीएचआरडी निदेशक डॉ एके शर्मा थे। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक आशीष कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज के जरिए ही हम कम जगह पर फसल का अधिक उत्पादन ले सकते हैं। जनसंख्या वृद्धि के साथ जमीन कम होती जा रही है। लिहाजा गुणवत्तापूर्णबीज उत्पादन की मांग और बढ़ती जाएगी। प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागी गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाएं ताकि अन्य किसानों को भी इसका लाभ मिले। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि बाजार में जो बीज उपलब्ध हैं उनकी पैकेजिंग और ब्रांडिंग इतनी अच्छी होती है कि गरीब किसान पैसे उधार लेकर उसे खरीदता है। अगर किसान अपने खेत पर ही गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन सीख लेंगे तो उसे बड़ा फायदा होगा। इससे पूर्व अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने बताया कि 14 से 20 मार्च तक आयोजित इस सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर, बुंदेलखंड, झांसी के कुल 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन के साथ उसकी प्रोसेसिंग, ग्रेडिंग, मार्केटिंग इत्यादि की जानकारी दी गई। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने स्वागत भाषण और डीएचआडी के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार कृषि विश्वविद्यालय की प्रगति को लेकर दिन रात लगे रहते हैं। प्रतिभागियों ने कहा कि अब तक उन्होंने थ्योरी ही पढ़ी थी अब प्रैक्टिकली गुणवत्ता बीज उत्पादन की जानकारी मिली। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का बुके भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू-स्पृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ डॉ जेके गौड़, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ एन एस दहिया, समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी और स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

NEWS BOX

कृषि विवि में खेलकूद प्रतियोगिता

बीकानेर(सीमा सन्देश)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि में 19 से 21 मार्च तक चल रही 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को विभिन्न खेल हुए। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि खेलकूद गतिविधियों में शैक्षणेत्तर कर्मचारी बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि 100 मीटर दौड़ में अजीत सिंह प्रथम, अश्विनी दूसरे और संजय चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में रामनिवास प्रथम, अजीत सिंह दूसरे और प्रभात सिंह तीसरे स्थान पर रहे। 1500 मीटर दौड़ में प्रेम कुमार प्रथम, चितरंजन सिंह दूसरे और जगदीश तीसरे स्थान पर रहे। शॉटपुट में रामनिवास प्रथम, अजहर अब्बास दूसरे और रणजीत कुमार तीसरे पर रहे। लंबी कूद में रामनिवास प्रथम, रामदास दूसरे और अजीत सिंह तीसरे स्थान पर रहे। फुटबॉल मैच में कुलसचिव कार्यालय की टीम ने वित्त नियंत्रक कार्यालय टीम को 2-0 से, कुलपति सचिवालय की टीम ने अनुसंधान निदेशालय टीम को 4-0 से और कृषि अनुसंधान केन्द्र टीम ने कृषि कॉलेज टीम को 1-0 से हराया। कबड्डी में कुलसचिव कार्यालय टीम ने वित्त नियंत्रक टीम को 32-14 से और प्रसार शिक्षा निदेशालय की टीम ने कृषि अनुसंधान केन्द्र टीम को 35-21 से हराया। खेल आयोजन में कृषि विवि की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं।

गुणवत्तापूर्ण बीज से ही कम जगह में अधिक उत्पादन संभव : आशीष कुमार

गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को लेकर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

बीकानेर (लोकमत, संवाद)।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत व डीएचआरडी निदेशक डॉ ए के शर्मा थे।

राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक आशीष कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज के जरिए ही हम कम जगह पर फसल का अधिक उत्पादन ले सकते हैं। जनसंख्या वृद्धि के साथ जमीन कम होती जा रही है। लिहाजा गुणवत्तापूर्णबीज उत्पादन की मांग और बढ़ती जाएगी। प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागी गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाएं ताकि अन्य किसानों को भी इसका लाभ मिले।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि बाजार में जो बीज उपलब्ध हैं उनकी पैकेजिंग और ब्रांडिंग इतनी अच्छी होती है कि गरीब किसान पैसे उधार लेकर उसे खरीदता है। अगर किसान अपने खेत पर ही गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन सीख लेंगे तो उसे बड़ा फायदा होगा। इससे पूर्व अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने बताया कि 14 से 20 मार्च तक आयोजित इस सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर, बुंदेलखंड, झांसी के कुल 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन के साथ उसकी प्रोसेसिंग, ग्रेडिंग, मार्केटिंग इत्यादि की जानकारी दी गई।

अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने स्वागत भाषण और डीएचआडी के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार कृषि विश्वविद्यालय की प्रगति को लेकर दिन रात लगे रहते हैं। प्रतिभागियों

ने कहा कि अब तक उन्होंने थ्योरी ही पढ़ी थी अब प्रैक्टिकली गुणवत्ता बीज उत्पादन की जानकारी मिली। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का बुके भेंट कर किया गया।

कार्यक्रम में प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू-स्पृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ डॉ जेके गौड़, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ एन एस दहिया, समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी और स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

इबादत | (प्रातःकालीन दैनिक) हनुमानगढ़ (राजस्थान) गुरूवार 21 मार्च, 2024

» गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को लेकर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

गुणवत्तापूर्ण बीज से ही कम जगह में अधिक उत्पादन संभव - आशीष कुमार, मंडल रेल प्रबंधक

इबादत न्यूज

बीकानेर, 20 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक को लेकर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। मानव संसाधन विकास निदेशालय में आयोजित समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक आशीष कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। विशेष आमंत्रित सदस्यों में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत व डीएचआरडी निदेशक डॉ ए के शर्मा थे।

राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक आशीष कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज के जरिए ही हम कम जगह पर फसल का अधिक उत्पादन ले सकते हैं। जनसंख्या वृद्धि के साथ जमीन कम होती जा रही है। लिहाजा गुणवत्तापूर्णबीज उत्पादन की मांग और बढ़ती जाएगी। प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागी गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाएं ताकि अन्य किसानों को भी इसका लाभ मिले।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि बाजार में जो बीज उपलब्ध हैं उनकी पैकेजिंग और ब्रांडिंग इतनी अच्छी होती है कि गरीब किसान पैसे उधार लेकर उसे खरीदता है। अगर किसान अपने खेत पर ही गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन सीख लेंगे तो उसे बड़ा फायदा होगा। इससे पूर्व अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने बताया कि 14 से 20 मार्च तक आयोजित इस सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों, विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स समेत जोधपुर, उदयपुर, जोबनेर, बुंदेलखंड, झांसी के कुल 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन के साथ उसकी प्रोसेसिंग, ग्रेडिंग, मार्केटिंग इत्यादि की जानकारी दी गई।

अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने स्वागत भाषण और डीएचआडी के निदेशक डॉ एके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार कृषि विश्वविद्यालय की प्रगति को लेकर दिन रात लगे रहते हैं। प्रतिभागियों ने कहा कि अब तक उन्होंने थ्योरी ही पढ़ी थी अब प्रैक्टिकली गुणवत्ता बीज उत्पादन की जानकारी मिली। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का बुके भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठता डॉ विमला डुंकवाल, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू-स्पृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ डॉ जेके गौड़, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ एन एस दहिया, समेत बड़ी संख्या में प्रतिभागी और स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत चल रही विभिन्न खेल गतिविधियां

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विधविद्यालय में 19 से 21 मार्च तक चल रही 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को विभिन्न खेल आयोजन हुए। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि खेलकूद गतिविधियों में शैक्षणेत्तर कर्मचारी बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं।

स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि 100 मीटर दौड़ में वीसी सचिवालय के अजीत सिंह प्रथम, एआरएस के अश्विनी दूसरे और डीईई के संजय चौधरी तीसरे

स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में एआरएस के रामनिवास प्रथम, वीसी सचिवालय के अजीत सिंह दूसरे और वित्त नियंत्रक कार्यालय के प्रभात सिंह तीसरे स्थान पर रहे।

1500 मीटर दौड़ में वीसी सचिवालय के प्रेम कुमार प्रथम और चितरंजन सिंह दूसरे और एआरएस के जगदीश तीसरे स्थान पर रहे। स्पोर्ट्स बोर्ड ने सचिव डॉ वीएस आचार्य ने बताया कि शॉटपुट में एआरएस के रामनिवास प्रथम, कृषि कॉलेज के अजहर अब्बास दूसरे और कुलसचिव कार्यालय के रणजीत कुमार तीसरे स्थान पर रहे। लंबी कूद में एआरएस के रामनिवास प्रथम, वीसी सचिवालय के राम दास दूसरे और अजीत सिंह तीसरे स्थान पर रहे। शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि फुटबॉल मैच में कुलसचिव कार्यालय की टीम ने वित्त नियंत्रक कार्यालय टीम को 2-0 से कुलपति सचिवालय की टीम ने अनुसंधान निदेशालय टीम को 4-0 से और कृषि अनुसंधान केन्द्र टीम ने कृषि कॉलेज टीम को 1-0 से हराया। इसके अलावा कबड्डी में कुलसचिव कार्यालय टीम ने वित्त नियंत्रक टीम को 32-14 से और प्रसार शिक्षा निदेशालय की टीम ने कृषि अनुसंधान केन्द्र टीम को 35-21 से हराया। विदित है कि इस खेल आयोजन में कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों की 9 टीमों के अंतर्गत 215 कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं।

खेलकूद प्रतियोगिता में कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर विजेता

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हुआ। इस दौरान कृषि अनुसंधान केन्द्र (एआरएस) बीकानेर ओवरऑल विजेता बना। वहीं बेस्ट एथलीट का खिताब कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के रामनिवास चौधरी ने जीता। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ. वीर सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओ में कबड्डी में प्रसार शिक्षा निदेशालय की टीम कप्तान नवरतन चौधरी के नेतृत्व में विजेता और रजिस्ट्रार कार्यालय की टीम उपविजेता रही। शतरंज में वित्त नियंत्रक कार्यालय के एमएस राठौड़ विजेता, पूल के सज्जन सिंह उपविजेता रहे। कैरम डबल में पूल के सज्जन सिंह और अशोक सोनी विजेता और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाबूलाल और मो. इलियास उपविजेता रहे। बैडमिंटन में वीसी सचिवालय के भानु प्रताप सिंह, मनोहर सिंह और अजीत सिंह विजेता और एआरएस बीकानेर के रामनिवास, अश्विनी और डीएल रॉय उपविजेता रहे। स्पोर्ट्स बोर्ड ने सचिव डॉ. वीएस आचार्य ने बताया कि टेबल टेनिस में कृषि महाविद्यालय के विक्रांत सिंह, रणवीर सिंह और मुरारीलाल विजेता और एआरएस बीकानेर के रामनिवास, कल्याण सिंह और रॉय उपविजेता रहे।

» 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह

श्री अन्न (मिलेटस) उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय - ओमप्रकाश पासवान, आईजी

इबादत न्यूज

बीकानेर, 21 मार्च। स्वामी के शवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को समापन हो गया। 'खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि आईजी ओमप्रकाश पासवान, विशिष्ट अतिथि एयरपोर्ट डायरेक्टर सांवरमल सिंगारिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की।

समारोह को संबोधित करते हुए आईजी ओमप्रकाश ने कहा कि अब समय आ गया है जब अन्न और इससे बने उत्पादों की मार्केट में अधिक से अधिक खपत हो। जब एफसीआई गेहूं एवं अन्य फसलों के स्तर पर श्रीअन्न को खरीदना और उसका रखरखाव शुरू कर देगा, तब अन्न उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय है। एयरपोर्ट डायरेक्टर सांवरमल सिंगारिया ने कहा कि मोटे अनाज

को हम भूल चुके थे। लेकिन अब वक्त आ गया है कि अन्न से बने उत्पाद जल्द ही आपको फूड डिलीवरी एप के जरिए भी उपलब्ध होने लगेंगे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों के लिए रहने और उनके ट्रेनिंग को लेकर बेहतरीन व्यवस्था की गई थी। उम्मीद है कि यहां से सीखने के बाद सभी प्रतिभागी उसका उपयोग संबंधित कॉलेज में करेंगे। इससे पूर्व कार्यक्रम सन्वयक एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि पंजाब, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक समेत 11 राज्यों से आए कुल 25 प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण में हिस्सा लिया।

स्थैतिक निगरानी दल हुए सक्रिय, वाहनों की सघन जांच शुरू

इबादत न्यूज

अंतराज्यीय सीमाओं तथा अन्य

दैनिक सीमान्त रक्षक
शुक्रवार, 22 मार्च 2024
सूरतगढ़, जिला श्रीगंगानगर

श्रीअन्न (मिलेट्स) उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय : ओमप्रकाश पासवान, आईजी, पुलिस

अब फूड डिलीवरी एप पर भी जल्द मिलने लगेंगे श्रीअन्न (मिलेट्स) उत्पाद : सांवरमल सिंगारिया, डायरेक्टर, एयरपोर्ट

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 21 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को समापन हो गया। खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना विषय पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि आईजी ओमप्रकाश पासवान, विशिष्ट अतिथि एयरपोर्ट डायरेक्टर सांवरमल सिंगारिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। समारोह को संबोधित करते हुए आईजी ओमप्रकाश ने कहा कि अब समय आ गया है जब श्रीअन्न और इससे बने उत्पादों की मार्केट में अधिक से अधिक खपत हो। जब एफसीआई गेहूं एवं अन्य फसलों के स्तर पर श्रीअन्न को खरीदना और उसका रखरखाव शुरू कर देगा, तब अन्न उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय है। एयरपोर्ट डायरेक्टर सांवरमल सिंगारिया ने कहा कि मोटे अनाज को हम भूल चुके थे लेकिन अब वक्त आ गया है कि श्रीअन्न से बने उत्पाद जल्द ही आपको फूड डिलीवरी एप के जरिए भी उपलब्ध होने लगेंगे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों के लिए रहने और उनके ट्रेनिंग को लेकर बेहतरीन व्यवस्था की गई थी। उम्मीद है कि यहां से सीखने के बाद सभी प्रतिभागी उसका उपयोग संबंधित कॉलेज में करेंगे। इससे पूर्व कार्यक्रम सन्वयक एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि पंजाब, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक समेत 11 राज्यों से आए कुल 25 प्रतिभागियो ने इस प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। सहायक आचार्य श्रीमती ममता सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ मंजू राठौड़ ने किया।

मिलेट्स उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय : आईजी

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को समापन हो गया।%%खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना%% विषय पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि आईजी श्री ओमप्रकाश पासवान, विशिष्ट अतिथि एयरपोर्ट डायरेक्टर श्री सांवरमल सिंगारिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। समारोह को संबोधित करते हुए आईजी श्री ओमप्रकाश ने कहा कि अब समय आ गया है जब श्री अन्न और इससे बने उत्पादों की मार्केट में अधिक से अधिक खपत हो। जब एफसीआई गेहूं एवं अन्य फसलों के स्तर पर श्रीअन्न को खरीदना और उसका रखरखाव शुरू कर देगा, तब श्री अन्न उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय है। एयरपोर्ट डायरेक्टर श्री सांवरमल सिंगारिया ने कहा कि मोटे अनाज को हम भूल चुके थे। लेकिन अब वक्त आ गया है कि श्री अन्न से बने उत्पाद जल्द ही आपको फूड डिलीवरी एप के जरिए भी उपलब्ध होने लगेंगे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों के लिए रहने और उनके ट्रेनिंग को लेकर बेहतरीन व्यवस्था की गई थी। उम्मीद है कि यहां से सीखने के बाद सभी प्रतिभागी उसका उपयोग संबंधित कॉलेज में करेंगे। इससे पूर्व कार्यक्रम सन्वयक एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल ने अतिथियों का स्वागत किया।

एसकेआरएयू : 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता में

कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर बना ओवरऑल चैंपियन

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 19 से 21 मार्च तक चल रही 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हो गया।कृषि अनुसंधान केन्द्र (एआरएस) बीकानेर ओवरऑल चैंपियनशिप बना, वहीं बेस्ट एथलीट का खिताब कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के श्री रामनिवास चौधरी ने जीता। विश्वविद्यालय परिसर में ही विद्या मंडप में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार और विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी और वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र कुमार खत्री थे। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह, सचिव डॉ वीएस आचार्य और शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री रतन सिंह शेखावत ने खेल आयोजन को लेकर सभी व्यवस्थाएं संभाली।

इस अवसर पर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि इस खेल आयोजन से सभी कार्मिकों में उत्साह का संचार हुआ है। अब सभी कार्मिकगण कृषि विश्वविद्यालय को और ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ज्यादा कुशलता के साथ सहयोग करेंगे। कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि कार्मिकों ने इन खेलों का आयोजन ही नहीं किया, बल्कि खूब इंजॉय भी किया। मैं खुद कबड्डी मैच में इसका साक्षी बना। कार्मिकों ने सभी खेलों में पूरी तन्मयता से हिस्सा लिया। वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र खत्री ने कहा कि साल भर में एक बार आयोजित होने वाले ये खेल आयोजन अति महत्वपूर्ण हैं इसमें सभी कर्मचारी तनाव मुक्त होकर नई ऊर्जा को महसूस करते हैं।

शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री रतन सिंह शेखावत ने कहा कि कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कर्मचारियों के लिए आयोजित इस खेल प्रतियोगिता में बहुत सहयोग किया। साथ ही खेल आयोजन में सहयोग करने वालों का भी आभार प्रकट किया। खेल आयोजन को लेकर

स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन श्री वीर सिंह ने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओ में कबड्डी में प्रसार शिक्षा निदेशालय की टीम कप्तान श्री नवरतन चौधरी के नेतृत्व में विजेता और रजिस्ट्रार कार्यालय की टीम उपविजेता रही। शतरंज में वित्त नियंत्रक कार्यालय के श्री एमएस राठौड़ विजेता, पूल के श्री सज्जन सिंह उपविजेता रहे। कैरम डबल में पूल के श्री सज्जन सिंह और श्री अशोक सोनी विजेता और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के श्री बाबूलाल और मो. इलियास उपविजेता रहे। बैडमिंटन में वीसी सचिवालय के श्री भानु प्रताप सिंह, श्री मनोहर सिंह और श्री अजीत सिंह विजेता और एआरएस बीकानेर के श्री रामनिवास, श्री अश्विनी और श्री डीएल रॉय उपविजेता रहे।

स्पोर्ट्स बोर्ड ने सचिव डॉ वीएस आचार्य ने बताया कि टेबल टेनिस में कृषि महाविद्यालय के श्री विक्रांत सिंह, श्री रणवीर सिंह और श्री मुरारीलाल विजेता और एआरएस बीकानेर के श्री रामनिवास, श्री कल्याण सिंह और श्री रॉय उपविजेता रहे। वॉलीबॉल में एआरएस की टीम श्री रामनिवास के नेतृत्व में विजेता और वीसी सचिवालय की टीम उपविजेता रही। बास्केटबॉल में रजिस्ट्रार कार्यालय की टीम श्री सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विजेता और कृषि महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही। फुटबॉल में एआरएस की टीम कप्तान श्री रामनिवास के नेतृत्व में विजेता और रजिस्ट्रार कार्यालय की टीम उपविजेता रही।

शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री रतन सिंह शेखावत ने बताया कि रस्साकस्सी में पूल की टीम कप्तान श्री सूरज रतन रंगा के नेतृत्व में विजेता और एआरएस की टीम उपविजेता रही। सद्भावना क्रिकेट मैच में कप्तान एसके व्यास इलेवन की टीम ने श्री एमएस राठौड़ इलेवन की टीम को हराया। कार्यक्रम में मंच संचालन श्री महावीर प्रसाद तिवाड़ी और प्रोग्रामर श्री दुर्गाशंकर ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

तेज | हनुमानगढ़ जंक्शन | शुक्रवार, 22 मार्च 2024

श्री अन्न (मिलेट्स) उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय: आईजी

तेज | रिपोर्टर बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को समापन हो गया।'खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि आईजी श्री ओमप्रकाश पासवान, विशिष्ट अतिथि एयरपोर्ट डायरेक्टर श्री सांवरमल सिंगारिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। समारोह को संबोधित करते हुए आईजी श्री ओमप्रकाश ने कहा कि अब समय आ गया है जब श्री अन्न और इससे बने उत्पादों की मार्केट में अधिक से अधिक खपत हो। जब एफसीआई गेहूं एवं अन्य फसलों के स्तर पर श्रीअन्न को खरीदना और उसका रखरखाव शुरू कर देगा, तब श्री अन्न उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय है। एयरपोर्ट डायरेक्टर श्री सांवरमल सिंगारिया ने कहा कि मोटे अनाज को हम भूल चुके थे। लेकिन अब वक्त आ गया है कि श्री अन्न से बने उत्पाद जल्द ही आपको फूड डिलीवरी एप के जरिए भी उपलब्ध होने लगेंगे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों के लिए रहने और उनके ट्रेनिंग को लेकर बेहतरीन व्यवस्था की गई थी। उम्मीद है कि यहां से सीखने के बाद सभी प्रतिभागी उसका उपयोग संबंधित कॉलेज में करेंगे। इससे पूर्व कार्यक्रम सन्वयक एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि पंजाब, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक समेत 11 राज्यों से आए कुल 25 प्रतिभागियो ने इस प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। सहायक आचार्य श्रीमती ममता सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन से हुई। तत्पश्चात अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया गया। मंच संचालन डॉ मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन एवं डायरेक्टर्स समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

Email:-nareshmaru000@gmail.com

22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता

कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर ओवर ऑल चैंपियन बना

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 19 से 21 मार्च तक चल रही 22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हो गया। कृषि अनुसंधान केन्द्र (एआरएस) बीकानेर ओवरऑल चैंपियनशिप बना, वहीं बेस्ट एथलीट का खिताब कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के रामनिवास चौधरी ने जीता। विश्वविद्यालय परिसर में ही विद्या मंडप में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार और विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी और वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री थे। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह, सचिव डॉ वीएस आचार्य और शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने खेल आयोजन को लेकर सभी व्यवस्थाएं संभाली।

इस अवसर पर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि इस खेल आयोजन से सभी कार्मिकों में उत्साह का संचार हुआ है।

स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओ में कबड्डी में प्रसार शिक्षा निदेशालय की टीम कप्तान नवरतन चौधरी के नेतृत्व में विजेता और रजिस्ट्रार कार्यालय की टीम उपविजेता रही। शतरंज में वित्त नियंत्रक कार्यालय के एमएस राठौड़ विजेता, पूल के सज्जन सिंह उपविजेता रहे। कैरम डबल में पूल के सज्जन सिंह और अशोक सोनी विजेता और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाबूलाल और मो. इलियास उपविजेता रहे। बैडमिंटन में वीसी सचिवालय के भानु प्रताप सिंह, मनोहर सिंह और अजीत सिंह विजेता और एआर एस बीकानेर के रामनिवास, अश्विनी और डीएल रॉय उपविजेता रहे।

स्पोर्ट्स बोर्ड ने सचिव डॉ वी एस आचार्य ने बताया कि टेबल टेनिस में कृषि महाविद्यालय के विक्रांत सिंह, रणवीर सिंह और मुरारीलाल विजेता और एआरएस बीकानेर के रामनिवास, कल्याण सिंह और रॉय उपविजेता रहे। वॉलीबॉल में एआरएस की टीम रामनिवास के नेतृत्व में विजेता और वीसी सचिवालय की टीम उपविजेता रही। बास्केटबॉल में रजिस्ट्रार कार्यालय की टीम सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विजेता और कृषि महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही। फुटबॉल में एआरएस की टीम कप्तान रामनिवास के नेतृत्व में विजेता और रजिस्ट्रार कार्यालय की टीम उपविजेता रही।

शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि रस्साकस्सी में पूल की टीम कप्तान श्री सूरज रतन रंगा के नेतृत्व में विजेता और एआरएस की टीम उपविजेता रही।

सद्भावना क्रिकेट मैच में कप्तान एस के व्यास इलेवन की टीम ने एमएस राठौड़ इलेवन की टीम को हराया। कार्यक्रम में मंच संचालन महावीर प्रसाद तिवाड़ी और प्रोग्रामर दुर्गाशंकर ने किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी
FRI,22 MARCH 2024
EDITION: RAJASTHAN , PAGE NO. 6

श्री अन्न (मिलेट्स) उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय : पासवान

■ 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन

समारोह को संबोधित करते हुए आईजी ओमप्रकाश। (प्रेम)

बीकानेर, 21 मार्च (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को समापन हो गया। 'खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि आई.जी. ओमप्रकाश पासवान, विशिष्ट अतिथि एयरपोर्ट डायरेक्टर सांवरमल सिंगारिया थे।

आई.जी. ओमप्रकाश ने कहा कि अब समय आ गया है, जब श्री अन्न और इससे बने उत्पादों की मार्केट में अधिक से अधिक खपत हो।

जब एफ.सी.आई. गेहूं एवं अन्य फसलों के स्तर पर श्रीअन्न को खरीदना और उसका रखरखाव शुरू कर देगा, तब श्री अन्न उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय है। एयरपोर्ट डायरेक्टर सांवरमल सिंगारिया ने कहा कि मोटे अनाज को हम भूल चुके थे, लेकिन अब वक्त आ गया है कि श्री अन्न से बने उत्पाद जल्द ही आपको फूड डिलीवरी एप के जरिए भी उपलब्ध होने लगेंगे।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों के लिए रहने और उनके ट्रेनिंग को लेकर बेहतरीन व्यवस्था की गई थी। उम्मीद है कि यहां से सीखने के बाद सभी प्रतिभागी उसका उपयोग संबंधित कॉलेज में करेंगे।

इससे पूर्व कार्यक्रम सन्वयक एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुंकवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि पंजाब, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक समेत 11 राज्यों से आए कुल 25 प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन एवं डायरेक्टर्स समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

अन्न उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय

21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर का गुरुवार को समापन हुआ। खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बाजरा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना विषय पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि आईजी ओमप्रकाश पासवान, विशिष्ट अतिथि एयरपोर्ट डायरेक्टर सांवरमल सिंगारिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की।

आईजी ने कहा कि अब समय आ गया है, जब श्री अन्न और इससे बने उत्पादों की मार्केट में अधिक से अधिक खपत हो। जब एफसीआई गेहूं एवं अन्य फसलों के स्तर पर श्रीअन्न को खरीदना और उसका रखरखाव शुरू कर देगा, तब श्री अन्न उत्पादन करने वाले किसानों का भविष्य सुखद होना तय है। कुलपति ने कहा कि 21 दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों के लिए रहने और उनके ट्रेनिंग को लेकर बेहतरीन व्यवस्था की गई थी। उम्मीद है कि यहां से सीखने के बाद सभी प्रतिभागी उसका उपयोग संबंधित कॉलेज में करेंगे। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि पंजाब, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक समेत 11 राज्यों से आए 25 प्रतिभागियो ने इस प्रशिक्षण में हिस्सा लिया।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 22-03-2024

22 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता में कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर बना ओवरऑल चैंपियन

खेलकूद प्रतियोगिता से कर्मचारियों में उत्साह का संचार: डॉ अरुण

बीकानेर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 19 से 21 मार्च तक चल रही 22वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हुआ। कृषि अनुसंधान केन्द्र (एआरएस) बीकानेर ओवरऑल चैंपियनशिप बना। वहीं बेस्ट एथलीट का खिताब कृषि अनुसंधान केन्द्र के रामनिवास चौधरी ने जीता। विश्वविद्यालय परिसर में ही विद्या मंडप में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरुण कुमार और विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी और राजेन्द्र कुमार खत्री थे। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ. वीर सिंह, डॉ. वीएस आचार्य और रतन सिंह शेखावत ने खेल आयोजन को लेकर सभी व्यवस्थाएं संभाली।

इस अवसर पर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि इस खेल आयोजन से सभी कार्मिकों में उत्साह का संचार हुआ है। कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि कार्मिकों ने इन खेलों का आयोजन ही नहीं किया, बल्कि खूब इंजॉय भी किया। स्पोर्ट्स बोर्ड चेयरमैन डॉ वीर सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओं में कबड्डी में प्रसार शिक्षा निदेशालय की टीम कप्तान नवरतन चौधरी के नेतृत्व में विजेता और रजिस्ट्रार कार्यालय की टीम उपविजेता रही। शतरंज में वित्त नियंत्रक कार्यालय के एमएस राठौड़, कैरम डबल में पूल के सज्जन सिंह और अशोक सोनी, बैडमिंटन में वीसी सचिवालय के भानु प्रताप सिंह, मनोहर सिंह और अजीत सिंह विजेता रहे।

स्पोर्ट्स बोर्ड ने सचिव डॉ वीएस आचार्य ने बताया कि टेबल टेनिस में कृषि महाविद्यालय के विक्रांत सिंह, रणवीर सिंह और मुरारीलाल विजेता, वॉलीबॉल में एआरएस की टीम, बास्केटबॉल में रजिस्ट्रार कार्यालय की टीम, फुटबॉल में एआरएस की टीम विजेता रही। शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत ने बताया कि रस्साकस्सी में पूल की टीम जीती, सद्भावना क्रिकेट मैच में कप्तान एसके व्यास इलेवन की टीम ने एमएस राठौड़ इलेवन की टीम को हराया। कार्यक्रम में मंच संचालन महावीर प्रसाद तिवाड़ी और दुर्गाशंकर ने किया।

नाथ प्रीमियम लीग में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बीकानेर| नाथ समाज क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 4 के दूसरे दिन ग्रुप बी की टीमों के मैच सादुल क्लब मैदान में हुए। प्रतियोगिता में श्रीगंगानगर ने लूणकरणसर को 10 विकेट से हराया। बीकानेर एनएमसीए ने मोटेर को 56 रन से हराकर मैच जीता। वहीं चूरू ने अजमेर को 5 विकेट से और नागौर ने भूरासर को हराया। नाथ समाज जिलाध्यक्ष कान नाथ सारण तथा प्रेम नाथ सारण ने खिलाड़ियों को मैन ऑफ द मैच देकर सम्मानित किया।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 23-03-2024

व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुक्रवार को आयोजित समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्नातकोत्तर शिक्षा व्याख्याता डॉ दीपाली धवन थीं। विशिष्ट अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, भू सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, स्टूडेंट्स वेलफेयर निदेशक डॉ वीर सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एके शर्मा ने की। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट का वितरण किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में योग और प्राकृतिक चिकित्सा पर हुए सेशन को लेकर कहा कि 20 साल पहले प्रेगनेंसी में अस्थमा होने पर आयुष चिकित्सक की सलाह पर जलनेति की क्रिया से उन्हें ऐसी राहत मिली कि 20 साल बाद भी कभी अस्थमा नहीं हुआ। इस प्रशिक्षण में कुल 151 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मानव संसाधन विशेषज्ञ डॉ गौरव बिस्सा, ब्रह्म गायत्री सेवा आश्रम के पीठाधीश श्री रामेश्वरानंद, डॉ. देवा राम काकड़, डॉ. पीएस शेखावत, डॉ. एनडी यादव, सुरेश बिश्नोई समेत अन्य विषय विशेषज्ञों के लेक्चर हुए। सहायक आचार्य डॉ. सीमा त्यागी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. विवेक व्यास ने किया। कार्यक्रम में ईओ डॉ. जेके गौड़, डॉ. एनएस दहिया, डॉ. वाईके सिंह, डॉ. सुजीत कुमार, डॉ. देवेन्द्र झाझड़िया, एमएस शेखावत समेत अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

लेक्चर सुनने के साथ अपने जीवन में भी उतारें : डॉ धवन

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुक्रवार को आयोजित समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्नातकोत्तर शिक्षा व्याख्याता डॉ दीपाली धवन थी। विशिष्ट अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, भू सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, स्टूडेंट्स वेलफेयर निदेशक डॉ वीर सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास निदेशालय निदेशक डॉ ए के शर्मा ने की। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट का वितरण किया गया।

मुख्य अतिथि अधिष्ठाता डॉ दीपाली धवन ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में लेक्चर सुनने के साथ साथ उसे अपने जीवन में भी उतारें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में योग और प्राकृतिक चिकित्सा पर हुए सेशन को लेकर कहा कि 20 साल पहले प्रेगनेंसी में अस्थमा होने पर आयुष चिकित्सक की सलाह पर जलनेति की क्रिया से उन्हें ऐसी राहत मिली कि 20 साल बाद भी कभी अस्थमा नहीं हुआ।

इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि किसी भी कार्य को करते समय स्ट्रेस ना लें। सभी कार्य पूरे तन्मयता से और खुश होकर करें। साथ ही कहा कि पॉजिटिव सोच वाला व्यक्ति आगे जाता है और नेगेटिव सोच वाला पीछे रह जाता है। इसलिए हर जगह अपनी सोच पॉजिटिव रखें। स्टूडेंट्स वेलफेयर निदेशक डॉ वीर सिंह ने कहा कि इस बार प्रशिक्षण में अलग अलग थीम के लेक्चर हुए हैं। इसका लाभ निश्चित ही प्रतिभागियों को मिलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ ए के शर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कुल 151 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मानव संसाधन विशेषज्ञ डॉ गौरव बिस्सा, ब्रह्म गायत्री सेवा आश्रम के पीठाधीश श्री रामेश्वरानंद, योगा सेंटर इंचार्ज डॉ देवा राम काकड़, अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, काजरी बीकानेर के पूर्व मुखिया डॉ एनडी यादव, पीआरओ श्री सुरेश बिश्नोई समेत अन्य विषय विशेषज्ञों के लेक्चर हुए। सहायक आचार्य डॉ सीमा त्यागी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ विवेक व्यास ने किया।

कृषि महाविद्यालय बीकानेर में विश्व जल दिवस मनाया

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय बीकानेर में शुक्रवार को विश्व जल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी के यादव ने की। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई और संरक्षित खेती से जल बचत संभव है। श्री शेखावत ने कम पानी में तथा सूखा रोधी फसल किस्मों की जानकारी दी।

डॉ पीके यादव ने बताया कि वर्ष 1993 से विश्व जल दिवस 22 मार्च को प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है। वर्ष 2024 के विश्व जल दिवस की थीम शांति के लिए है रखी गई है। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स जल बचत को लेकर जागरूकता फैलाएं। कृषि अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष इंजी. जितेन्द्र कुमार गौड़ ने वर्षा आधारित खेती व सिंचित खेती में जल बचत की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी।

सूक्ष्म सिंचाई और संरक्षित खेती से जल बचत संभव

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के तहत कृषि महाविद्यालय में शुक्रवार को विश्व जल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई और संरक्षित खेती से जल बचत संभव है। कम पानी में तथा सूखा रोधी फसल किस्मों की जानकारी दी। डॉ. पीके यादव, कृषि अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष इंजी. जितेन्द्र कुमार गौड़ ने भी अपनी बात रखी। राजकीय महाविद्यालय गंगाशहर में भी विश्व जल दिवस का आयोजन हुआ। प्राचार्य डॉ. बबिता जैन ने बताया कि हरित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर निबंध तथा जल संरक्षण में हमारा योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं मोहित गहलोत, जयप्रकाश नाई, ललिता प्रजापत, मनसा राजपुरोहित, ज्योति प्रजापत, टीना सुथार, सीताराम, वंशिका मेघवाल, पूजा खुड़िया को भारती गहलोत की ओर से पुरस्कृत किया गया।

कृषि महाविद्यालय प्रांगण में मनाई फूलों की होली

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में शनिवार को फूलों की होली खेली गई। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. पीके यादव ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में बने भोमियाजी महाराज मंदिर प्रांगण में पूजा अर्चना के बाद फूलों की होली का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि महाविद्यालय स्टाफ के साथ-साथ कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न डीन, डायरेक्टर्स व महाविद्यालय स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। डॉ. यादव ने बताया कि सभी ने गुलाल का टीका लगाकर फूलों की होली खेली और एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। सभी डीन डायरेक्टर्स ने कृषि विश्वविद्यालय स्टाफ और स्टूडेंट्स को होली की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत, भू-सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ. दाताराम, मानव संसाधन विकास निदेशालय निदेशक डॉ. एके शर्मा, ईओ डॉ. जेके गौड़, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ. एनएस दहिया, लाइजन ऑफिसर डॉ. वाईके सिंह, सह आचार्य डॉ. अशोक कुमार, डॉ. रणजीत सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान कृषि महाविद्यालय में मौजूद लोग।

फूलों से होली मनाती युवतियां।

फूलों की होली से महका कृषि महाविद्यालय का प्रांगण

बीकानेर (जैन हिन्दुस्तान)। होली के अवसर पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में फूलों की होली का आयोजन शनिवार को किया गया।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय स्टाफ व स्टूडेंट्स को होली की शुभकामनाएं दी।

कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ पीके यादव ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में बने श्री भोमिया जी महाराज मंदिर प्रांगण में पूजा अर्चना के बाद फूलों की होली के आयोजन हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, भू-सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, मानव संसाधन विकास निदेशालय निदेशक डॉ एके शर्मा, ईओ डॉ जे के गौड़, डॉ एन एस दहिया, लाइजन ऑफिसर डॉ वाईके सिंह, सहायक आचार्य डॉ मनमीत कौर, शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत, शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ कृषि महाविद्यालय इकाई के प्रधान विक्रांत सिंह, पदाधिकारी रणवीर सिंह शेखावत, डॉ विजेन्द्र त्रिपाठी समेत कृषि महाविद्यालय स्टॉफ व स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय प्रांगण में फूलों की होली का आयोजन

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय स्टाफ व स्टूडेंट्स को होली की शुभकामनाएं दी है। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के प्रांगण में शनिवार को फूलों की होली खेली गई। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ पीके यादव ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में बने श्री भोमिया जी महाराज मंदिर प्रांगण में पूजा अर्चना के बाद फूलों की होली का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि महाविद्यालय स्टाफ के साथ साथ कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न डीन, डायरेक्टर्स व महाविद्यालय स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।डॉ यादव ने बताया कि सभी ने गुलाल का टीका लगाकर फूलों की होली खेली और एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। सभी डीन डायरेक्टर्स ने कृषि विश्वविद्यालय स्टाफ और स्टूडेंट्स को होली की शुभकामनाएं भी दी।

इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, भू-सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, मानव संसाधन विकास निदेशालय निदेशक डॉ एके शर्मा, ईओ डॉ जेके गौड़, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ एनएस दहिया, लाइजन ऑफिसर डॉ वाईके सिंह, सह आचार्य डॉ अशोक कुमार, डॉ रणजीत सिंह, सहायक आचार्य डॉ अरविंद झाझड़िया,डॉ मनमीत कौर,डॉ अमित कुमावत, डॉ अर्जुन लाल यादव, डॉ सुरेन्द्र यादव, डॉ विक्रम योगी, डॉ कुलदीप प्रकाश शिंदे, डॉ परमेन्द्र सिंह, टीए श्री रणवीर सिंह, शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री रतन सिंह शेखावत, शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ कृषि महाविद्यालय इकाई के प्रधान श्री विक्रांत सिंह, पदाधिकारी श्री रणवीर सिंह शेखावत, डॉ विजेन्द्र त्रिपाठी समेत कृषि महाविद्यालय स्टॉफ व स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी
SUN,24 MARCH 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

कृषि महाविद्यालय प्रांगण में विद्यार्थियों ने खेली फूलों की होली

बीकानेर, 23 मार्च (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय स्टाफ व स्टूडैंट्स को होली की शुभकामनाएं दी है।

होली खेलते हुए कर्मचारी। (प्रेम)

कृषि महाविद्यालय बीकानेर के प्रांगण में शनिवार को फूलों की होली खेली गई। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. पी.के. यादव ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में बने भोमिया महाराज मंदिर प्रांगण में पूजा-अर्चना के बाद फूलों की होली का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि महाविद्यालय स्टाफ के साथ-साथ कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न डीन, डायरेक्टर्स व महाविद्यालय स्टूडैंट्स ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत, भू-सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ. दाताराम, मानव संसाधन विकास निदेशालय निदेशक डॉ. ए.के. शर्मा, ई.ओ. डॉ. जे.के. गौड़, डॉ. एन.एस. दहिया, लाइजन ऑफिसर डॉ. वाई.के. सिंह सहित कृषि महाविद्यालय स्टॉफ व स्टूडैंट्स उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय प्रांगण में फूलों की होली का आयोजन

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय स्टाफ व स्टूडेंट्स को दी होली की शुभकामनाएं

बीकानेर (लोकमत, संवाद)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय स्टाफ व स्टूडेंट्स को होली की शुभकामनाएं दी है। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के प्रांगण में शनिवार को फूलों की होली खेली गई। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ पीके यादव ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में बने श्री भोमिया जी महाराज मंदिर प्रांगण में पूजा अर्चना के बाद फूलों की होली का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि महाविद्यालय स्टाफ के साथ साथ कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न

डीन, डायरेक्टर्स व महाविद्यालय स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया डॉ यादव ने बताया कि सभी ने गुलाल का टीका लगाकर फूलों की होली खेली और एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। सभी डीन डायरेक्टर्स ने कृषि विश्वविद्यालय स्टाफ और स्टूडेंट्स को होली की शुभकामनाएं भी दी।

इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, भू-सदृश्यता एवं आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, मानव संसाधन विकास निदेशालय निदेशक डॉ एके शर्मा, ईओ डॉ जेके गौड़, डॉ एनएस दहिया, लाइजन ऑफिसर डॉ वाईके सिंह, सहायक आचार्य डॉ मनमीत कौर, शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री रतन सिंह शेखावत, शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ कृषि महाविद्यालय इकाई के प्रधान श्री विक्रांत सिंह, पदाधिकारी श्री रणवीर सिंह शेखावत, डॉ विजेन्द्र त्रिपाठी समेत कृषि महाविद्यालय स्टॉफ व स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर
बीकानेर ज़िला 29-03-2024

बीजों द्वारा उत्पन्न होने वाले रोगों और उनके उचित प्रबंधन की दी जानकारी

कृषि अनुसंधान केंद्र पर प्रक्षेत्र दिवस मनाया

बीकानेर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में गुरुवार को प्रक्षेत्र दिवस आयोजित हुआ। इस अवसर पर जो, गेहूं, मेथी और चने में विभिन्न बीज जनित रोगों का बीज उपचार द्वारा रोगों का नियंत्रण विषय पर आयोजित प्रक्षेत्र दिवस के मुख्य अतिथि अमेठी उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील किसान तेजभान सिंह और गोविंद सिंह चौहान थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। कुलपति ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बीजों द्वारा उत्पन्न होने वाले रोगों व उनका उचित प्रबंधन एवं अधिक उपज प्राप्त करने की तकनीक के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने रोगों के प्रबंधन के लिए बीज उपचार को सबसे उत्तम एवं सबसे सस्ता माध्यम बताया। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने रोगों द्वारा फसलों को होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। निदेशक बीज डॉ. पीसी गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित दिया। इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने सभी किसानों को कृषि अनुसंधान केंद्र पर संचालित विभिन्न कृषि प्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और भ्रमण भी करवाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एसआर यादव, अमनदीप समेत कृषि अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों अन्य कार्मिकों समेत 45 किसानों ने हिस्सा लिया।

बीजों से उत्पन्न होने वाले रोगों के बारे में दी जानकारी

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में गुरुवार को प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड डे) आयोजित किया गया। जौ, गेहूं, मेथी और चने में विभिन्न बीज जनित रोगों का बीज उपचार से रोगों का नियंत्रण विषय पर आयोजित प्रक्षेत्र दिवस के मुख्य अतिथि अमेठी (उत्तर प्रदेश) के प्रगतिशील किसान तेजभान सिंह और गोविंद सिंह चौहान थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बीजों से उत्पन्न होने वाले रोगों व उनका उचित प्रबंधन एवं अधिक उपज प्राप्त करने की तकनीक के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने रोगों के प्रबंधन के लिए बीज उपचार को सबसे उत्तम एवं सबसे सस्ता माध्यम बताया। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने रोगों से फसलों को होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया।

इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने सभी किसानों को कृषि अनुसंधान केंद्र पर संचालित विभिन्न कृषि प्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और भ्रमण भी करवाया गया।

कृषि अनुसंधान केंद्र पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

प्रक्षेत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते किसान व अन्य। (प्रेम)

बीकानेर, 28 मार्च (प्रेम): स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड-डे) आयोजित किया गया। जौ, गेहूं, मेथी और चने में विभिन्न बीज जनित रोगों का बीज उपचार द्वारा रोगों का नियंत्रण विषय पर आयोजित प्रक्षेत्र दिवस के मुख्यातिथि अमेठी उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील किसान तेजभान सिंह और गोविंद सिंह चौहान थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। कुलपति ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बीजों द्वारा उत्पन्न होने वाले रोगों व उनका उचित प्रबंधन एवं अधिक उपज प्राप्त करने की तकनीक के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने रोगों के प्रबंधन के लिए बीज उपचार को सबसे उत्तम एवं सबसे सस्ता माध्यम बताया।

प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने रोगों द्वारा फसलों को होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने सभी किसानों को कृषि अनुसंधान केंद्र पर संचालित विभिन्न कृषि प्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और भ्रमण भी करवाया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.आर. यादव, धानुका ग्रुप से अमनदीप समेत कृषि अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों अन्य कार्मिकों समेत 45 किसानों ने हिस्सा लिया।

कृषि अनुसंधान केंद्र पर प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड डे) आयोजित

बीकानेर, 28 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में गुरुवार को प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड डे) आयोजित किया गया। जो, गेहूं, मेथी और चने में विभिन्न बीज जनित रोगों का बीज उपचार द्वारा रोगों का नियंत्रण विषय पर आयोजित प्रक्षेत्र दिवस के मुख्य अतिथि अमेठी उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील किसान तेजभान सिंह और गोविंद सिंह चौहान थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कुलपति ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बीजों द्वारा उत्पन्न होने वाले रोगों व उनका उचित प्रबंधन एवं अधिक उपज प्राप्त करने की तकनीक के बारे में जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने रोगों के प्रबंधन के लिए बीज उपचार को सबसे उत्तम एवं सबसे सस्ता माध्यम बताया। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने रोगों द्वारा फसलों को होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने सभी किसानों को कृषि अनुसंधान केंद्र पर संचालित विभिन्न कृषि प्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और भ्रमण भी करवाया। क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. आर. यादव, धानुका ग्रूप से अमनदीप समेत कृषि अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों अन्य कार्मिकों समेत 45 किसानों ने हिस्सा लिया।

कुलपति ने पोकरण बकरी फार्म का किया अवलोकन

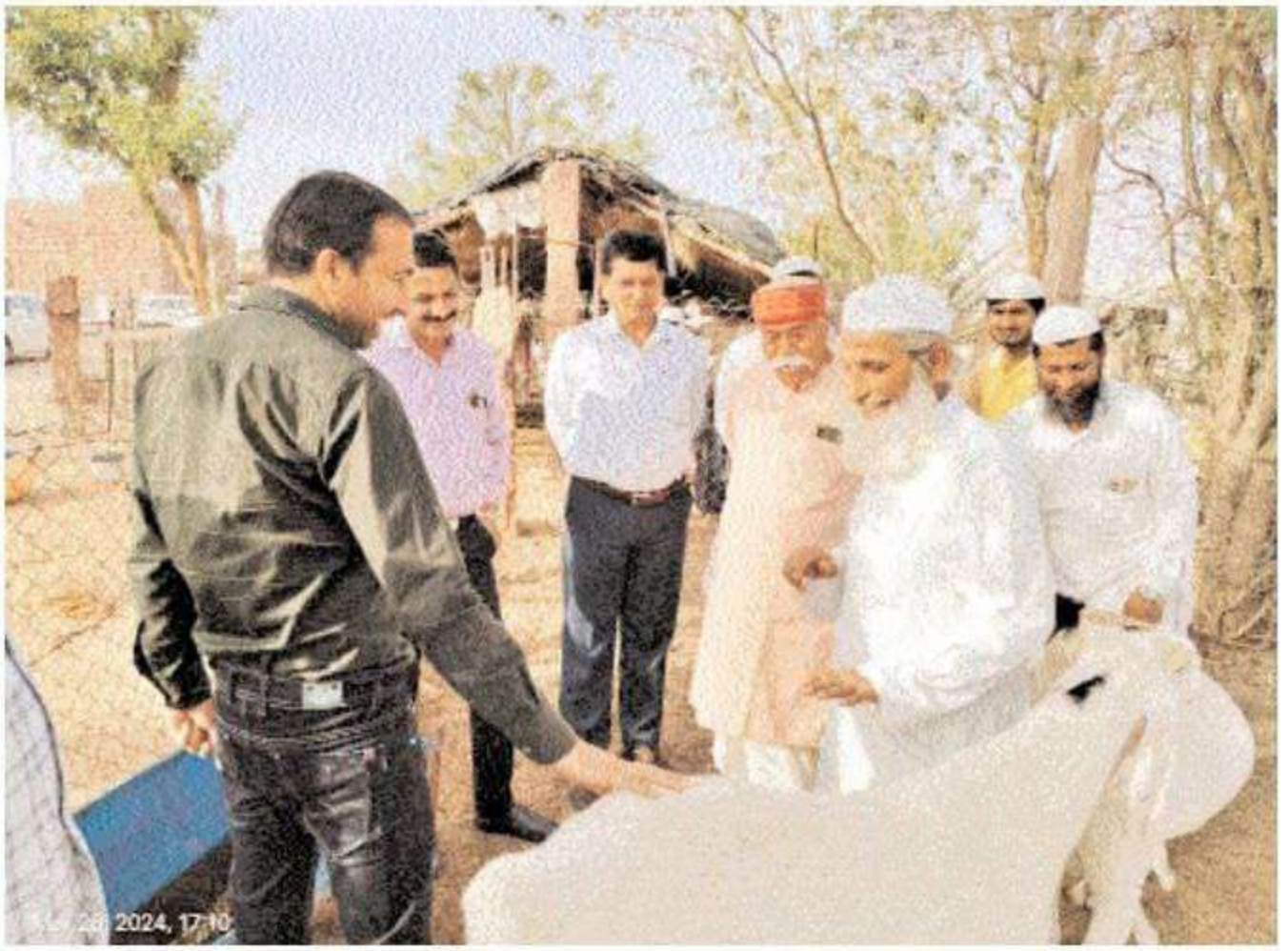

प्रशान्त ज्योति न्यूज

पोकरण। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने पोकरण क्षेत्र के बडली मांडा ग्राम में मदनी बकरी फार्म का भ्रमण किया।

उन्होंने शुष्क क्षेत्रो में बकरी पालन में वैज्ञानिक एवं नवीनतम तकनीको का इस्तेमाल करके कम लागत में अधिक मुनाफा अर्जित करना एवं स्टाल फीडिंग तकनीक का क्षेत्र में प्रसार करने जैसे किये गये उत्कृष्ट कार्यो की सराहना की गयी।

प्रसार शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ सुभाष चन्द्र ने बताया कि बकरी पालन में पिछले दस वर्षो की अनवरत मेहनत एवं कृषि विज्ञान केन्द्र पोकरण से आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण, किसान गोष्ठी, प्रथम पक्ति प्रदर्शन इत्यादि में समय समय पर सक्रीय भागीदारी निभाकर मोहम्मद खान ने एक सफल उधमी के तौर पर अपने आप को जैसलमेर क्षेत्र में साबित किया है।

भ्रमण के दौरान पोकरण केन्द्र अध्यक्ष डॉ दशरथ प्रसाद ने बताया कि मोहम्मद खान के बकरी फार्म पर सोजत, सिरोही, मारवाडी नस्लों का पालन करके हर वर्ष ईद पर बकरे तैयार करके लाखों रूपये अर्जित किये जाते है और साथ ही नस्ल सुधारकर अन्य किसानो को उतम नस्ल के बकरे एवं बकरिया उपलब्ध कराई जाती है। बकरी पालन से होने वाले लाभ को देखकर क्षेत्र के अन्य किसानो का भी व्यावसायिक बकरी पालन की ओर रूझान बढ़ रहा है। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ रामनिवास, के जी व्यास, मुकेश सहित स्टाफ मौजूद रहे।

कुलपति ने किया बकरी फार्म का भ्रमण

पोकरण (आंचलिक) @ पत्रिका . स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति डॉ.अरुणकुमार ने क्षेत्र के बड़ली मांडा गांव में स्थित मदनी बकरी फार्म का भ्रमण किया। उन्होंने शुष्क क्षेत्रों में बकरी पालन में वैज्ञानिक एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा अर्जित करना एवं स्टॉल फीडिंग तकनीक का क्षेत्र में प्रसार करने जैसे किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की गई।

प्रसार शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ.सुभाषचंद्र ने बताया कि बकरी पालन में गत 10 वर्षों की अनवरत मेहनत एवं कृषि विज्ञान केन्द्र पोकरण से आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण, किसान गोष्ठी, प्रथम पक्ति प्रदर्शन आदि में समय समय पर सक्रीय भागीदारी निभाकर मोहम्मद खान ने एक सफल उद्यमी के तौर पर खुद को जैसलमेर क्षेत्र में साबित किया है। भ्रमण के दौरान पोकरण केन्द्र अध्यक्ष डॉ.दशरथ प्रसाद ने बताया कि मोहम्मद खान के बकरी फार्म पर सोजत, सिरोही, मारवाड़ी नस्लों का पालन कर हर वर्ष ईद पर बकरे तैयार किए जाते है, जिससे लाखों रुपए की आमदनी हो रही है। इसके साथ ही नस्ल सुधार अन्य किसानों को उत्तम नस्ल के बकरे एवं बकरियां उपलब्ध करवाई जाती है। बकरी पालन से होने वाले लाभ को देखकर क्षेत्र के अन्य किसानों का भी व्यवसायिक बकरी पालन की ओर रुझान बढ़ रहा है। इस मौके पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉ.रामनिवास, डॉ.केजी व्यास, मुकेश आदि उपस्थित रहे।

खबर एक्स

कृषि अनुसंधान केंद्र पर प्रक्षेत्र दिवस आयोजित

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 28 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में गुरुवार को प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड डे) आयोजित किया गया।

जो, गेहूं, मेथी और चने में विभिन्न बीज जनित रोगों का बीज उपचार द्वारा रोगों का नियंत्रण विषय पर आयोजित प्रक्षेत्र दिवस के मुख्य अतिथि अमेठी उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील किसान तेजभान सिंह और गोविंद सिंह चौहान थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कुलपति ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बीजों द्वारा उत्पन्न होने वाले रोगों व उनका उचित प्रबंधन एवं अधिक उपज प्राप्त करने की तकनीक के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने रोगों के प्रबंधन के लिए बीज उपचार को सबसे उत्तम एवं सबसे सस्ता माध्यम बताया। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने रोगों द्वारा फसलों को होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया द्य कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। निदेशक बीज डॉ. पी. सी. गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञपित दिया। इस दौरान कृषि वैज्ञनिकों ने सभी किसानों को कृषि अनुसंधान केंद्र पर संचालित विभिन्न कृषि प्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और भ्रमण भी करवाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. आर. यादव, धानुका ग्रुप से अमनदीप समेत कृषि अनुसंधान केंद्र के वैज्ञनिकों अन्य कार्मिकों समेत 45 किसानों ने हिस्सा लिया।

कृषि अनुसंधान केंद्र पर प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड डे) आयोजित

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर में गुरुवार को प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड डे) आयोजित किया गया। 'जो, गेहूं, मेथी और चने में विभिन्न बीज जनित रोगों का बीज उपचार द्वारा रोगों का नियंत्रण' विषय पर आयोजित प्रक्षेत्र दिवस के मुख्य अतिथि अमेठी उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील किसान तेजभान सिंह और गोविंद सिंह चौहान थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कुलपति ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बीजों द्वारा उत्पन्न होने वाले रोगों व उनका उचित प्रबंधन एवं अधिक उपज प्राप्त करने की तकनीक के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने रोगों के प्रबंधन के लिए बीज उपचार को सबसे उत्तम एवं सबसे सस्ता माध्यम बताया। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद ने रोगों द्वारा फसलों को होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। निदेशक बीज डॉ. पी. सी. गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित दिया। क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. आर. यादव, धानुका ग्रुप से अमनदीप समेत कृषि अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों अन्य कार्मिकों समेत 45 किसानों ने हिस्सा लिया।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 31-03-2024

• फलों का मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नींबू, संतरा, आम, अनानास इत्यादि से शरबत बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर|

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को फलों का मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश से आए प्रगतिशील किसान तेजभान सिंह और विशिष्ट अतिथि गोविंद सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेजभान सिंह ने कहा कि मूल्य संवर्धन चाहे फलों का हो, फूलों का हो या सब्जियों का। इसका अधिकतम लाभ किसानों को ही मिलना चाहिए।

फसलों के मूल्य संवर्धन कार्यक्रम से अधिकतम किसानों को जोड़ा जाना चाहिए ताकि मूल्य संवर्धन की तकनीक अंतिम किसान तक पहुंचे और किसान की आय बढ़े। प्रगतिशील किसान गोविंद सिंह ने कहा कि आज भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में बहुत तरक्की कर ली है लेकिन अब भी कोल्ड स्टोरेज की कमी या दूसरे कारणों से कुछ प्रतिशत उत्पाद खराब हो जाता है जिसे मूल्य संवर्धन के जरिए कम किया जा सकता है। कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई महिलाएं और किसान अगर फलों का मूल्य संवर्धन सीख कर इसे उपयोग में लेंगे और अन्य लोगों को भी बताएंगे तो ये बड़ी खुशी की बात होगी। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय डीन डॉ. पीके यादव ने बताया कि भारत में 330 मैट्रिक टन खाद्यान्न, 210 मैट्रिक टन सब्जी और 110 मैट्रिक टन फलों का उत्पादन होता है। इससे पूर्व मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एके शर्मा ने स्वागत भाषण दिया और डॉ. जितेन्द्र तिवाड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत, प्रसार निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. विमला डूकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ. आईपी सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. वीर सिंह, डॉ. दाताराम, डॉ. एनएस दहिया, डॉ. एसआर यादव, डॉ. पीएस गुप्ता, डॉ मनमीत कौर समेत प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए किसान, महिलाएं, आईएबीएम स्टूडेंस्, कृषि महाविद्यालय के स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
SUN,31 MARCH 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

किसी भी फसल उत्पाद के मूल्य संवर्धन का अधिकतम लाभ किसानों को मिले : तेजभान सिंह

बीकानेर, 30 मार्च (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को फलों का मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश से आए प्रगतिशील किसान तेजभान सिंह और विशिष्ट अतिथि गोविंद सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए। (प्रेम)

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेजभान सिंह ने कहा कि मूल्य संवर्धन चाहे फलों का हो, फूलों का हो या सब्जियों का, इसका अधिकतम लाभ किसानों को ही मिलना चाहिए। फसलों के मूल्य संवर्धन कार्यक्रम से अधिकतम किसानों को जोड़ा जाना चाहिए, ताकि मूल्य संवर्धन की तकनीक अंतिम किसान तक पहुंचे और किसान की आय बढ़े। प्रगतिशील किसान गोविंद सिंह ने कहा कि आज भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में बहुत तरक्की कर ली है, लेकिन अब भी कोल्ड स्टोरेज की कमी या दूसरे कारणों से कुछ प्रतिशत उत्पाद खराब हो जाता है, जिसे मूल्य संवर्धन के जरिए कम किया जा सकता है।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई महिलाएं और किसान अगर फलों का मूल्य संवर्धन सीख कर इसे उपयोग में लेंगे और अन्य लोगों को भी बताएंगे तो ये बड़ी खुशी की बात होगी। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय डीन डॉ पीके यादव ने बताया कि भारत में 330 मैट्रिक टन खाद्यान्न, 210 मैट्रिक टन सब्जी और 110 मैट्रिक टन फलों का उत्पादन होता है।

पहले इनमें से 20-30 फीसदी उत्पाद खराब हो जाता था, जिसे अब मूल्य संवर्धन के जरिए कम करके 5 से 15 प्रतिशत तक लाया जा चुका है।

कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डूकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह, भू सदृश्यता एवं राजस्व आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ एनएस दहिया, कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस आर यादव, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीएस गुप्ता, एसिस्टेंट प्रो. डॉ मनमीत कौर समेत प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए किसान, महिलाएं, आईएबीएम स्टूडेंस, कृषि महाविद्यालय के स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

फसलों के मूल्य संवर्धन कार्यक्रम से अधिकतम किसानों को जोड़ा जाना चाहिए - तेजभान सिंह

नींबू , संतरा, आम, अनानास इत्यादि से शरबत बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को फलों का मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश से आए प्रगतिशील किसान तेजभान सिंह और विशिष्ट अतिथि गोविंद सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की। मुख्य अतिथि तेजभान सिंह ने कहा कि मूल्य संवर्धन चाहे फलों का हो, फूलों का हो या सब्जियों का। इसका अधिकतम लाभ किसानों को ही मिलना चाहिए। फसलों के मूल्य संवर्धन कार्यक्रम से अधिकतम

किसानों को जोड़ा जाना चाहिए। ताकि मूल्य संवर्धन की तकनीक अंतिम किसान तक पहुंचे और किसान की आय बढ़े।

प्रगतिशील किसान गोविंद सिंह ने कहा कि आज भारत ने खाद्यात्र उत्पादन में बहुत तरक्की कर ली है। लेकिन अब भी कोल्ड स्टोरेज की कमी या दूसरे कारणों से कुछ प्रतिशत उत्पाद खराब हो जाता है जिसे मूल्य संवर्धन के जरिए कम किया जा सकता है। कुलपति डॉ अरूण कुमार , कृषि महाविद्यालय डीन डॉ. पी. के यादव ने भी जानकारी दी। इससे पूर्व मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ ए.के.शर्मा ने स्वागत भाषण दिया और डॉ जितेन्द्र तिवाड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ पी एस शेखावत, प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डूकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह, भू सदृश्यता एवं राजस्व आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ एन एस दहिया, कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस आर यादव, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पी एस गुप्ता, एसिस्टेंट प्रो. डॉ मनमीत कौर समेत प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए किसान, महिलाएं, आईएबीएम स्टूडेंस, कृषि महाविद्यालय के स्टूडेंट्स मौजूद रहे।मंच संचालन मंजू राठौड़ ने किया।

किसी भी फसल उत्पाद के मूल्य संवर्धन का अधिकतम लाभ किसानों को मिले: तेजभान सिंह

◆फलों का मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित
◆नींबू, संतरा, आम, अनानास इत्यादि से शरबत बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

तेजकेसरी न्यूज/बीकानेर, 30 मार्च। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को फलों का मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश से आए प्रगतिशील किसान तेजभान सिंह और विशिष्ट अतिथि गोविंद सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेजभान सिंह ने कहा कि मूल्य संवर्धन चाहे फलों का हो, फूलों का हो या सब्जियों का। इसका अधिकतम लाभ किसानों को ही मिलना चाहिए। फसलों के मूल्य संवर्धन कार्यक्रम से अधिकतम किसानों को जोड़ा जाना चाहिए। ताकि मूल्य संवर्धन की तकनीक अंतिम किसान तक पहुंचे और किसान की आय बढ़े। प्रगतिशील किसान गोविंद सिंह ने कहा कि आज भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में बहुत तरक्की कर ली है। लेकिन अब भी कोल्ड स्टोरेज की कमी या दूसरे कारणों से कुछ प्रतिशत उत्पाद खराब हो जाता है जिसे मूल्य संवर्धन के जरिए कम किया जा सकता है।साथ ही कहा कि पहली बार एक

कृषि वैज्ञानिक को भारत रत्न भी मिला है तो कृषि वैज्ञानिक पूरे उत्साह से कार्य करें ताकि किसानों को अधिकतम लाभ मिल सके। कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई महिलाएं और किसान अगर फलों का मूल्य संवर्धन सीख कर इसे उपयोग में लेगे और अन्य लोगों को भी बताएंगे तो ये बड़ी खुशी की बात होगी। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय डीन डॉ पीके यादव ने बताया कि भारत में 330 मैट्रिक टन खाद्यान्न, 210 मैट्रिक टन सब्जी और 110 मैट्रिक टन फलों का उत्पादन होता है। पहले इनमें से 20-30 फीसदी उत्पाद खराब हो जाता था। जिसे अब मूल्य संवर्धन के जरिए कम करके 5 से 15 प्रतिशत तक लाया जा चुका है। इससे पूर्व मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ ए.के.शर्मा ने स्वागत भाषण दिया और डॉ जितेन्द्र तिवाड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन मंजू राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डूकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह,छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह, भू सदृश्यता एवं राजस्व आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ एनएस दहिया, कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस आर यादव, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीएस गुसा, एसिस्टेंट प्रो. डॉ मनमीत कौर समेत प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए किसान, महिलाएं, आईएबीएम स्टूडेंस, कृषि महाविद्यालय के स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

किसी भी फसल उत्पाद के मूल्य संवर्धन का अधिकतम लाभ किसानों को मिले : श्री तेजभान सिंह, प्रगतिशील किसान

फलों का मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नींबू, संतरा, आम, अनानास इत्यादि से शरबत बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

बीकानेर (लोकमत, संवाद)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को फलों का मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश से आए प्रगतिशील किसान श्री तेजभान सिंह और विशिष्ट अतिथि श्री गोविंद सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री तेजभान सिंह ने कहा कि मूल्य संवर्धन चाहे फलों का हो, फूलों का हो या सब्जियों का। इसका अधिकतम लाभ किसानों को ही मिलना चाहिए। फसलों के मूल्य संवर्धन कार्यक्रम से अधिकतम किसानों को जोड़ा जाना चाहिए। ताकि मूल्य संवर्धन की तकनीक अंतिम किसान तक पहुंचे और किसान की आय बढ़े। प्रगतिशील किसान श्री गोविंद सिंह ने कहा कि आज भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में बहुत तरक्की कर ली है। लेकिन अब भी कोल्ड स्टोरेज की कमी या दूसरे कारणों से कुछ प्रतिशत उत्पाद खराब हो जाता है जिसे मूल्य संवर्धन के जरिए कम किया जा सकता है।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई महिलाएं और किसान अगर फलों का मूल्य संवर्धन सीख कर इसे उपयोग में लेगे और अन्य लोगों को भी बताएंगे तो ये बड़ी खुशी की बात होगी। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय डीन डॉ पीके यादव ने बताया कि भारत में 330 मैट्रिक टन खाद्यान्न, 210 मैट्रिक टन सब्जी और 110 मैट्रिक टन फलों का उत्पादन होता है। पहले इनमें से 20-30 फीसदी उत्पाद खराब हो जाता था। जिसे अब मूल्य संवर्धन के जरिए कम करके 5 से 15 प्रतिशत तक लाया जा चुका है। इससे पूर्व मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ ए.के.शर्मा ने स्वागत भाषण दिया और डॉ जितेन्द्र तिवाड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन श्रीमती मंजू राठौड़ ने किया।

कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ विमला डूकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह,छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह, भू सदृश्यता एवं राजस्व आय सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, एलपीएम विभागाध्यक्ष डॉ एनएस दहिया, कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस आर यादव, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीएस गुसा, एसिस्टेंट प्रो. डॉ मनमीत कौर समेत प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए किसान, महिलाएं, आईएबीएम स्टूडेंस, कृषि महाविद्यालय के स्टूडेंट्स मौजूद रहे।